THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com


## सत्येन्द्र जैन की जमानत का फैसला आज

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की नियमित जमानत याचिका पर सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा।

इस साल जनवरी में, न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ ने जैन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी व प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू की दलीलें सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ में न्यायमूर्ति पंकज मिथल भी शामिल हैं।


**वर्ष-28 अंक : 360** (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन शु.9 2080 सोमवार, 18 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

# तीसरे कार्यकाल में होंगे बड़े निर्णय : मोदी

## आंध्र में गरजे पीएम

पलनाडु, 17 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने शनिवार को आम चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। चुनाव तारीखों के एलान के बाद पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश के पलनाडु में एनडीए गठबंधन की पहली रैली में शिरकत की। खास बात यह है कि इस रैली में पीएम मोदी के साथ ही एनडीए में शामिल टीडीपी के चीफ चंद्रबाबू नायुडू और जन सेना पार्टी के चीफ पवन कल्याण भी मौजूद रहे।

**तीसरे कार्यकाल में होंगे बड़े निर्णय :**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तीसरे कार्यकाल में बड़े निर्णय लिए जाएंगे। विकसित भारत के लिए इस बार एनडीए 400 पार जाएगी। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश को शिक्षा का केन्द्र बनाया जाएगा।

कांग्रेस पर साधा निशाना :

पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए में हम सबको साथ लेकर चलते हैं, लेकिन दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी का एक ही एजेंडा है गठबंधन के लोगों को इस्तेमाल करो और फेंक दो। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस ने भले ही इंडिया गठबंधन बना लिया हो, लेकिन उनकी सोच वही है।

**एनडीए की ताकत बढ़ रही है :**

रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश कह रहा है, अबकी बार 400 पार। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में हमारे सहयोगी लगातार बढ़ रहे हैं। एनडीए की ताकत बढ़ रही है। चंद्रबाबू नायुडू और पवन कल्याण लंबे समय से आपके अधिकारों और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए का लक्ष्य विकसित भारत के लिए विकसित आंध्र प्रदेश का निर्माण करना है।

आंध्र प्रदेश के पलनाडु में एनडीए की रैली आयोजित की गई। इसमें तीन पार्टियों भाजपा, टीडीपी और जन कल्याण के नेता शामिल हुए।

**आंध्र को शिक्षा का केन्द्र बनाएंगे :**

पीएम मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश में केंद्र सरकार की योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए जनता को एनडीए सांसदों और विधायकों को जिताना होगा। एनडीए के सभी सांसद और विधायक जनता के लिए बहुत मेहनत से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आंध्र को शिक्षा का केन्द्र बनाएंगे। ये मोदी की गारंटी है।

>14

# ईसी ने इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा वेबसाइट पर अपलोड किया

## एसबीआई सुप्रीम कोर्ट को आज बताएगा- यूनीक अल्फान्यूमेरिक नंबर क्यों नहीं दिए

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से 16 मार्च को मिला इलेक्टोरल बॉन्ड का नया डेटा रविवार को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 मार्च को रजिस्ट्री को आदेश दिया था कि वे चुनाव आयोग को डिजिटलाइज्ड डेटा सौंपे।

15 मार्च के आदेश के अनुसार चुनाव आयोग को यह लिस्ट नई जानकारी के साथ 17 मार्च शाम 5 बजे तक अपलोड करनी थी। आयोग को यह डेटा सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से डिजिटल रूप में पेन ड्राइव में मिला था। 15 मार्च की सुनवाई में बेंच ने एसबीआई से मिले डेटा को भी अधूरा बताया था। बेंच ने एसबीआई को निर्देश दिया था कि वे इलेक्टोरल बॉन्ड के यूनीक अल्फान्यूमेरिक नंबर की जानकारी 18 मार्च को सुप्रीम कोर्ट को दें।

सुप्रीम कोर्ट को ये डेटा 2019 और 2023 में दिया गया था। इलेक्टोरल बॉन्ड की वैधता पर

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने 2023 में सितंबर तक राजनीतिक पार्टियों को मिले चंदे की जानकारी मांगी थी। इससे पहले कोर्ट ने 2019 में भी फंड से जुड़ी जानकारी मांगी थी। हालांकि अब तक ये स्पष्ट नहीं है कि ये डेटा 14 मार्च को चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए डॉक्यूमेंट्स से कितना अलग है। आयोग ने 14 मार्च को अपनी वेबसाइट पर 763 पेजों की दो लिस्ट अपलोड की थी। एक लिस्ट में बॉन्ड खरीदने वालों की जानकारी है। जबकि दूसरी में राजनीतिक दलों को मिले बॉन्ड की डिटेल है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चुनाव आयोग को बॉन्ड से जुड़ी जानकारी दी थी। एसबीआई ने इसमें यूनीक अल्फा न्यूमेरिक नंबर्स का खुलासा नहीं किया था। इससे यह पता नहीं चल सका कि किसने किसे कितना चंदा दिया है। इसे लेकर कोर्ट ने शुक्रवार (15 मार्च) को एसबीआई को नोटिस जारी किया और 18 मार्च तक जवाब मांगा है।

**राजनीतिक पार्टियों ने मांगे बॉन्ड्स के यूनीक नंबर्स :**

आयोग की वेबसाइट पर मौजूद डेटा के मुताबिक कुछ पार्टियों ने एसबीआई से बॉन्ड्स के यूनीक नंबर्स मांगे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने कहा है कि उसे नंबर्स चाहिए ताकि वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर सके। भारतीय जनता पार्टी ने एसबीआई से ऐसी कोई अपील नहीं की है, बल्कि उसने पूरा डेटा दिया है। बहुजन समाज पार्टी ने कहा कि उसे चुनावी बॉन्ड के जरिए कोई चंदा नहीं मिला है।

>14

# लोकसभा चुनाव के लिए इलेक्शन कमीशन का केवाईसी ऐप लॉन्च

## सीईसी बोले- वोटर्स को उम्मीदवारों के क्रिमिनल रिकॉर्ड-संपत्ति की जानकारी मिलेगी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव का शेड्यूल जारी करने के साथ वोटर्स के लिए नो यॉर कैंडिडेट (केवाईसी) ऐप भी लॉन्च किया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि इस ऐप से वोटर्स को उनके क्षेत्र की लोकसभा सीट पर लड़ रहे प्रत्याशियों के क्रिमिनल रिकॉर्ड की जानकारी मिलेगी।

साथ ही राजीव कुमार ने बताया कि इस ऐप से वोटर्स ये भी जान सकेंगे कि उनके प्रत्याशी के पास कितनी संपत्ति है। ऐप को गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमने ऐसे कई फैसले लिए हैं, जिससे इलेक्शन के दौरान पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो। हम सिंगल यूज प्लास्टिक और पेपर का कम से कम इस्तेमाल करेंगे।

**डिजिटलाइजेशन पर जोर देंगे**

राजीव कुमार ने कहा कि इलेक्शन प्रोसेस में कचरे के मैनेजमेंट के लिए भी अलग निर्देश दिए गए हैं। रिसाइकल करने वाले कचरे को अलग इकट्ठा किया जाएगा। मतदाता सूची और चुनावी सामग्रियों के लिए कागज का बेहद कम इस्तेमाल होगा। डिजिटलाइजेशन पर ज्यादा जोर दिया जाएगा।

इसके अलावा राजनीतिक पार्टियों को भी निर्देश दिए हैं कि चुनावी कैंपेनिंग के मैनेजमेंट में कारपूलिंग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल का ज्यादा उपयोग कराया जाए। नेताओं की रैलियों में पहुंचने के लिए लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगस्त 2023 में 5 राज्यों (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम) के विधानसभा चुनाव के ऐलान के दौरान भी चुनाव आयोग ने पर्यावरण बचाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने की बात कही थी। आयोग ने पार्टियों को बैनर पोस्टर के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलिथिन का इस्तेमाल न करने के निर्देश दिए थे। चुनाव आयोग ने कहा था कि बैनर-पोस्टर में इस्तेमाल हुए सिंगल यूज प्लास्टिक से नालियां ब्लॉक होती है। नदियों को भी नुकसान पहुंचता है। इसकी जगह रिसाइकल किए जा सके प्लास्टिक से बने पोस्टर लगाए जाने चाहिए।

# तेलंगाना, आंध्र और केरल में सबसे महंगा है पेट्रोल-डीजल

## भाजपा शासित राज्यों का क्या है हाल

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पिछले सप्ताह ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। इससे पहले करीब दो साल से वाहन ईंधन कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। इस कटौती से लोगों को कुछ राहत मिली है, लेकिन वैट की ऊंची दरों की वजह से कई राज्यों में अब भी वाहन ईंधन 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक है। देश में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगा है। वहीं जिन राज्यों में पेट्रोल डीजल की कीमतें सबसे कम हैं, उनमें अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली और पूर्वोत्तर के राज्य शामिल हैं। तेल कंपनियों के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। स्थानीय बिक्री कर या मूल्य वर्धित कर (वैट) की दरों में अंतर की वजह से विभिन्न राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अंतर है।

**आंध्र प्रदेश और केरल में सबसे महंगा है पेट्रोल :**

वाई एस जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी सरकार के शासन वाले आंध्र प्रदेश में पेट्रोल सबसे महंगा 109.87 रुपये प्रति लीटर है। इसके बाद लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) शासित केरल का नंबर आता है। वहां एक लीटर पेट्रोल 107.54 रुपये में बिक रहा है। कांग्रेस शासित तेलंगाना में पेट्रोल की कीमत 107.39 रुपये प्रति लीटर है। डीजल कीमतों की बात की जाए, तो आंध्र प्रदेश के अमरावती में यह ईंधन 97.6 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके बाद केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में यह 96.41 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में 95.63 रुपये और रायपुर में 93.31 रुपये प्रति लीटर है।

>14

## प्राकृतिक नहीं कोविड वायरस लैब से फैली महामारी

**ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों का चौंकाने वाला दावा**

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में 70 लाख से ज्यादा लोगों की जान लेने वाले कोविड वायरस को लेकर ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा, वायरस प्राकृतिक नहीं है। एक विशेष उपकरण से वैज्ञानिकों ने पाया कि कोविड वायरस के लैब रिसाव की वजह से दुनिया में फैलने की आशंका 50 प्रतिशत है। मूल रूप से प्राकृतिक महामारी और जानबूझकर किए गए जैविक हमलों के बीच अंतर करने के लिए डिजाइन किए गए ग्रुनो-फिन्के टूल (एमजीएफटी) को संशोधित कर वैज्ञानिकों ने कोविड वायरस का विश्लेषण किया। एमजीएफटी को छोटे स्तर के प्रकोपों के लिए तैयार किया गया, जिसे न्यू साउथ वेल्स व जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी ने संशोधित किया। वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में चल रहे बैट वायरस अनुसंधान के जैविक जोखिम, असामान्य तनाव और महामारी की तीव्रता और गतिशीलता जैसे कारकों को 3, 3 और 2 अंक मिले, जबकि नैदानिक लक्षणों को 2 अंक मिले।

# 7 फेज में चुनाव पर विपक्ष के सवाल

## टीएमसी बोली- बड़ी जेब वाली पार्टी को फायदा होगा, खड़गे बोले- मोदी को प्रचार का ज्यादा मौका मिलेगा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने शनिवार (16 मार्च) को लोकसभा चुनाव का शेड्यूल बताते हुए ऐलान किया कि देश में इस बार 7 फेज में चुनाव होंगे। 19 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग होगी और 1 जून को 7वें चरण के लिए मतदान होगा। पहली वोटिंग के ठीक 46 दिन बाद 4 जून को नतीजे आएंगे।

चुनाव के लंबे शेड्यूल को लेकर विपक्षी पार्टियों ने सवाल उठाए हैं। टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की फाइनेंस मिनिस्टर चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि 7 फेज तक चुनाव को खींचने से बड़ी जेब वाली पार्टी को फायदा मिलेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, यह चुनाव 3 से 4 फेज में हो सकते थे। 7 फेज का मतलब है कि मोदी को पूरे देश में घूमना है। इससे उनको प्रचार के लिए ज्यादा मौका मिलेगा। दरअसल, 1952 का पहला लोकसभा चुनाव 4 महीने तक चला था। इसके बाद 2024 को लोकसभा चुनाव ही होगा जो इतने लंबे समय (46 दिन) तक चलेगा। इस कारण देश में 16 मार्च से लागू हुई आचार संहिता 79 दिन तक रहेगी।

**खड़गे बोले, 70 से 80 दिन तक आचार संहिता लगना गलत :**

खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा-, मैंने 12 इलेक्शन लड़े हैं। कोई भी 46 दिन तक नहीं चला। कई इलेक्शन तो 4 फेज तक ही चले हैं। कभी-कभी तो एक ही फेज में पूरा इलेक्शन हो गया था। 70 से 80 दिन तक आचार संहिता लगाना गलत है। इससे देश का विकास रुक जाएगा। तीन या चार फेज में चुनाव हो जाते तो आचार संहिता कम समय के लिए लगती।

**पवन खेड़ा बोले, घोटाले की आड़ में हो रहे चुनाव :**

खड़गे के अलावा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी भाजपा पर हमला किया। शनिवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा इस बार के चुनाव कई घोटालों के आड़ में हो रहे हैं।

# एल्विश यादव को 14 दिन के लिए जेल

## नोएडा से गिरफ्तार, नशे के लिए सांपों के जहर के इस्तेमाल का मामला

नोएडा, 17 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा पुलिस ने रविवार 17 मार्च को यूट्यूबर एल्विश यादव को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस एल्विश को लेकर शाम करीब 4 बजे ग्रेटर नोएडा की सूरजपुर कोर्ट पहुंची। पेशी के दौरान एल्विश ने दिल्ली से एक वकील बुलाने की मांग की। उसने कोर्ट से 20 मिनट का समय भी मांगा। मगर, कोर्ट ने 10 मिनट ही दिए। दिल्ली से एल्विश का वकील भी नहीं पहुंचा, लेकिन उसके साथ एक वकील पहले से मौजूद था। इसके बाद कोर्ट ने (विशेष रिमांड मजिस्ट्रेट) ने उसको 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। एल्विश को पुलिस ग्रेटर नोएडा की लुक्सर जेल ले गई।

इससे पहले एल्विश से लंबी

पूछताछ की गई थी। पिछले दिनों नोएडा में सांप के जहर सप्लाई करने वाले गिरोह के पर्दाफाश के दौरान एल्विश का नाम सामने आया था। एल्विश के खिलाफ नोएडा में केस दर्ज किया गया था। भाजपा सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल के एनिमल वेलफेयर ऑफिसर गौरव गुप्ता ने इस मामले में शिकायत की थी। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने नोएडा के सेक्टर-49 इलाके में छापा मारा था।

>14

# मोदी-राहुल चुनाव की घोषणा से पहले पूरा देश घूमे

## पीएम लोकसभा की 501, कांग्रेस सांसद 358 सीटें कवर कर चुके, 228 सीटों पर एनडीए-इंडिया आमने-सामने

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों की घोषणा के साथ ही भाजपा की अगुआई वाले 'एनडीए' और कांग्रेस के 'इंडिया' के बीच लड़ाई का मैदान सज गया है।

चुनावी ऐलान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल लगभग पूरा देश घूम चुके हैं। देश के 543 लोकसभा सीटों में पीएम मोदी 501 और राहुल 358 सीटें कवर कर चुके हैं।

पिछले दो महीने के दौरान पीएम मोदी 17 राज्यों में गए हैं। वे 5-5 बार उत्तर प्रदेश-तमिलनाडु, 4 बार केरल, 3-3 बार बंगाल और गुजरात, 2-2 बार बिहार, असम, ओडिशा हरियाणा और राजस्थान, एक बार आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, गोवा,

झारखंड, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर गए। इस दौरान उन्होंने 501 सीटें कवर कीं।

दूसरी तरफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ 63 दिन में 6,700 किलोमीटर का सफर किया। उन्होंने 14 जनवरी को मणिपुर से न्याय यात्रा शुरू की थी। इसके बाद वे नगालैंड, असम, अरुणाचल, मेघालय, बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, यूपी, एमपी, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र गए। इन राज्यों में लोकसभा की 358 सीटें हैं।

**5 राज्यों की 228 सीटों पर गठबंधन आमने-सामने :**

देश में 5 राज्यों की 228 सीटें ऐसी हैं, जहां एनडीए और इंडिया आमने-सामने हैं। ये उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, झारखंड, तमिलनाडु और महाराष्ट्र हैं। इनमें दो राज्यों में 1 और बाकी में 4 से 7 चरणों में चुनाव होगा। यानी नेताओं को जोर आजमाइश का पूरा मौका मिलेगा।

बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल वैसे तो इंडिया में है, लेकिन राज्य में अकेले चुनाव लड़ रही है। उसके सामने भाजपा और कांग्रेस-वामदल हैं।

यूपी में पहली बार सपा-कांग्रेस लोकसभा चुनाव में साथ हैं। बिहार में पिछले लोकसभा-विधानसभा चुनाव में एनडीए के साथ रही जदयू राजद के साथ सरकार चलाने के बाद फिर एनडीए में जुड़ गई है।

## माओवादी चरमपंथ प्रभावित जिलों की संख्या 72 से घटकर हुई 58, गृह मंत्रालय ने की समीक्षा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वामपंथी चरमपंथ (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित 10 राज्यों की व्यापक समीक्षा की है। समीक्षा के दौरान खासतौर पर विशेष वित्त पोषण योजना के तहत आने वाले जिलों के सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) की समीक्षा की गई।

गृह मंत्रालय के मुताबिक, अब देश में माओवादी चरमपंथ प्रभावित जिलों की संख्या 72 से घटकर 58 रह गई है। एलडब्ल्यूई प्रभावित राज्यों व जिलों की समीक्षा के संबंध में गृह मंत्रालय ने इसी सप्ताह प्रभावित राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) को एक पत्र लिखा था, जिसमें बताया गया था कि नया वर्गीकरण एक अप्रैल को नए वित्त वर्ष से प्रभावी होगा। इसके साथ ही पत्र में बताया गया है कि केंद्र व राज्यों की तरफ से सुरक्षा और विकास से संबंधित उठाए जा रहे कदमों की वजह से वामपंथी हिंसा में कमी आई है।

छत्तीसगढ़ के 15 जिले प्रभावित :

प्रभावित जिलों को वामपंथी उग्रवाद से समग्र रूप से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति व कार्य योजना के अंतर्गत एसआरई योजना के तहत विभिन्न अनुदान प्रदान किए जाते हैं। समीक्षा के बाद पता चला है कि वामपंथी चरमपंथ प्रभावित जिलों में सबसे अधिक संख्या 15 जिले छत्तीसगढ़ में है। इसके बाद ओडिशा में 7, झारखंड में 5, मध्य प्रदेश में 3 और केरल, तेलंगाना व महाराष्ट्र दो-दो, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश एक-एक जिले प्रभावित हैं। मंत्रालय के मुताबिक इस श्रेणी में उन जिलों को रखा जाता है, जहां वामपंथी हिंसा लगातार बनी हुई है।

# चुनाव आयोग सरकार के इशारों पर काम करता है

## इलेक्टोरल बॉन्ड पर कपिल सिब्बल ने फिर साधा निशाना

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर एक बार फिर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है, इसका फायदा सीधा बीजेपी को हुआ है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और बीजेपी बताए इस करप्शन पर क्या कहेंगे, उन्हें जवाब देना चाहिए। ईडी सिर्फ विपक्ष के नेताओं पर रेड करती है। अरविंद केजरीवाल को आज नहीं तो कल गिरफ्तार करेगी। चुनाव आयोग सरकार के इशारों पर काम करता है। सात चरणों में चुनाव कराकर आयोग इसी बात को साबित करना चाहता है।

**किसी ने कहा था- ना खाऊंगा ना खाने दूंगा**

इससे पहले इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद सिब्बल ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल्स से पता चलता है कि कहीं न कहीं 'लाभ के बदले लाभ देने' का काम हुआ है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि किसी ने कहा था- ना खाऊंगा ना खाने दूंगा। पीएम मोदी ने 2014 से पहले भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा करते हुए ये बात कही थी।

**एसबीआई ने चुनाव आयोग को बॉन्ड की डिटेल सौंपी**

बता दें कि चुनाव आयोग ने 14 मार्च को इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल्स सार्वजनिक की। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करते हुए भारतीय स्टेट बैंक ने 12 मार्च को चुनाव आयोग को बॉन्ड की डिटेल्स दी, जिसे फिर सार्वजनिक कर दिया गया। इसके सामने आते ही विपक्षी दलों ने बयानबाजी शुरू कर दी और कहा कि डिटेल्स से पता चलता है कि सबसे ज्यादा चुनावी चंदा बीजेपी को मिला है।

**कोर्ट से मांगे गए एक्सटेंशन पर भी की थी टिप्पणी**

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इलेक्टोरल बॉन्ड के दानदाता, लाभ के बदले लाभ स्पष्ट रूप से दिख रहा है। उन्होंने आगे पीएम मोदी का नाम नहीं लिए बगैर कहा, 'एक क्विज है- किसने कहा था- ना खाऊंगा ना खाने दूंगा?' इससे पहले उन्होंने एसबीआई की ओर से इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल्स जारी करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट से मांगे गए एक्सटेंशन पर भी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि एसबीआई ने टालने की कोशिश की, लेकिन कोर्ट मजबूती से खड़ा रहा।

## गोवा के मुख्यमंत्री ने दिखाई दरियादिली सड़क हादसा देख रुकवाया काफिला

पणजी, 17 मार्च (एजेंसियां)। गोवा में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां एक ट्रक घाटी में गिर गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच बच्चों सहित 13 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के हवाले से बताया कि यह हादसा दक्षिण गोवा जिले के क्यूपेम शहर के पास हुआ है। सभी लोग ट्रक पर सवार थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि चालक ने ट्रक से नियंत्रण खो दिया था, जिसके बाद ट्रक पलट गया और घाटी में गिर गया। उन्होंने कहा कि ट्रक में सवार लोग उसमें दब गए। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच बच्चों और तीन महिलाओं सहित 13 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि, हादसे के बाद मौके से गुजर रहे मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घायलों की मदद की। बता दें कि गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और समाज कल्याण मंत्री सुभाष फल देसाई चुनाव प्रचार के बाद रास्ते से गुजर रहे थे। इस दौरान उन्होंने रास्ते में एक्सीडेंट देख अपने काफिले को रोका और घायलों की मदद की। पुलिस ने बताया कि घायल लोगों को ट्रक से बाहर निकाला गया और पणजी के पास गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## प्रेमिका ने बनाया शादी करने का दबाव तो प्रेमी ने कर दी हत्या

उमरिया, 17 मार्च (एजेंसियां)। जिले की सीमा पर स्थित बाणसागर जलाशय में मिले युवती के शव मामले में खुलासा करते हुए इंदवार पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बीती 2 मार्च को बांध में अज्ञात युवती का शव पाये जाने के बाद पुलिस द्वारा इसकी शिनाख्त दुर्गा ढीमर (21) निवासी ग्राम सरसी थाना पपौंध जिला शहडोल के रूप की गई। जांच के दौरान पता चला कि मृतका का गोटानी उर्फ बृजेन्द्र जायसवाल के साथ प्रेम संबंध था। जिसकी पुष्टि के उपरांत जब आरोपी से कड़ी पूछताछ की गई तो उसने हत्या की बात कुबूल कर ली।

## कांग्रेस नेता के भाई पर लाठी व डंडों से जानलेवा हमला

दमोह, 17 मार्च (एजेंसियां)। जिले में कांग्रेस नेता के भाई पर लाठी व डंडों से जानलेवा हमला हुआ है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां पुलिस को सूचना दी गई। घायल का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है और पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि देहात थाना क्षेत्र की सुरेखा कॉलोनी निवासी राजेंद्र पटेल ने बताया की हिन्नई उमरी गांव में उनका फार्म हाउस है। शनिवार की रात वह अपने खेत से वापस आ रहे थे, इसी दौरान कुछ ही दूरी पर पहुंचने पर पुराने विवाद पर मुन्ना उर्फ हर प्रसाद उसके बेटे जय-जय और एक अन्य व्यक्ति ने लाठी, डंडों से उनके ऊपर हमला कर दिया। उन्होंने बचाव करने का काफी प्रयास किया, लेकिन तीन आरोपी थे, जो लगातार डंडे बरसा रहे थे। जब वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े तो आरोपी वहां से भाग निकले।

## शराब घोटाला केस के बाद केजरीवाल को जल बोर्ड मामले में भी ईडी का समन

# आप ने कहा- गिरफ्तार करना है मकसद

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 9वां समन भेजा है। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने यह दावा किया है कि ईडी ने जल बोर्ड से जुड़े एक मामले में भी अरविंद केजरीवाल को समन भेजा है। दिल्ली जल बोर्ड वाले मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को कल यानी 18 मार्च को पेश होना है, जबकि आबकारी नीति मामले में 21 मार्च का समन है। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली जल बोर्ड मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 50 के तहत केजरीवाल को समन जारी किया है। ईडी दिल्ली जल बोर्ड में अवैध टेंडरिंग और अपराध की कथित आय के शोधन की जांच कर रही है। इस पर दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा दावा किया है। आतिशी ने कहा कि कल यानी 16 मार्च की शाम में मोदी जी की ईडी ने और एक और समन भेज दिया। आतिशी ने कहा कि सीबीआई और ईडी मोदी जी के गुंडे हो गए हैं। मोदी जी के इन गुंडों ने एक-एक करके विपक्ष के नेताओं को टारगेट कर रहे हैं।

**'बीजेपी की बैकअप स्ट्रैटजी'**

इस दौरान आतिशी ने कहा कि इस नए दिल्ली जल बोर्ड मामला क्या हम भी जानना चाहते हैं। क्या घोटाला हुआ? क्या कह रहे हैं किसी को नहीं पता? यह समन सिर्फ इसलिए भेजा जा रहा है क्योंकि पीएम मोदी को शक होने लगा है कि क्या वह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को एक्साइज में गिरफ्तार कर पाएंगे। यह बीजेपी की बैकअप स्ट्रैटजी है, जिससे वह अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर पाएंगे।

**बीजेपी को दिया करारा जवाब**

शनिवार को 16 मार्च को अरविंद केजरीवाल कोर्ट में पेश हुए थे, इस पर उनका कहना है कि सीएम ने कोर्ट में फिजिकली पेश होकर बीजेपी को करारा जवाब दिया है और उनका मुंह बंद कर दिया है। आम आदमी पार्टी कानून प्रक्रिया का सम्मान करती है। अरविंद केजरीवाल ने तीन हफ्ते पहले कोर्ट में पेश होने की बात कही थी और उन्होंने अपने कमिटमेंट को पूरा किया। आतिशी ने कहा कि अब यह कोर्ट का काम है कि वह इस बात की जांच करें कि जो समन ईडी भेज रहा है वह कानूनी है या नहीं और इस मामले में उन्हें जाना होगा या नहीं। बीजेपी को और पीएम को जांच में सच्चाई से कोई फर्क नहीं पड़ता, उन्हें केवल चुनाव से पहले केजरीवाल को जेल में डालना है। बीजेपी और मोदी जी कानूनी प्रक्रिया का इंतजार नहीं कर रहे है।

## होटल में खाना खा रहे युवक को बदमाशों ने गोलियों से भूना

पुणे, 17 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के इंदापुर शहर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। इंदापुर में एक होटल में खाना खा रहे शख्स की गोली मार दी गई। यहीं नहीं बदमाशों ने गोली मारने के बाद शख्स पर धारदार हथियार से भी वार किया गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या की सूचना से इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरन्त मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। ये पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, मृतक युवक का नाम अविनाश धनवे था जो पुणे के आलंदी इलाके के रहने वाला था। अविनाश धनवे अपने दोस्तों के साथ पुणे-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर इंदापुर में एक होटल में खाना खाने के लिए गया था।

## चुनाव के ऐलान के बाद वन नेशन वन इलेक्शन पर मुमताज पटेल हैरान? पूछा- इलेक्शन 'कैसे होगा'

अहमदाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों के बीच सरकार बनाने को लेकर सियासी जोड़तोड़ चरम पर पहुंच गया है। सियासी दल चुनाव प्रचार में गति लाने के साथ गठजोड़ के एजेंडे को भी अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। इस बीच कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल ने एक्स पर एक पोस्ट कर वन नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे को तूल देने की कोशिश की है। उनके पोस्ट इस बात के संकेत भी दे रहे हैं कि वो राजनीति में जो कुछ हो रहा है, उससे संतुष्ट नहीं है। यही वजह है कि वह अपने पोस्ट में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सवाल उठाती नजर आ रही हैं। वह पूछती हैं, कि वन नेशन वन इलेक्शन कैसे, कैसे होगा। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है कि आम चुनाव 2024 सात चरणों में होगा। इसके बावजूद हम वन नेशन वन इलेक्शन की बात करते हैं।

पर यह कैसे होगा?

**वन नेशन वन इलेक्शन पर मुमताज का सवाल**

मताज पटेल ने ये पोस्ट उस समय किया है जब 15 मार्च 2024 को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने वन नेशन वन इलेक्शन पर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी है। रिपोर्ट में देश में 2029 में एक साथ चुनाव कराने की अनुशंसा की है। साथ ही इसके लिए एक संविधान संशोधन करने का भी हवाला दिया है। इससे पहले 24 फरवरी को 2024 को भरूच लोकसभा सीट गठबंधन धर्म के तहत आम आदमी पार्टी के कोटे में जाने पर भी उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के फैसले पर निराशा जाहिर की थी। उस समय उन्होंने कहा था, "कभी-कभी देश के व्यापक हित में बलिदान देना पड़ता है और वह गठबंधन धर्म का पालन करेंगी।"

**फैसले का करुंगी सम्मान**

बता दें कि गुजरात में कांग्रेस ने 26 लोकसभा सीटों में से 24 पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है, बाकी दो भरूच और भावनगर आप के लिए छोड़ दी है। उन्होंने कहा था, मैं निराश थी लेकिन मेरा मानना है कि हमारी गठबंधन समिति ने जो भी फैसला लिया है वह राष्ट्रीय हित में है। मैं उनके फैसले का सम्मान करती हूं। इस संबंध में पहले ही चर्चा हो चुकी है। मुझे दुख है लेकिन हम इसे स्वीकार करेंगे। पार्टी जो भी निर्देश देगी, मैं गठबंधन धर्म का पालन करूंगा।

## मणिपुर में लाइसेंसी बंदूक धारकों को थानों में हथियार जमा कराने का निर्देश

इंफाल, 17 मार्च (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग के लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने के बाद मणिपुर में जिलाधिकारियों ने एक आदेश जारी कर लाइसेंसी हथियार रखने वाले लोगों को नजदीकी पुलिस थानों में अपने हथियार जमा कराने का आदेश दिया है ताकि "चुनावों के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो।" थौबल के जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, "थौबल जिले के सभी लाइसेंस धारक 18वें आम चुनाव के शांतिपूर्ण आयोजन और कानून व व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने लाइसेंसी हथियार तथा कारतूस 23 मार्च से पहले नजदीकी पुलिस थानों में जमा कराएं, ऐसा नहीं करने पर जिला पुलिस प्रशासन उनके लाइसेंसी हथियार जब्त कर लेगा।" बहरहाल, ये आदेश उन लोगों पर लागू नहीं होंगे जो "लंबे समय से चले आ रहे कानूनों, रीति-रिवाज और उपयोग के आधार पर हथियार प्रदर्शन के हकदार हैं।"

## 'दिल्ली के सीएम के खिलाफ कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण'

### ईडी के समन पर सुप्रिया सुले का बड़ा बयान

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के साथ ही सियासी दलों के बीच आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला और तेज हो गया है। इस बीच दिल्ली आबकारी मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी की ओर से जारी नौवें समन पर एनसीपी शरद की नेता सुप्रिया सुले ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने ईडी के समन को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। एनसीपी शरद गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, हमने पूणे में एकजुट होकर काम किया है। मेरे काम करने का तरीका आपने देखा है। हमारा प्रचार प्रसार केवल लोकसभा चुनाव तक सीमित नहीं होता। यह साल भर चलता रहता है। मेरे काम करने के तरीके को मुझे जानने वाले लोग जानते हैं।

**बदले की भावना से प्रेरित**

ईडी द्वारा रविवार को सीएम अरविंद केजरीवाल को जारी नौवें समन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, यह बदले की भावना से प्रेरित है। यह बीजेपी द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसी का दुरुपयोग है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस प्रकार की प्रतिशोध की राजनीति ने भारत में गहरी जड़ें जमा ली है। यह स्वतंत्र लोकतंत्र की सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

**न्याय यात्रा जनता की आवाज**

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कहा कि कांग्रेस को जनता की ओर से इस यात्रा का बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। यह लोकतंत्र को बचाए रखने का कारगर जरिया साबित होगा। न्याय यात्रा दे की जनता की आवाज है।

**बारामती में ननद-भौजाई के बीच कांटे की टक्कर**

सुप्रिया सुले इस बार बारामती लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। यहां से महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा मैदान में हैं, जो सुले की भाभी हैं। ननद-भाभी चुनावी मैदान में आमने-सामने हैं। जहां सुले के लिए शरद पवार अपने दुश्मनों से भी हाथ मिला रहे हैं तो अपनी पत्नी के लिए अजीत पवार लोगों से वोट मांग रहे हैं। डिप्टी सीएम अजित पवार की सभाओं में अच्छी खासी भीड़ जुट रही है। ननद-भौजाई की इस जंग में पवार परिवार बंट गया है।

## लिफ्ट के बहाने महिला को बाइक पर बिठाया गहने लूटे और पानी में डुबाकर कर दी हत्या

कोंडोट्टी, 17 मार्च (एजेंसियां)। केरल में बीते सप्ताह नदी में एक महिला के शव मिलने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने रविवार को कहा कि 26 साल की जिस महिला की लाश बीते सप्ताह पेराम्बरा के एक नदी में मिली थी उसकी हत्या लूट के दौरान की गई थी। अधिकारी ने बताया कि मूल रूप से मलप्पुरम के रहने वाले आरोपी को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाई दरअसल पेरम्बरा की रहने वाली अनु नाम की महिला का शव ऐसे नदी में पाया गया था,

जिसमें केवल घुटने तक पानी था। उसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण डूबना बताया गया था और यह भी कहा गया था कि उसके शरीर पर चोट के निशान थे। उसके सोने के गहने भी गायब थे। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान की गई और जैसे ही मलप्पुरम जिले में पुलिस उसके घर पहुंची, आरोपी ने भागने का प्रयास किया जिसे पकड़ने में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

## बिहार टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा, अभ्यर्थियों से लिए गए थे 10-10 लाख रुपए, 300 लोग गिरफ्तार

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सॉल्वर गैंग ने अभ्यर्थियों से 10-10 लाख रुपए लिए थे। अभ्यर्थियों को झारखंड के हजारीबाग ले जाया गया था। पटना पुलिस ने करीब 300 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। अभ्यर्थी समेत गैंग के मेंबर्स को कोर्ट ने जेल भेजा है। बिहार में किसी भी परीक्षा में पेपरलीक मामले में यह अभी तक की सबसे बड़ी गिरफ्तारी है। इस मामले में ये भी सामने आया है कि 14 मार्च को ही प्रश्न बाहर आ गए थे, परीक्षा के बाद प्रश्न का मिलान करने पर वे बिल्कुल एक से पाए गए हैं। पता चला है कि बिहार

शिक्षक भर्ती परीक्षा में धांधली के लिए जालसाजों ने झारखंड के हजारीबाग में बैठकर तैयारी की थी। ये रैकेट हजारीबाग से संचालित हो रहा था। इसका खुलासा बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू), बिहार पुलिस और झारखंड पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में हुआ है। हजारीबाग से गैंग के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह कि इस रैकेट के संचालन में बिहार सरकार के कई अफसरों की संलिप्तता के सबूत मिल रहे हैं। बिहार के एक वरिष्ठ अधिकारी के नेमप्लेट की एक गाड़ी भी हजारीबाग में जब्त की गई है। बिहार पुलिस के प्रेस नोट के अनुसार इस पेपर को लीक कराने के लिए 10 लाख में डील हुई थी, और प्रश्नपत्र 14 मार्च को ही बाहर आ गया था। बिहार में लोक सेवा आयोग का पेपर लीक कैसे हुआ? इसके लिए आपको पूरी टाइमलाइन समझनी होगी। दरअसल 13 मार्च को पुलिस को अपने सीक्रेट लिंक्स से ये खबर मिलती है कि कुछ लोग बीपीएससी का पर्चा लीक करने की साजिश रच रहे हैं और इसके लिए वो अभ्यर्थियों से 10-10 लाख रुपए की डिमांड कर रहे हैं। इसके बाद 14 मार्च को इकॉनमिक ऑफेंस यूनिट की एक स्पेशल टीम बनाई जाती है, जो पूरे पटना के करबिगहिया इलाके से गैंग के एक मेंबर को उठाती है। जो पुलिस टीम को झारखंड के हजारीबाग का लिंक बताता है। वो बताता है कि अभ्यर्थी को हजारीबाग में आंसर सीट के जरिए जवाब रटवाए जा रहे हैं।

## आरजेडी को कितना मिला चंदा? सुशील मोदी ने बता दिया सबकुछ, सुप्रीम कोर्ट से भी पूछा बड़ा सवाल

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट ने जितनी तेजी दिखाकर चुनावी बॉन्ड के आंकड़े सार्वजनिक कराए, वह न्यायिक सक्रियता चुनावों में कालेधन का प्रवाह रोकने की मंशा के अनकूल नहीं है। यह फैसला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को तकनीकी कारणों से बंद कर गंदे नाले (काला धन) को सीधे नदी में खोलने-जैसा है। मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को बताना चाहिए कि चुनावी बॉन्ड एवं नकद चंदे के अलावा राजनीतिक दलों को किस प्रकार चंदा लेना चाहिए? उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट बताए कि यदि लोग अपनी पसंद के दल का आर्थिक सहयोग कर चुनावी लोकतंत्र को मजबूत करना चाहें, तो सही तरीका क्या होना चाहिए? उन्होंने कहा कि 20

हजार करोड़ के जो चुनावी बॉन्ड भुनाये गए, उससे सर्वाधिक 303 सांसदों वाली पार्टी भाजपा को छह हजार करोड़ रुपये मिले। मोदी ने कहा कि शेष 14 हजार करोड़ रुपये तो 242 सांसदों वाले विपक्ष को मिले। मोदी ने कहा कि यदि चुनावी बॉन्ड गलत हैं, तो बिहार में सबसे बड़ी पार्टी राजद ने सबसे ज्यादा 72 करोड़ 50 लाख के बॉन्ड क्यों भुना लिए? राजद चुनावी बॉन्ड भुनाने वाले सर्वोच्च दस दलों में है। कांग्रेस ने 1400 करोड़, टीएमसी ने 1600 करोड़ और द्रमुक ने 639 करोड़ के चुनावी बॉन्ड भुनाए।

## कांग्रेस नहीं होती तो आजादी नहीं मिलती, बीजेपी नहीं होती तो दंगे नहीं होते- संजय राउत

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। पंडित नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक... लोकसभा चुनाव से पहले ये बयान दिया है उद्धव ठाकरे (यूटीबी) गुट के शिवसेना सांसद संजय राउत ने। राउत ने कहा कि अगर कांग्रेस नहीं होती तो पाकिस्तान के दो टुकड़े नहीं होते। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान विज्ञान, और टेक्नोलॉजी में देश ने जो प्रगति की है ये सब कांग्रेस की वजह से ही हुआ है।

दरअसल बीजेपी की तरफ से एक किताब लॉन्च की जा रही जिसका शीर्षक है 'कांग्रेस नहीं होती तो क्या होता' इसके बारे में जब मीडिया ने संजय राउत से सवाल किया तो उन्होंने देश में कांग्रेस के योगदान के बारे में बताया और कांग्रेस की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अगर देश में कांग्रेस नहीं होती तो ये देश अखंड नहीं रहता। बीजेपी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी बहुत सी बातें हैं जो बीजेपी के लोगों के समझ से ऊपर हैं। ऐसे में वो लोग ये बातें नहीं समझेंगे।

**'बीजेपी देश को भिखारी बनाने का काम कर रही है'**

शिवसेना सांसद संजय राउत ने आगे कहा कि बीजेपी देश के बारे में नहीं सोचती। बल्कि वो उद्योगपतियों और व्यापारियों के बारे में सोचती है। पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए राउत ने कहा कि जिसका राजा व्यापारी होता है उसकी प्रजा भिखारी होती है। ऐसे में बीजेपी आज देश को भिखारी बनाने का काम कर रही है। राउत ने कहा कि बीजेपी को कांग्रेस और शिवसेना जैसी पार्टियों की विचारधारा और उनकी भूमिका को समझ लेना चाहिए।

**'बीजेपी न होती तो देश में दंगे, घोटाले नहीं होते'**

इसके आगे संजय राउत ने ये भी बताया कि अगर देश में बीजेपी नहीं होती तो क्या होता। उन्होंने कहा कि बीजेपी न होती तो बहुत कुछ होता। देश में दंगे नहीं होते, देश का रुपया मजबूत होता। साथ ही देश की प्रतिष्ठा और भी ज्यादा बढ़ती और देश पर जो कर्ज है वो कम होता। राउत ने कहा कि बीजेपी न होती तो जो लोग देश छोड़कर भाग गए हैं वो नहीं भागते। इसके साथ ही सांसद ने घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर बीजेपी न होती तो इलेक्टोरल बॉन्ड और राफेल जैसे घोटाले नहीं होते।

**'राहुल की यात्रा का मकसद लोगों को जागरूक करना'**

इसके अलावा संजय राउत ने राहुल गांधी की यात्रा को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा चुनाव के लिए नहीं निकाली गई थी बल्कि उनका मकसद लोगों को जागरूक करना था। राउत ने कहा कि राहुल गांधी देश के बारे में सोचते हैं। गरीबों और उनके न्याय के बारे में सोचते हैं। उनकी यात्रा से लोगों में जागरूकता आई है। आपको बता दें कि आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी के विजयरथ को रोकने के लिए बनाए गए इंडिया अलायंस में उद्धव गुट की शिवसेना भा शामिल है और मिलकर चुनाव लड़ रही है। हालांकि फिलहाल सीटों के बंटवारे को लेकर पेंच फंसा हुआ है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी ने अभी तक एक भी सीट पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान नहीं किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद



**सु वि चा र**

यदि अवसर का लाभ नहीं उठाया जाए, तो योग्यता का कोई मोल नहीं रह जाता।

## सांसद रंजीत रेड्डी ने बीआरएस छोड़ा, कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के सांसद जी रंजीत रेड्डी ने आज अपनी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना त्यागपत्र बीआरएस पार्टी प्रमुख के.चंद्रशेखर राव को भेजा।

अपने पत्र में उन्होंने पूर्ववर्ती रंगा रेड्डी और विकाराबाद जिलों के निवासियों की समस्याओं का समाधान करने का अवसर देने के लिए पार्टी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि केसीआर द्वारा उन पर जताए गए विश्वास से उन्हें चेवेल्ला निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं की सेवा करने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की मौजूदा राजनीतिक स्थिति के कारण उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। रेड्डी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर भी कहा, मैं अपने सभी समर्थकों और लोगों को सूचित करने के लिए लिख रहा हू कि मैंने पार्टी को इस्तीफे का औपचारिक पत्र सौंप दिया है। मैं चेवेल्ला निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को मेरी सेवा में प्रदान किए गए सार्थक अवसर और सहयोग के लिए बीआरएस पार्टी के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

उभरती राजनीतिक परिस्थितियों के कारण, मैंने अपना इस्तीफा सौंपने का यह कठिन निर्णय लिया है। अपने इस्तीफे के कुछ घंटों बाद, वह एआईसीसी राज्य प्रभारी दीपा दास मुंशी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। कांग्रेस पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में रंजीत रेड्डी को उसी चेवेल्ला एमपी सीट से मैदान में उतार सकती है।

## आईआईआईटीएच में हुए कई सांस्कृतिक कार्यक्रम

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता) । आईआईआईटीएच में एलान के दूसरे दिन की शुरुआत द हिंदू के साथ साझेदारी में रोमांचक हिंदू स्पोर्ट्स क्विज़ के साथ हुई, इसके बाद हिप हॉप इंडिया चैंपियनशिप के लिए हिप हॉप इंडिया के सहयोग से ब्रेकफ्री सोलो और डुओ/ट्रायो डांस प्रतियोगिताएं हुईं। बाद में, हमारे सोशल कॉज़ थीम "हीलिंग लिटिल हार्ट्स" के अनुरूप, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष चौहान द्वारा हमारे सोशल कॉज़ टॉक से हमें ज्ञान प्राप्त हुआ। दिन भर ऊर्जावान ब्रेकफ्री ग्रुप डांस और शाम तक कई अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का दौर जारी रहा। रात का समापन डीजे ऑर्गेनिक के शानदार डीजे प्रदर्शन के साथ किया।

## सरकार लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन कर रही है : मल्लू रवि

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार प्रशासन के दौरान धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन कर रही है और लोगों तक पहुंचने के लिए दरवाजे खुले हैं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर रविवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, मल्लू रवि, जो नई दिल्ली में तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि भी हैं, ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने एक सामूहिक नेतृत्व और राज्य की स्थापना की है। तीन महीनों में समावेशी विकास भी देखा गया। मल्लू रवि ने कहा, राज्य सरकार ने नौकरियों की भर्ती को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और अब तक विभिन्न पदों के लिए अधिसूचनाएं जारी की जा चुकी हैं। साथ ही, भर्ती प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार धरणी पोर्टल से जुड़ी सभी समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठा रही है और वित्तीय अनुशासन बहाल करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

## तकनीकी खराबी के कारण सीएम की फ्लाइट में देरी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को तकनीकी खराबी के कारण मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मुंबई उड़ान में कम से कम डेढ़ घंटे की देरी हुई। मुख्यमंत्री के साथ एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अन्य एआईसीसी सचिव मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन समारोह में शामिल होने वाले हैं। इसी क्रम में दोपहर 2.30 बजे हैदराबाद से मुंबई के लिए फ्लाइट के टिकट बुक किए गए। इंडिगो की जिस फ्लाइट से उन्हें यात्रा करनी थी, उसमें तकनीकी खराबी के कारण डेढ़ घंटे की देरी हो गई। तकनीकी खराबी ठीक होने के बाद सभी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बैठक में शामिल होने के लिए हैदराबाद से रवाना हो गए।

## फागोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

बाड़मेर, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय जसदेर धाम के समीप हवेली रिसोर्ट में रविवार को जाट मारवाड़ महिला मित्र मंडल व जाट फोरम के तत्वाधान में जाट समाज की महिलाओं की उपस्थिति में फागोत्सव का का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। जाट फोरम की संयोजक संतोष चौधरी ने बताया कि पुरे भारत भर में पिछले आठ वर्षो से जाट फोरम संस्था ऐसे सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन समाज की बहनों के सहयोग से करता आ रहा है।

जाट मारवाड़ मित्र मण्डल व जाट फोरम द्वारा बाड़मेर में होली के अवसर पर फागोत्सव का आयोजन प्रथम बार हुआ। जाट फोरम की स्थापना अपने सामाजिक सरोकार के कार्यो के साथ ही साथ इसलिए भी कि गई थी कि वर्तमान में भागदौड़ भरी जिंदगी में आपसी मेलजोल कम हो रहा है और इस तरह के आयोजनों से समाज की महिलाओं के पारस्परिक सम्बन्धों में मिठास बनी रही इसलिए ऐसे आयोजन कर एकता के सूत्र में जोड़ा जा रहा है। जाट फोरम बाड़मेर की संयोजक डॉ. नीलम चौधरी ने बताया कि थार नगरी बाड़मेर में जाट मारवाड़ मित्र मण्डल व जाट फोरम द्वारा रविवार को हवेली रिसोर्ट में फागोत्सव भव्य आयोजन किया गया।

फागोत्सव के आयोजन में जाट समाज की महिलाओं की फागण पार्टी का आयोजन हुआ और सभी महिलाएं फागणिया ड्रेस कोड व राजस्थानी वेषभूषा में उपस्थित हुई। चौधरी ने बताया कि फाग महोत्सव में महिलाओं में संगीत में नृत्य और गेम्स का आनन्द लिया, जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाली प्रतियोगी महिला को पारितोषिक दिया गया। कार्यक्रम के दौरान स्नेह भोज का आयोजन हुआ। इस आयोजन में बाड़मेर जाट समाज की महिलायें बढ़-चढ़कर भाग लिया।

## पीआरएसआई महिला विंग ने पीआर और कॉर्प कॉम पेशेवरों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) हैदराबाद चैप्टर की महिला विंग ने रविवार को हैदराबाद में एक शानदार समारोह में अपनी पहली वर्षगांठ मनाने के लिए क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए नौ महिला पीआर और कॉर्पोरेट संचार पेशेवरों को सम्मानित किया। एनएमडीसी-प्रायोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, तेलंगाना महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.एम. विजुलता ने पुरुषों से लैंगिक संतुलन हासिल करने के लिए महिलाओं को शामिल करना सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने कहा, बेहतर समाज हासिल करने के लिए महिलाओं को शामिल करना एक नेक और महत्वपूर्ण प्रयास है। इसे हासिल करने के लिए पुरुषों और महिलाओं को हाथ मिलाना चाहिए। प्रो.विजुलता ने कहा कि अधिक महिलाओं को प्रबंधकीय जिम्मेदारियां उठानी चाहिए और कॉर्पोरेट जगत से महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए कहा। उस्मानिया विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त पत्रकारिता प्रोफेसर प्रो.सी.पद्मजा शाह ने कहा कि महिलाएं महान संकट प्रबंधक हैं। उन्होंने कहा, संकट प्रबंधन, पीआर पेशेवरों की एक प्रमुख जिम्मेदारी, महिलाओं द्वारा अर्जित एक प्राकृतिक कौशल है, उन्होंने कहा कि लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार और हैदराबाद प्रेस क्लब की उपाध्यक्ष सी. वनजा ने कहा कि महिला पेशेवरों को एकजुट होकर अपने पेशे में आने वाले मुद्दों का सामना करना चाहिए। उन्होंने पेशेवर निकायों को महिला पेशेवरों की आवाज बनने के लिए महिला विंग बनाने की दृढ़ता से सलाह दी। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के चेयरमैन डॉ. एस.रामू द्वारा संबोधित कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विंग की कन्वर्टर डॉ. अनिता ने की। डॉ. श्रीबाला, दान्या चौधरी, सी.रामादेवी, अनिंदिता मुखर्जी सिन्हा, महिला विंग की अपर्णा राजहंस, के.यादागिरी, वाई.बाबजी, रविंदर रेड्डी, राजेश्वरी अय्यर, कृष्णा बाजी, भुजंगा राव, श्रीनिवास राव, श्रीकर रेड्डी, राजेश, महेश हैदराबाद चैप्टर के सदस्य भी उपस्थित थे। पुरस्कार विजेताओं की सूची में स्वप्ना नागा वायुवेगुला (टीसीपीवेव प्राइवेट लिमिटेड), श्री लक्ष्मी कोडुकुला (मेडिकवर हॉस्पिटल्स), डॉ. उषा अय्यर (डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड), मुक्ता कुमार (कनेक्शन्स आईएमएजी), तेजस्विनी पगडाला (टेकडोक्रेस्ट), कोथापल्ली प्रसन्ना (जेनेसिस बीसीडब्ल्यू), अरुणा बुद्धवरपु (जस्ट कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस), अभ्युदय करमचेतु (वेल्स फ़ार्गो), डिलोरिस बरुवा (एरेटियस टेक) शामिल है।

## युवा संगम में भाग लेने छात्र तेलंगाना से बिहार रवाना

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। युवा संगम चरण-IV, सरकार की पहल है। भारत सरकार, युवाओं के लिए एक्सपोज़र टूर आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित करती है, जिसमें मुख्य रूप से उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र और देश भर से भारत के विभिन्न राज्यों के कुछ ऑफ-कैंपस युवा शामिल हैं।

यह जीवन के कई पहलुओं, विकास स्थलों, हाल की उपलब्धियों और मेजबान राज्य में युवाओं को जुड़ने का एक गहन अनुभव प्रदान करेगा। इस वर्ष, तेलंगाना को बिहार के साथ जोड़ा गया है और हैदराबाद विश्वविद्यालय युवा संगम चरण IV के लिए नोडल संस्थान है। इस कार्यक्रम का समन्वयन एनआईटी पटना, बिहार के साथ हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। 17 से 23 मार्च तक बिहार दौरे पर आ रही तेलंगाना टीम ने 17 मार्च को यात्रा शुरू की। इस अवसर पर हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीजे राव ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। इसमें तेलंगाना के विभिन्न जिलों से 45 छात्र प्रतिभागी और हैदराबाद विश्वविद्यालय से 2 संकाय सदस्य (डॉ. वामशी और डॉ. नरेश) और 2 सहायक कर्मचारी (श्रीशैलम और राजेश) भाग ले रहे है।

श्री आईजी गौशाला स्थित प्रवासी बन्धुओं को पीले चावल व अपने समर्थन में निमंत्रण देने के लिए नगर पधारे पाली लोकसभा क्षेत्र प्रत्याशी पी.पी.चौधरी का सम्मानकर उपस्थित आयोजक अ.भा.सीरवी महासभा अध्यक्ष हरजीराम काग, सचिव सोहनलाल हाम्बड़, सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, सचिव किशनसिंह राठौड़, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, भाजपा किसान मोर्चा मंत्री पाली कालुराम काग, गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपरा, सीए जस्साराम बर्फा, गजेन्द्रसिंह, सोहनसिंह, लक्ष्मणसिंह राजपुरोहित, ओकाराम सोलंकी, भंवरलाल, गोपाराम मुलैवा, अर्जुनलाल बर्फा व अन्य।

## श्री राम कथा ज्ञानयज्ञ को लेकर सभा का आयोजन

### भाग्यनगर में जुटेंगे हजारों श्रीराम भक्त

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आगामी 22 से 30 अप्रैल तक एग्जीबिशन ग्राउंड, नामपल्ली में श्री गोपाल गौशाला के सहायतार्थ होने वाली विशाल दिव्य श्री राम कथा को लेकर सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कथा को लेकर सार्थक विचार विमर्श हुआ। भगवान श्री राम के दरबार की पूजा अर्चना से कार्यक्रम का आगाज हुआ। जिसमें भाग्यनगर के सैकड़ों लोगों ने शिरकत की।

इस मौके पर बोलते हुए श्री राम कथा सेवा समिति के संयोजक तुलसीराम बंसल ने कहा है कि इस वक्त पूरे देश में भगवान राम की भक्ति का ज्वार हर ओर देखने को मिल रहा है, और हैदराबाद के राम भक्तों के लिये यह मधुर और सुरीली श्री राम कथा किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। जिसमें देश के प्रसिद्ध मानस मर्मज्ञ संत श्री मुरलीधर जी महाराज अपने प्रवचन देंगे। साथ ही इस मौके पर 108 नवाह परायण का आयोजन भी होगा, बहुत ही अद्भभूत होगा। बंसल ने जानकारी देते हुए कहा कि एग्जीबिशन ग्राउंड में कथा 22 से 30 अप्रैल तक हर दिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगी। इस कथा को लेकर विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। जिनकी कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जा चुकी हैं, तो कुछ को आगामी 7 अप्रैल को श्री श्याम मंदिर में आयोजित होने वाली सभा में दी जाएंगी।

इस मौके पर सभा के समक्ष गोवत्स फाउंडेशन के फाउंडर मुरली मनोहर पलोड़, लव फॉर काउ फाउंडेशन के फाउंडर जसमतभाई पटेल, समाजसेवी हरिनारायण व्यास, आनंद गुप्ता, महावीर प्रसाद अग्रवाल, अर्जुन कुमार गोयल सहित कई गौ भक्तों ने विचार व्यक्त किये और रामकथा को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में गौ भक्तों ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन अशोक बंसल ने किया।

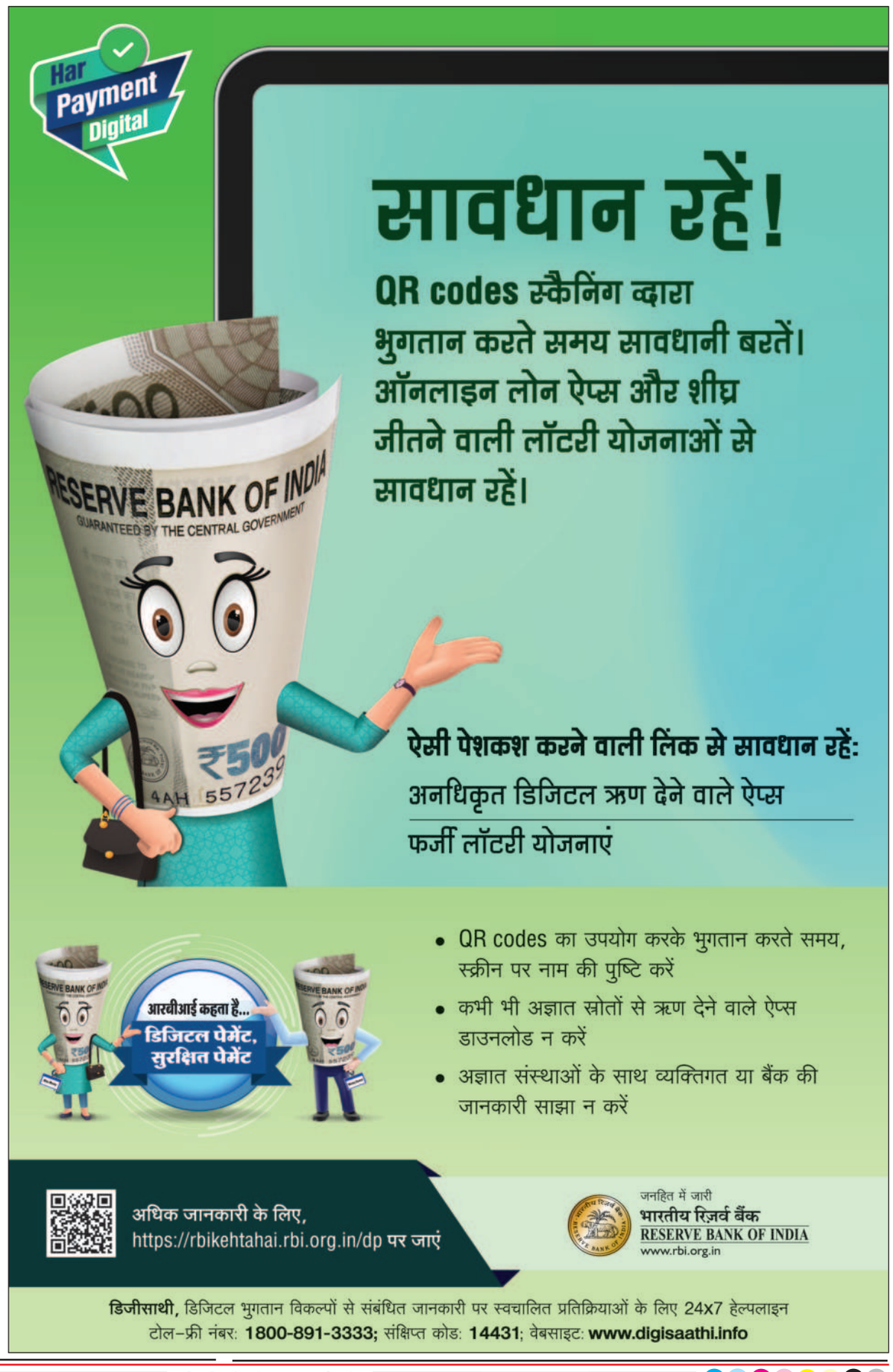

# पांच माह के भीतर दो मामलों में आजम खां को हुई सजा

## दोषी करार सुनते ही उड़ गई थी चेहरे की रंगत

रामपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खां की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। वह लगातार कानूनी शिकंजे में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। पांच माह के भीतर कोर्ट ने सपा नेता आजम खां को दूसरी दफा दोषी माना है, जबकि पूर्व चेयरमैन अजहर अहमद खां और रिटायर्ड सीओ आले हसन को पहली दफा दोषी माना है। कोर्ट अब 18 मार्च को सजा सुनाएगी। सपा नेता आजम खां पर रामपुर समेत अन्य जिलों में करीब सौ मामले दर्ज हैं। अपने बेटे अब्दुल्ला आजम खां के दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में कोर्ट ने 18 अक्तूबर को सात साल की कैद व पचास हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी। तब से वह सीतापुर जेल में बंद हैं, जबकि मिलक थाने में दर्ज नफरती भाषण के मामले में निचली अदालत ने उन्हें दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि सेशन कोर्ट ने उन्हें इस मामले में बरी कर दिया था। अपील हाईकोर्ट में लंबित हैं। शहजादनगर थाने में दर्ज नफरती भाषण के एक अन्य मामले में सपा नेता आजम खां की सजा को बरकरार करते हुए 23 जनवरी को उनकी अपील खारिज कर दी थी। इसके अलावा मुरादाबाद की कोर्ट ने सड़क जाम करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में भी आजम खां के साथ ही अब्दुल्ला आजम को भी सजा सुनाई जा चुकी है। इस तरह अब तक आजम खां को चार मामलों में सजा हो चुकी है,जबकि दो मामलों में वह बरी भी हो चुके हैं। हालांकि पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां और रिटायर्ड सीओ आले हसन पहली दफा किसी मामले में दोषी ठहराए गए हैं।

**आरोपियों के चेहरों की रंगत उड़ी**

कोर्ट द्वारा सपा नेता आजम खां समेत चार आरोपियों को दोषी करार दिए जाने के बाद सभी आरोपियों के चेहरे की रंगत उड़ गई। सबसे ज्यादा तनाव पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां और रिटायर्ड सीओ आले हसन के चेहरे पर दिखा। हालांकि तीन आरोपियों के बरी होने के बाद उन्होंने राहत की भी सांस ली। कड़ी सुरक्षा के बीच सपा नेता आजम खां को सीतापुर जेल से शनिवार दोपहर करीब तीन बजे कोर्ट में पेश किया गया, जबकि इससे पहले पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अमहद खां को बिजनौर जेल से लाया गया था। इसके अलावा अन्य सभी आरोपी जमानत पर होने की वजह से बाहर थे। वह खुद ही कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने सुनवाई शुरू की और आजम खां समेत चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए अभिरक्षा में ले लिया गया। इस दौरान उनके चेहरे की रंगत बदलती रही। शाम पांच बजे सभी चार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया गया। कोर्ट चारों आरोपियों को 18 मार्च को सजा सुनाएगी।

**सीतापुर की जेल से पेशी पर आए आजम**

डूंगरपुर प्रकरण के मुकदमे की सुनवाई के दौरान सपा नेता आजम खां को सीतापुर की जेल से पेशी पर लगाया गया। अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र के मामले में कोर्ट से सात साल की सजा सुनाए जाने के बाद से आजम खां सीतापुर की जेल में बंद हैं। कोर्ट ने इस मामले में आजम खां की पत्नी डॉ। तजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम को भी सात-सात साल की सजा सुनाई थी। अब्दुल्ला हरदोई और डॉ। फात्मा रामपुर की जेल में बंद हैं।

**ये है डूंगरपुर प्रकरण**

सपा की पिछली सरकार में गंज थाना क्षेत्र के डूंगरपुर में आसरा आवास बनाने के लिए वहां पर पहले से रह रहे लोगों को घरों पर बुलडोजर चलवा दिया गया था और उनका सामान लूट लिया गया था। इस मामले में 2019 में अलग-अलग 12 मुकदमे दर्ज कराए गए थे। इन मुकदमों में आजम खां को आपराधिक षड़यंत्र रचने का आरोपी बनाया गया था।

# लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बृज भूषण सिंह को बड़ी राहत, कोर्ट ने रद्द किया ये मामला

लखनऊ, 17 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ मानहानि का मामला रद्द कर दिया। साथ ही इस मामले में लखनऊ के ट्रायल कोर्ट से सांसद के खिलाफ जारी तलबी आदेश को भी निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि मानहानि केस की कार्यवाही बगैर पर्याप्त कारण शुरू की गई थी। न्यायमूर्ति मोहम्मद फैज आलम खां की एकल पीठ ने यह आदेश बृज भूषण शरण सिंह की याचिका मंजूर करके दिया। याची ने मामले में लखनऊ के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय (एमपी/एमएलए) कोर्ट से मानहानि मामले में शिकायती अर्जी पर जारी तलबी आदेश को चुनौती दी थी।

**डॉ.मोहम्मद कामरान ने शिकायत दर्ज कराई**

इस मामले में पहले, डॉ। मोहम्मद कामरान ने लखनऊ की ट्रायल कोर्ट के समक्ष सांसद के खिलाफ मानहानि के आरोप में शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर ट्रायल कोर्ट ने सांसद बृजभूषण सिंह को तलब किया था। याची के वकील का कहना था कि सांसद ने शिकायतकर्ता के संबंध में सरकारी अफसरों को पत्र लिखे थे। सांसद ने ये पत्र प्रकाशित होने को कहीं नहीं भेजे। इससे शिकायतकर्ता की मानहानि होने का मामला नहीं बनता था। इसके बावजूद याची को मानहानि मामले में तलब किए जाने का आदेश दिया गया, जो कानून की मंशा के खिलाफ था।

**पांचवें चरण में कैसरगंज सीट पर वोटिंग**

भारतीय निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 के तारीखों का ऐलान कर दिया है। पूरे देश में 7 चरणों में मतदान होंगे। उत्तर प्रदेश में सभी सात चरणों में चुनाव होंगे। वहीं यूपी की कैसरगंज लोकसभा सीट पर पांचवें फेस में मतदान होंगे। यहां के मौजुदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह हैं। लेकिन बाजेपी ने अभी तक उन्हें कैंडिडेट नहीं बनाया है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा हा कि क्या बीजेपी उन्हें इस लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाएगी।

**कैसरगंज से अवध ओझा के लड़ने की भी अटकलें**

बीजेपी अवध ओझा को उत्तर प्रदेश की कैसरगंज लोकसभा सीट से चुनाव लड़वा सकती है। अवध ओझा मूल रूप से यूपी के गोंडा जिले के रहने वाले हैं। और वह सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम पर उनकी रील्स काफी वायरल होती रहती हैं। कुछ दिन पहले ही उनकी यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ मुलाकात की तस्वीर भी सामने आई थी।

# आयकर विभाग के कार्यालय में सीबीआई ने मारा छापा, अधिकारी व स्टेनो को किया गिरफ्तार; देखते रह गए लोग

फतेहपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। सीबीआई लखनऊ की टीम ने देर शाम आयकर विभाग के कार्यालय में छापा मारकर आयकर अधिकारी नितिन शुक्ला (आईटीओ) तथा स्टेनो आलोक को शिकायतकर्ता से दस हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ लिया। टीम दोनों आरोपितों को साथ में लेकर लखनऊ चली गई। जहां पर दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। स्टेनो हथगाम क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता रंजीता शुक्ला ने बताया था कि आयकर अधिकारी एवं स्टेनो ने 25 हजार रुपये रिश्वत न देने पर उनके ग्राहक सेवा पोर्टल के विरुद्ध झूठी शिकायत करने और जुर्माना लगाने की धमकी दी। बातचीत के दौरान ने रिश्वत की धनराशि घटाकर 20 हजार रुपये कर दी थी। सीबीआइ ने शाम आयकर विभाग के कार्यालय में छापा मारा और शिकायतकर्ता से दस हजार रुपये रिश्वत लेते दोनों को पकड़ा।

**राधानगर उपकेंद्र के जेई को लात-घूंसों से पीटकर धमकी दी**

शहर के वर्मा चौराहा में देर शाम स्कूटी सवार जेई की गाड़ी में सामने आ रहे दूसरे वाहन ने टक्कर मार दी। जिस पर जेई ने टोक दिया। बस इसी बात पर वाहन सवारों ने जेई को रोककर लात घूंसों से पीटा और उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये।

पीड़ित जेई की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने तीन अज्ञात युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। 33/11 केवी उपकेंद्र राधानगर टाउन के अवर अभियंता जितेंद्र कुमार ने बताया कि वह शाम पटेलनगर चौराहा से विद्युत उपकेंद्र राधानगर की बिगड़ी लाइन ठीक कराने जा रहे थे। साईं मंदिर वर्मा चौराहा के समीप उनकी स्कूटी में एक वाहन ने टक्कर मार दी। विरोध करने पर तीन युवक वाहन से उतरे और उसे लात घूंसों से जमकर पीटा, इसके बाद धमकी देकर निकल गये। टक्कर से स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई। इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह ने बताया कि तीन अज्ञात युवकों पर मुकदमा दर्ज कर आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे जा रहे हैं। शीघ्र ही युवकों को गिरफ्तार किया जायेगा।

# मुख्तार को वीवीआईपी ट्रीटमेंट देने वाले अविनाश गौतम बरेली सेंट्रल जेल के नए अधीक्षक इन पर होगी एफआईआर

बरेली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सेंट्रल जेल में बन्द शूटर आसिफ का वीडियो वायरल होने के बाद मुख्तार को वीवीआईपी ट्रीटमेंट देने वाले अविनाश गौतम बरेली सेंट्रल जेल का नया अधीक्षक बनाया गया है। चार माह से यह पद रिक्त था। पिछले साल वह अधीक्षक पद से निलंबित हुए थे। उसी दिन बरेली जेल के अधीक्षक राजीव शुक्ला और नैनी जेल के अधीक्षक शशिकांत गौतम को भी निलंबित किया गया था। हाल ही में आए जालौन जेल कांड के फैसले से भी उनका नाम जुड़ा है। अविनाश गौतम की बहाली और तैनाती जेल विभाग में चर्चा का विषय बनी है। दरअसल, इनके साथ निलंबित हुए दो अन्य जेल अधीक्षकों की अभी तक बहाली नहीं हो सकी है, जबकि गौतम को बहाली के साथ ही इतने महत्वपूर्ण पद पर बैठा दिया गया है।

जालौन जिला जेल में 14 साल पहले मुख्तार अंसारी गैंग के सदस्य प्रिंस अहमद समेत दो की गैंगवार में हत्या हो गई थी। तब भी अविनाश गौतम ही वहां अधीक्षक थे। उन पर जेल में वसूली कराने के नाम पर गैंगवार भड़काने की रिपोर्ट कराई गई थी। गौतम के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गई थी पर वह हाईकोर्ट से स्टे ले आए थे। इस मामले में तत्कालीन जेलर समेत 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मिर्जापुर जेल में रहते हुए भी गौतम पर कार्रवाई हो चुकी है।

# लोकसभा चुनाव: यूपी में पीएम मोदी के सामने राहुल-अखिलेश और मायावती की चुनौती, देखें कौन किसपर भारी

लखनऊ, 17 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र की सत्ता पर काबिज होने का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है, इसलिए देश के सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाले इस राज्य में सभी राजनीतिक दल जीत हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में जुट गए हैं। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे और विभिन्न विकास परियोजनाओं के सहारे सभी सीटों पर जीत का दावा कर रही है, वहीं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को भी राज्य में सम्मानजनक लड़ाई लड़ने की उम्मीद है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के सभी सात चरणों के तहत मतदान होगा, जो 19 अप्रैल से शुरू होकर एक जून को समाप्त होगा।

**भाजपा पीएम मोदी की लोकप्रियता भुनाने को तैयार**

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को यूपी से अधिक उम्मीदें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार भी वाराणसी से चुनाव मैदान में हैं, जहां काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास के क्षेत्र का पुनर्निर्माण सहित कई विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं। भाजपा सूबे में मोदी की लोकप्रियता और हिंदुत्व के मुद्दे को भुनाने की तैयारी में है साथ ही राज्य के छोटे दलों के समर्थन से भी पार्टी को मजबूती मिल रही है। ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की राजग में वापसी से भाजपा को पूर्वांचल क्षेत्र में मजबूती मिली है। राजभर को हाल ही में योगी आदित्यनाथ नेतृत्व की सरकार में मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इसी तरह, रालोद के नेता जयंत चौधरी के समाजवादी पार्टी को छोड़कर भाजपा के साथ गठबंधन करने के कदम से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राजग का काम आसान होने की उम्मीद है, जहां जाटों और कृषक समुदाय का वर्चस्व है।

**जयंत भी हैं अब एनडीए के पार्टनर**

जयंत चौधरी के दादा और किसान नेता पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न की हालिया घोषणा ने स्पष्ट रूप से इस समीकरण को और मजबूती प्रदान की है। वहीं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' भी राज्य में अपनी खोई जमान तलाशने में जुटा है। सपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर के बाद आखिरकार दोनों दलों के बीच सीट-बंटवारे पर समझौता हो गया, जिससे 'उप्र के लड़कों' की पुरानी यादें ताजा हो गईं।

**यूपी के फेमस हुई थी 'यूपी के दो लड़कों'**

राज्य में 2017 विधानसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच गठबंधन के बाद 'यूपी के दो लड़कों' की यह जोड़ी प्रसिद्ध हुई थी। हालांकि चुनाव परिणामों में गठबंधन को मुंह की खानी पड़ी थी।

**अखिलेश ने दिया पीडीए का नारा**

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए एक नया नारा 'पीडीए' दिया है, जिसका मतलब पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन तीनों वर्गों के बड़ी संख्या में मतदाता हैं।

**मायावती नहीं करेंगी किसी से गठबंधन**

वहीं मायावती ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी किसी भी दल के साथ सीट बंटवारे पर समझौता नहीं करेंगी।

**भाजपा ने की पसमांदा मुसलमानों तक पहुंच बनाने की कोशिश**

भाजपा ने पिछले कुछ महीनों में विशेष रूप से 'पिछड़े' पसमांदा मुसलमानों को लक्षित करते हुए अल्पसंख्यकों तक पहुंच बनाने के प्रयास किए हैं। मोदी सरकार में तीन तलाक उन्मूलन को भी मुस्लिम महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने के प्रयास के रूप में पेश किया गया है हालांकि अब तक भाजपा द्वारा घोषित 51 उम्मीदवारों की पहली सूची में किसी मुस्लिम उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की गई है।

**ऐसी थी 2019 के चुनावों की तस्वीर**

2019 के आम चुनाव में राज्य की 80 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 62 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल अपना दल (सोनेलाल) दो सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहा था। वहीं कांग्रेस एकमात्र रायबरेली सीट पर जीत हासिल करने में सफल हुई थी जबकि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 10, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) ने पांच सीटों पर जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) 2019 आम चुनाव में खाता भी नहीं खोल सकी थी।

# बिहार में छात्राओं का खाता खुलवाकर साइबर ठगी के पैसे मंगाता था कंप्यूटर टीचर, कोचिंग सेंटर में हुई छापेमारी

मुजफ्फरपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में साइबर थाने की पुलिस ने साहेबगंज में एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह के नेटवर्क को पकड़ा है। पुलिस ने एक कोचिंग संचालक के भाई को उठाया है जो पेशे से कंप्यूटर का शिक्षक भी है। चर्चा है कि छात्रवृत्ति के नाम पर 50 से 60 छात्राओं के नाम से अकाउंट खोलकर उसमें साइबर फ्रॉड की राशि मंगवाता था। करोड़ों रुपए की ठगी का यह मामला हो सकता है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। बताया जाता है कि फ्रॉड की राशि करोड़ों में है। पकड़ा गया कोचिंग संचालक का भाई कंप्यूटर टीचर भी है। फिलहाल साइबर थाने की पुलिस उसको गुप्त स्थान पर रखकर पूछताछ कर रही है। साइबर डीएसपी सह थानेदार सीमा देवी का कहना है कि अभी कार्रवाई के बारे में कुछ भी कहा नहीं जा सकता है।

जांच की जा रही है, कार्रवाई पूर्ण होने के बाद ही जानकारी दी जाएगी। साहेबगंज थाना क्षेत्र में हो रही चर्चा के अनुसार , साइबर थाने की पुलिस ने शनिवार की सुबह ही चौक के एक कोचिंग सेंटर में छापेमारी करने पहुंची। साइबर थाने की पुलिस कोचिंग संचालक की तलाश कर रही थी। मौके से ही पुलिस ने संचालक के भाई को उठाया है। हालांकि, संचालक अभी तक फरार चल रहा है।

# 'चार हाथों के साथ लक्ष्मी कैसे पैदा हो सकती हैं', स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर दर्ज होगी एफआईआर

लखनऊ, 17 मार्च (एजेंसियां)। हिंदू-देवी देवताओं पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी किये जाने के मामले में यूपी के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। उत्तर प्रदेश में लखनऊ की एक विशेष अदालत ने देवी लक्ष्मी और अन्य हिंदू देवी-देवताओं पर कथित रूप से अभद्र टिप्पणी करने के लिए पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ शनिवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया। लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य अपने बयान के चलते मुश्किलों में पड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। देवी लक्ष्मी को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर लखनऊ की विशेष अदालत ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिये हैं। सांसद विधायक अदालत के विशेष अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने वजीरगंज थाने को स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच करने का निर्देश जारी किया। याचिकाकर्ता रागिनी रस्तोगी ने अदालत से स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका दाखिल की थी। याचिकाकर्ता के मुताबिक, 15 नवंबर 2023 को अखबार में स्वामी प्रसाद मौर्य का बयान प्रकाशित हुआ, जिसका शीर्षक था 'चार हाथों के साथ लक्ष्मी कैसे पैदा हो सकती हैं' ?याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान से भारत में हिंदू धर्म को मानने वाले करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि स्वामी प्रसाद मौर्य पहले भी कई बार हिंदू धर्म का अपमान करने वाले बयान देकर हिंदू धर्म को मानने वाले लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाते आ रहे हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने हाल ही में समाजवादी पार्टी (सपा) की सदस्यता और विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देकर अपना एक राजनीतिक दल गठित किया है।

# गाजियाबाद में बाइक सवार हमलावरों ने महिला पर फेंका तेजाब

गाजियाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बाइक सवार दो हमलावरों ने शनिवार को एक महिला पर उस समय तेजाब फेंक दिया जब वह अपने घर वापस जा रही थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। नंदग्राम के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) रवि कुमार सिंह ने बताया कि नंदग्राम थाना इलाके में रहने वाली सुमन (40) पर बाइक सवार दो हमलावरों ने उस समय तेजाब फेंक दिया जब वह नंदग्राम इलाके में स्थित अपने घर वापस जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि महिला दोपहर में पंचवटी से राशन लेकर घर लौट रही थी और जैसे ही वह एक गैस एजेंसी के पास पहुंची कि तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उस पर तेजाब फेंक दिया,

जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। उन्होंने बताया कि महिला को इलाज के लिए तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे सफदरजंग अस्पताल स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में पीड़िता के पुत्र शिवम की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी के मुताबिक, शिवम का आरोप है कि 3 मई 2022 को कविनगर औद्योगिक क्षेत्र में बदमाशों ने उसके पिता अखिलेश कुमार की हत्या कर दी। प्राथमिकी में बताया गया कि मामले की सुनवाई जिला न्यायालय में जारी है और कुछ लोग उसकी मां पर मुकदमा वापस लेने के लिए दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक नामजद आरोपी विजय को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

# अमेठी के चुनावी रण में अब तक सिर्फ 3 बार उतरे 'सपा के योद्धा', मुलायम ने सोनिया के खिलाफ उतार दिया था प्रत्याशी

अमेठी, 17 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस को लगातार पांचवीं बार में अमेठी में सपा का साथ मिला है। यह बात अलग है कि अब तक भाजपा की स्मृति इरानी के मुकाबले कांग्रेस ने अमेठी के चुनावी रणभूमि में अपना योद्धा नहीं उतरा है। राहुल गांधी पांचवीं बार अमेठी से मैदान में होंगे या नहीं, इस पर अभी कांग्रेस नेता भी कुछ कह पाने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेसियों को भरोसा है कि राहुल गांधी वायनाड के साथ अमेठी से भी उम्मीदवार होंगे।

देश की सबसे चर्चित सीट अमेठी का इतिहास टटोलें तो अब तक सपा ने सिर्फ तीन बार अपने प्रत्याशी उतारे हैं और 1996 को छोड़ दें तो दो बार सपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। यह बात अलग है कि वर्तमान में अमेठी संसदीय क्षेत्र की पांच विधान सभा क्षेत्रों में दो बार सपा का कब्जा है। आम चुनाव 2004 में राहुल गांधी के अमेठी आने के बाद से सपा लगातार उनका समर्थन करती चली आ रही है। सपा ने राहुल गांधी के खिलाफ कभी भी अपना प्रत्याशी नहीं उतारा। जिसका लाभ भी कांग्रेस का मिला। अमेठी लोकसभा का इतिहास देखें तो सपा ने सबसे पहले 1996 में मो। ईशा को मैदान में उतारा था। इस चुनाव में उन्हें 79,285 मत मिले और वह तीसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस के कैप्टन सतीश शर्मा 1,57,868 मत पाकर विजयी हुए। भाजपा राजा मोहन सिंह को 1,17,725 मत प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे। सपा ने 1998 में शिव प्रसाद को अपना प्रत्याशी बनाया था। इस चुनाव में भाजपा ने संजय सिंह, कांग्रेस ने कैप्टन सतीश शर्मा व बसपा ने मो। नईम को टिकट दिया था। भाजपा के संजय सिंह ने 2,05,025 वोट पाकर जीत हासिल की थी। कांग्रेस के कैप्टन सतीश शर्मा को 1,81,755, बसपा के मो। नईम को 1,51,096 व सपा के शिव प्रसाद कश्यप को 29,888 वोट मिले थे। इसके बाद जब 1999 में सोनिया गांधी अमेठी से चुनाव लड़ने आई तो उनके खिलाफ सपा कमरुज्जमा फौजी को मैदान में उतारा था।

भाजपा ने संजय सिंह को जबकि बसपा ने पारस नाथ मौर्य को टिकट दिया था। इस चुनाव में कांग्रेस की आंधी में बाकी दल उड़ गए। कांग्रेस की सोनिया गांधी को जहां 4,18,960 वोट मिले। वहीं भाजपा को 1,18,948, बसपा को 33,658 व सपा 16,678 वोट ही मिले। उसके बाद 2004 में जब से राहुल गांधी अमेठी आए। तब से सपा ने कभी भी अपना प्रत्याशी नहीं उतारा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेठी में 2004, 2009 व 2014 में बड़ी जीत दर्ज कर हैट्रिक लगाई।

इन चुनावों में सपा ने अपने प्रत्याशी नहीं उतारा, लेकिन 2019 में सपा का समर्थन होने के बावजूद भी कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भाजपा की स्मृति इरानी से 55, 120 मतों से हार गए। हार के बाद राहुल गांधी अब तक मात्र चार बार ही अमेठी आए हैं। वर्तमान में गौरीगंज व अमेठी सीट सपा के कब्जे में है। तिलोई के साथ ही जगदीशपुर व सलोन सुरक्षित सीट पर भाजपा का कब्जा है।

# डीजे पर साली के साथ लचकाई कमर, भड़की पत्नी सबके सामने पति का किया ऐसा हाल

आगरा, 17 मार्च (एजेंसियां)। पति-पत्नी का रिश्ता ऐसा होता है, जहां प्यार भी होती है और तकरार भी. लेकिन कभी-कभी छोटी सी बात पर बढ़ी तकरार रिश्तों पर गहरा असर छोड़ देती है. एक ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के आगरा से सामने आया है. यहां एक युवक को साली के साथ डीजे की धुन पर डांस करना महंगा पड़ गया. युवक की पत्नी इस बात से इस कदर नाराज हो गई कि उसने सरेआम पति को सबके सामने चप्पल से पीट डाला. पति भी अपनी बेइज्जती बर्दाश्त नहीं कर पाया. वह पत्नी को उसके मायके छोड़ आया. छह महीनों तक दोनों ने कोई बात नहीं की. पत्नी को लगा कि पति उसे मनाने आएगा. अपने किए पर माफी मांगेगा. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. जिसके बाद पत्नी ने परिवार के साथ मिलकर परामर्श केंद्र में न्याय की गुहार लगाई.

## 'आपको भगवान की कसम है मास्टर जी पास कर देना,' बोर्ड परीक्षा में छात्र ने कॉपी में लिखा नोट

भोपाल, 17 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश बोर्ड परीक्षाओं के कॉपियों की जांच शुरू हो चुकी है। इस साल भी छात्रों द्वारा रोचक बहाने करने, अपनी परेशानियां लिखकर पास करने के लिए मिन्नतें कॉपियों में नजर आ रही है। इसी तरह का एक मामला इंदौर में भी आया है। इंदौर में बोर्ड की कॉपी में एक छात्र ने अपनी कॉपी में लिखा, मास्टरजी आपको भगवान की कसम है मुझे पास कर देना। यही नहीं छात्र संस्कृत के पेपर में हिंदी में निबंध लिखकर आ रहे हैं और पास करने के लिए नोट भी लिख रहे हैं। इंदौर के मालव कन्या स्कूल में चार सौ से ज्यादा शिक्षक आसपास के जिलों की करीब ढाई लाख कॉपियों को जांचने का काम कर रहे हैं। कॉपियों की जांच के दौरान शिक्षकों को बच्चों के पास करने के लिए अजब-गजब बहाने भी पढ़ने को मिल रहे हैं। किसी ने बीमारी का हवाला देकर शिक्षकों से भगवान की कसम देकर पास करने को कहा है, तो किसी ने संस्कृत के पेपर में हिंदी में निबंध लिख दिया है। इतना ही नही कई छात्रों ने हिंदी और संस्कृत के पेपर में भी निमाड़ी हिंगलिश जैसी भाषाओं में उत्तर लिख दिए हैं इसी तहर एक अन्य कॉपी में छात्र ने लिखा,भगवान की कसम है मास्टर जी पास कर देना। मालव कन्या स्कूल में एक शिक्षक के पास ऐसा ही अजीब मामला सामने आया, जब वे एक कॉपी को चेक रहे थे।

छात्र ने प्रश्नों के उत्तर गलत और अधूरे लिखे। इसके बाद उसने एक नोट भी लिखा। नोट में छात्र ने पास करने की गुहार लगाते हुए लिखा, मास्टरजी मैं बीमार होने की वजह से पढ़ाई नहीं कर पाया। आपको भगवान की सौगंध है, मुझे पास कर देना प्लीज। इसे देखकर शिक्षक भी हैरान हैं। इसी तरह हीरानगर पुलिस ने एक स्कूल संचालक और एक प्रिंसिपल पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

# भाजपा केवल शोर मचाती है

## उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं", राहुल गांधी का केंद्र पर हमला

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) "शोर बहुत मचाती" है लेकिन उसमें संविधान को "बदलने" का साहस नहीं है। राहुल ने यह भी कहा कि सच्चाई और देश की जनता उनके साथ है। भाजपा सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने हाल में कहा था कि उनकी पार्टी को संविधान में संशोधन करने के लिए और ''कांग्रेस द्वारा इसमें जोड़ी गईं अनावश्यक चीजों को हटाने के लिए" संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। इसके बाद भाजपा ने हेगड़े की टिप्पणियों से पैदा हुए विवाद को शांत करने की कवायद में इसे उनका ''निजी विचार" बताया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा था। राहुल गांधी मुंबई में महात्मा गांधी के आवास मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक 'न्याय संकल्प पदयात्रा' करने के बाद यहां एक सभा को संबोधित कर रहे थे। अगस्त क्रांति मैदान में ही ब्रिटिश राज से आजादी के लिए भारत के संघर्ष के दौरान 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, ''भाजपा बहुत शोर मचाती है लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं है। सच्चाई और लोगों का समर्थन हमारे साथ है।" वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने कहा कि मौजूदा लड़ाई केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं बल्कि दो ''अभिव्यक्तियों" के बीच है। उन्होंने कहा, ''कोई सोचता है कि देश एक केंद्र से चलना चाहिए, जहां एक व्यक्ति के पास सारा ज्ञान है। इसके विपरीत, हम सोचते हैं कि शक्ति का विकेंद्रीकरण होना चाहिए और लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए।" राहुल ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) की डिग्री है तो इसका यह मतलब नहीं है कि उसके पास किसी किसान के मुकाबले ज्यादा ज्ञान है। लेकिन भाजपा इस तरह काम नहीं करती है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच है कि सिर्फ एक व्यक्ति के पास ज्ञान है।।किसान, मजदूर और बेरोजगार युवाओं को कोई ज्ञान नहीं है।" शनिवार को कांग्रेस सांसद ने मध्य मुंबई में डॉ। भीमराव आंबेडकर के स्मारक 'चैत्यभूमि' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करके और संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपनी 63 दिवसीय 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का समापन किया। यह यात्रा 14 जनवरी को संघर्षग्रस्त मणिपुर से शुरू हुई थी।

## इंडिया अलाएंस की दिल्ली की सभी सात सीटों पर जीत तय, अरविंदर सिंह का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा 2024 के चुनावों की तारीखों के एलान के बाद सभी राजनैतिक दल चुनावी मोड़ में आ गए हैं। सियासी दलों के नेता अब एक-दूसरे के खिलाफ पहले से ज्यादा आक्रामक होकर बोलने लगे हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने बीजेपी को निशाने पर लेते हुए उनके सांसदों द्वारा पिछले 10 वर्षों में किए गए विकास कार्यों का ब्यौरा मांगा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में बीजेपी के सभी सांसद जनता के बीच से गायब रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हैं कि बीजेपी को एक को छोड़कर अपने सभी उम्मीदवारों को बदलना पड़ा है। बीजेपी के किसी सांसद ने अपने क्षेत्र के फंड का पूरा उपयोग नहीं किया। अरविंदर सिंह लवली ने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी के किसी भी सांसद ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के फंड का पूर्णतः उपयोग भी नहीं किया। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में सुधार करने, वायु और जल प्रदूषण को खत्म करने, नए स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनाने, कूड़े के पहाड़ों को कम करने, टूटी सड़कों की मरम्मत जैसे जनता के हित के विषयों पर एक भी काम नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी ने लगातार अपने सांसदों को दोहराने की बजाय पिछले दो लोकसभा चुनावों में नए चेहरों को उतारकर दिल्ली की जनता का मजाक बनाया। दिल्लीवासी अब बीजेपी के धोखे को समझ चुके हैं।

## सिद्धू मूसेवाला के घर में खुशी का माहौल

### 58 साल की उम्र में मां चरण कौर ने दिया बेटे को जन्म, पिता ने शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के घर में खुशी का माहौल है। उनकी मां चरण कौर ने 58 साल की उम्र में बेटे को जन्म दिया है। मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने अपने नन्हें बेटे की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'शुभदीप को चाहने वाली लाखों-करोड़ों आत्माओं के आशीर्वाद से, अनंत भगवान ने शुभ के छोटे भाई को हमारी गोद में डाल दिया है। भगवान के आशीर्वाद से परिवार स्वस्थ है और मैं सभी शुभचिंतकों के अपार प्यार के लिए आभारी हूं।'

गौरतलब है कि पंजाब में सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लगभग दो साल बाद रविवार को बलकौर और उनकी पत्नी के घर में किलकारी गूंजी। मूसेवाला के पिता ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्हें मूसेवाला के छोटे भाई के रूप में आशीर्वाद मिला है। इससे पहले, बलकौर सिंह ने 58 साल की उम्र में अपनी पत्नी की प्रेगनेंसी की खबरों का खंडन किया था और सभी से अफवाहों पर विश्वास न करने का अनुरोध भी किया था। उन्होंने कहा था, 'हम सिद्धू के प्रशंसकों के आभारी हैं जो हमारे परिवार के बारे में चिंतित हैं। लेकिन हम अनुरोध करते हैं कि परिवार के बारे में इतनी अफवाहें चल रही हैं कि उन पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

जो भी खबर होगी, परिवार आप सभी के साथ साझा करेगा।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मूसेवाला की मां ने बच्चे को जन्म देने के लिए विट्रो-फर्टिलाइजेशन थेरेपी (आईवीएफ) ली थी। बता दें कि 28 साल के सिद्धू मूसेवाला की 29 मई 2022 को मनसा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पंजाबी गायक को बेहद नजदीक से गोली मारी गई थी। हमलावरों ने मूसेवाला पर 30 राउंड से अधिक गोलियां चलाईं थीं।

## भारतीय नौसेना के सामने समुद्री लुटेरों ने टेके घुटने सोमालिया के 35 लुटेरों ने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने समुद्र में एक बार फिर अपने पराक्रम की गाथा लिखी है। भारतीय तट से 1,400 समुद्री मील दूर एक व्यापारी जहाज को बंधक बनाने वाले 35 जलदस्यु को नौसेना ने आत्मसमर्पण करने के लिए 'मजबूर' कर दिया। इतना ही नहीं नौसेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बंधक जहाज के चालक दल के 17 सदस्यों की सुरक्षित रिहाई भी सुनिश्चित की। समुद्री लुटेरों के खिलाफ अपने इस अभियान के लिए नौसेना ने अपने पी-8आई समुद्री गश्ती विमान, फ्रंटलाइन जहाज आईएनएस कोलकाता और आईएनएस सुभद्रा और मानव रहित हवाई यान को तैनात किया। अभियान के लिए सी-17 विमान से विशिष्ट मार्कोस कमांडो को उतारा गया। इससे पहले, नौसेना ने सोमालिया के पूर्वी तट पर जहाजों के अपहरण के सोमालियाई समुद्री डाकुओं के एक प्रयास को विफल कर दिया था। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि समुद्री डाकू रुएन नामक एक मालवाहक जहाज पर सवार थे जिसका करीब तीन महीने पहले अपहरण किया गया था। नौसेना के प्रवक्ता विवेक मधवाल ने कहा, " आईएनएस कोलकाता ने पिछले 40 घंटों में ठोस कार्रवाई करके सभी 35 जलदस्यु को सफलतापूर्वक घेर लिया और आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया तथा बंधक बनाए गए जहाज से चालक दल के 17 सदस्यों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित की।" नौसेना ने बताया कि एमवी रुएन का सोमालियाई जलदस्युओं ने 14 दिसंबर को अपहरण कर लिया था। पहले के बयान में नौसेना ने बताया था कि जहाज से भारतीय युद्धपोत पर गोलीबारी की गई और भारतीय जहाज की ओर से आत्म रक्षा में और नौवहन तथा नाविकों को जलदस्युओं के खतरे से बचाने के लिए आवश्यक न्यूतनम बल के साथ समुद्री डकैती से निपटने के वास्ते अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्रवाई की गई।

## केरल तमिलनाडु में हो रही चुनाव की तारीख बदलने की मांग, मुस्लिम संगठनों ने बताई वजह

कोच्चि, 17 मार्च (एजेंसियां)। देश में होने वाले लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। इसी से साथ राजनीतिक दलों के साथ जनता का भी इंतजार खत्म हो गया है। पिछली बार की तरह ही इस बार भी सात चरणों में चुनाव होने जा रहे हैं। 19 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग होगी वहीं 1 जून को सातवें और आखिरी चरण के लिए मतदान होगा। चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। केरल में दूसरे चरण में लोकसभा चुनाव होगा। यहां 26 अप्रैल मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु में 19 अप्रैल को वोटिंग होगी। अब इस मामले में आईयूएमएल समेत कुछ दूसरे मुस्लिम संगठनों ने ऐतराज जताया है। दरअसल 19 अप्रैल और 26 अप्रैल दोनों ही तारीख को शुक्रवार का दिन पड़ रहा है। ये दिन हर मुसलमान के लिए अहम होता है। इस दिन सभी लोग नमाज अदा करते हैं। ऐसे में शुक्रवार को चुनाव होने से लोगों को परेशानी हो सकती है। यही वजह है कि मुस्लिम संगठन चुनाव की तारीख को बदलने की मांग कर रहे हैं।

**'शुक्रवार को चुनाव होने से लोगों को होगी परेशानी'**

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) का कहना है कि वो चाहते हैं कि चुनाव की तारीख को बदलकर कोई और तारीख तय की जाए। इसके लिए वो लोग भारत चुनाव आयोग (ईसीआई) से संपर्क करेगी। आईयूएमएल के मुताबिक शुक्रवार के दिन चुनाव होने से मतदाताओं, अधिकारियों और उम्मीदवारों को काफी असुविधा होती है क्योंकि शुक्रवार का दिन मुसलमानों के लिए बेहद अहम दिन है।

**तारीख बदलने के लिए जाएंगे चुनाव आयोग के पास**

आईयूएमएल के राज्य महासचिव पी एम ए सलाम ने का कहना है कि शुक्रवार के दिन लोग नमाज पढ़ने के लिए मस्जिदों में इकट्ठा होते हैं। ऐसे में शुक्रवार को मतदान होने से मतदाताओं, उम्मीदवारों, मतदान एजेंटों और चुनाव ड्यूटी में नियुक्त अधिकारियों को असुविधा होगी। राज्य महासचिव ने कहा कि आईयूएमएल तारीख बदलने की मांग को लेकर ईसीआई के पास जाएगा। आईयूएमएल के अलावा अन्य संगठन भी तारीख में बदलाव की मांग को लेकर चुनाव आयोग के पास जाने की योजना बना रहे हैं। आपको बता दें कि केरल में 26 अप्रैल को 20 सीटों पर एक साथ एक ही दिन चुनाव होने जा रहे हैं। जिनमें 18 सीटें सामान्य वर्ग की हैं वहीं 2 सीटें आरक्षित हैं। तमिलनाडु में पहले चरण में 19 अप्रैल को चुनाव हैं। यहां 39 सीटों पर एक साथ एक ही दिन वोटिंग होगी।

## इंदौर में कांग्रेस कैसे देगी बीजेपी को टक्कर? उम्मीदवार भी तय नहीं, ऐसे रहे अब तक के आंकड़े

इंदौर, 17 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में जहां बीजेपी ने अपने स्तर पर चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देकर उन पर अमल करना शुरू कर दिया है। वहीं लोकसभा चुनावों की तारीखों के एलान के बाद भी कांग्रेस की तरफ से इंदौर में कोई प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है। इसका बड़ा कारण है इंदौर से कांग्रेस से चुनाव लड़ने के लिए कोई बड़े नेता का नाम उभरकर सामने नही आना। दरअसल सत्यनारायण पटेल पहले लोकसभा चुनाव लड़े और हारे, उसके बाद पंकज संघवी भी लड़े और हारे अब बीजेपी में हैं। सत्यनारायण पटेल चुनाव लड़ने से इनकार कर चुके है। वहीं पंकज संघवी ने 3 दिन पहले बीजेपी का दामन थाम लिया है। इधर पहले बात चली थी कि भंवर सिंह शेखावत आकर चुनाव लड़ेंगे। लेकिन उन्होनें कहा कि मैं बदनावर में ही ठीक हूं मेरी लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं है। ऐसे में अब केवल अक्षय कांति बम की ओर नेता टकटकी लगाकर देख रहे हैं। इंदौर से चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस ने बीते दिनों एक बैठक का आयोजन किया। जिसमें संभावित नाम पर विचार किया गया। लेकिन यहां कार्यकर्ताओं की मांग थी कि इंदौर से पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को चुनाव लड़वाया जाए। वहीं अक्षय कांति बम के नाम पर भी सहमति बनी है लेकिन फिलहाल ये विचार ही चल रहा है अंतिम नाम सामने आना बाकी है। इंदौर की लोकसभा सीट की बात करें तो ये सीट बीजेपी के कब्जे में बीते 33 सालों से है। कांग्रेस में अब इस बार बलि का बकरा बनने के लिए कोई भी नेता सामने नहीं आ रहा। क्योंकि नेताओं के सामने हार का मुंह देखने का संकट खड़ा है।

## गुजरात यूनिवर्सिटी में बवाल, अफगानिस्तान-उज्बेकिस्तान के छात्रों पर हमला, हॉस्टल के अंदर पढ़ रहे थे नमाज

अहमदाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। यूनिवर्सिटी में विदेशी छात्रों पर हमले की बड़ी खबर सामने आई है। यूनिवर्सिटी के ए ब्लॉक कैंपस में कुछ दंगाई तत्वों ने अफगानिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेशी छात्रों पर हमला कर दिया। दावा किया जा रहा है कि नमाज पढ़ने को लेकर इन छात्रों पर हमला किया गया। यह हमला उस वक्त किया गया जब छात्र नमाज पढ़ रहे थे। देर रात हुई इस घटना के बाद यूनिवर्सिटी कैंपस में दहशत का माहौल देखने को मिला।

छात्रों पर लाठियों से हमला करना और गाड़ियों में तोड़फोड़ करना, ये सब यूनिवर्सिटी कैंपस में लगे कैमरे में कैद हो गया है। घटना की सूचना मिलने पर विधायक इमरान खेड़ावाला, पूर्व विधायक ग्यासुद्दीन शेख समेत नेता मौके पर पहुंचे। घायल छात्रों को इलाज के लिए एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी ने भी इस पर त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए हैं। मामले में पुलिस कमिश्नर की गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के साथ बैठक हुई थी। पूर्व विधायक ग्यासुद्दीन शेख ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। ग्यासुद्दीन शेख ने कहा कि जब छात्रों पर हमला हुआ तो पुलिस बेशक आई, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? पुलिस आरोपियों को कवर कर रही थी। ग्यासुद्दीन ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों को निलंबित करने की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, ये छात्र हॉस्टल कॉलेज परिसर में नमाज पढ़ रहे थे। इसी से नाराज कुछ छात्रों ने इसका विरोध किया जिसके बाद बात हाथापाई तक पहुंच गई। विदेशी छात्रों का दावा है कि बाहर से आए कुछ लोग अचानक उनकी हॉस्टल बिल्डिंग में घुस आए और उनसे बहस करने लगे।

उन्हें कहा गया कि हॉस्टल में नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं है। इस पर दोनों गुटों के बीच विवाद पैदा हो गया और फिर मारपीट शुरू हो गई। पीड़ित छात्रों कहा कहना है कि उनके कमरों में तोड़फोड़ की गई। लैपटॉप, मोबाइल फोन और शीशें भी तोड़ दिए गए। उन्होंने दावा किया कि जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, हमलावर भाग चुके थे। विदेशी छात्रों पर हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में दिखा कि कम से कम पांच गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है।

## पीएम नरेंद्र मोदी को अधीर रंजन चौधरी ने लिखा पत्र

### कहा- आपकी यात्रा के कारण दिल्ली में लगता है ट्रैफिक जाम

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी का काफिला कहीं से गुजरे तो प्रोटोकॉल्स के तहत कुछ रास्तों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाता है। दरअसल ऐसा प्रधानमंत्री की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जाता है। इसी मामले को लेकर कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। पीएम मोदी को पत्र लिखकर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि उनके काफिले की वजह से दिल्ली, विशेषकर मध्य दिलली में ट्रैफिक जाम हो जाती है। इस कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अधीर रंजन चौधरी पीएम मोदी से अपील की कि वे इस मामले में हस्तक्षेत्र करें और इस समस्या का हल निकालने का प्रयास करें। अपने पत्र में अधीर रंजन चौधरी ने यातायात जाम से जुड़े मुद्दे को उठाया और इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा लोगों के लिए महत्वपूर्ण विषय है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर कभी भी समझौता नहीं किया जा सकता है। चौधरी ने लिखा, एक तथ्य यह भी है कि सड़कों पर आने-जाने वाले लोगों को अक्सर ट्रैफिक जाम होने के कारण कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसमें दिहाड़ी मजदूर, मरीज, कार्यालय जाने वाले लोग, स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे शामिल हैं।

## बिहार में 1 करोड़ से अधिक युवा वोटर्स करेंगे निर्णायक फैसला, बूथों पर की गई है खास तैयारी

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने लगभग सारी तैयारियां पूरी कर ली है। आयोग इस चुनाव में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहा है। बिहार में राजनीतिक दलों की नजर भले ही युवा मतदाताओं पर है, लेकिन यहां 100 वर्ष या उससे ज्यादा उम्र के मतदाताओं की संख्या भी 21 हजार से ज्यादा है। वहीं, उम्र के हिसाब से देखें तो राज्य में 9।26 लाख मतदाता पहली बार मतदान के लिए तैयार हैं, जिनकी उम्र 18 से 19 वर्ष के बीच है। प्रदेश में 1।06 करोड़ मतदाताओं की उम्र 20 से 29 साल है। बिहार में कई क्षेत्रों में लिंगानुपात बढ़ा है।

**निर्वाचन आयोग ने बुजुर्ग वोटर के लिए बनाई योजना**

निर्वाचन आयोग ने इस लोकसभा चुनाव में 85 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं के लिए घर जाकर वोट लेने की योजना बनाई है। बिहार निर्वाचन विभाग के मुताबिक, प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 7।64 करोड़ है। इनमें 4 करोड़ पुरुष, 3।64 करोड़ महिलाएं और 2,290 थर्ड जेंडर हैं। 6 लाख 30 हजार मतदाता दिव्यांग हैं। 14 लाख 50 हजार सीनियर सिटीजन हैं, जिसमें से 21,680 मतदाता सौ या उससे अधिक आयु के हैं। 1 लाख 68 हजार सर्विस वोटर हैं।

**77 हजार से अधिक बनाए गए बूथ**

निर्वाचन आयोग के अधिकारी बताते हैं कि राज्य मतदाता लिंगानुपात 2024 में बढ़ कर 909 हो गया है, जो 2019 में 892 था। गौर करने वाली बात है कि 243 विधानसभा क्षेत्रों में से 117 विधानसभा क्षेत्र में लिंगानुपात 909 से भी अधिक है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में 77 हजार से अधिक बूथों का गठन किया गया है। इनमें 11,061 बूथ शहरी क्षेत्रों में बनाए गए हैं। जबकि, राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 66,331 बूथ बनाए गए हैं।

**बूथों पर होगी लाइव वेबकास्टिंग**

बताया गया कि पिछले विधानसभा चुनाव से इस बार बूथों की संख्या में वृद्धि की गई है। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार इस बार 40 हजार बूथों पर लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। इससे पहले केवल मतदान केंद्रों से वीडियो ही दिखाई जाती थी, लेकिन इस चुनाव में वीडियो के साथ ऑडियो भी सुनने की व्यवस्था होगी।

## विदेशी महिला ने फेसबुक पर रिटायर इंजीनियर से ठगे 50 लाख रुपये, कंपनी में सप्लायर बनने का दिया लालच

ग्वालियर, 17 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रेदश के ग्वालियर में रहने वाले रिटायर इंजीनियर को फेसबुक पर विदेशी महिला से दोस्ती करना महंगा पड़ गया है। बिजनेस में ज्यादा प्रॉफिट कमाने कमाने के चक्कर में एमपीईबी के रिटायर्ड इंजीनियर 50 लाख रुपए की ठगी का शिकार हो गए हैं। ठगी का शिकार हुए रिटायर्ड इंजीनियर ने इस मामले की शिकायत ग्वालियर क्राइम ब्रांच में दर्ज कराई है। एडिशनल एसपी निरंजन शर्मा के जानकारी अनुसार कैलाश विहार में रहने वाले विजय कुमार शर्मा छत्तीसगढ़ में एमपीईबी में इंजीनियर थे। रिटायरमेंट के बाद वे ग्वालियर में रह रहे हैं। कुछ समय पहले फेसबुक के माध्यम से रिटायर्ड इंजीनियर विजय कुमार शर्मा की बातचीत डॉक्टर लौरा एल्विस नाम की महिला से बातचीत हुई थी।

## आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में एनआईए ने पुणे के कोंढवा में 4 संपत्तियों को कुर्क किया

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में महाराष्ट्र के पुणे जिले के कोंढवा में चार संपत्तियों को कुर्क किया है। इनमें चेतना गार्डन सोसाइटी में एक फ्लैट, फजले रहमान रेजीडेंसी में एक फ्लैट और कोंढवा इलाके में साईबाबा नगर एवं मीठा नगर में एक-एक फ्लैट शामिल हैं। ये संपत्तियां इस मामले में गिरफ्तार आतंकी आरोपितों से जुड़ी हैं, जो इन्हें अपनी देशविरोधी गतिविधियों के लिए आश्रय के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। एनआईए सूत्रों के अनुसार आईएसआईएस के अल-शुफा मॉड्यूल के मुख्य आरोपित एवं मास्टरमाइंड इमरान खान, मोहम्मद यूसुफ खान, मोहम्मद यूनुस मोहम्मद याकूब साकी, शाहनवाज आलम समेत अन्य आरोपित इन परिसरों में रहते थे और वहीं से अपनी आतंकी गतिविधियों को संचालित करते थे। उक्त कुर्क की गई संपत्ति की व्यवस्था गिरफ्तार कादिर दस्तगीर द्वारा की गई थी, जिसने इमरान खान और अन्य को आश्रय प्रदान किया था, जब वे वर्ष 2022 में आईएसआईएस रतलाम मॉड्यूल मामले में फरार थे, जबकि एनआईए उनकी तलाश कर रही थी। इस कथित परिसर में महाराष्ट्र एटीएस ने सबसे पहले विस्फोटकों के लिए रासायनिक पाउडर, लकड़ी का कोयला, एक ड्रॉपर, एक सोल्डरिंग गन, एक थर्मामीटर, एक मल्टीमीटर, बैटरी, एक घड़ी, कुछ सर्किट, एक पिस्तौल और गोलियां बरामद कीं, जिन्हें बाद में उन्होंने एनआईए को स्थानांतरित कर दिया। इन परिसरों में कई बैठकें आयोजित की गईं, जहां शरिया शासन, वर्तमान परिचालन स्थिति और योजना सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के लिए नियमित रूप से एक मजलिश बुलाई गई थी। इसके अतिरिक्त संलग्न संपत्ति का उपयोग अप्रैल 2022 में आईईडी के निर्माण, प्रशिक्षण और परीक्षण के लिए एक कार्यशाला के रूप में किया गया था। 'पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले' में शामिल नाचन, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद यूनुस साकी, कादिर दस्तगीर पठान, सीमाब काजी, जुल्फिकार अली बड़ौदावाला, अकीफ नाचन समेत कई आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 18 मार्च- 2024

# चुनाव आयोग की ईमानदारी लोकतंत्र की आत्मा है



रघु ठाकुर

देश में जनतांत्रिक प्रणाली को सफल बनाने के लिए निष्पक्ष और पैसे के प्रभाव से मुक्त चुनाव होना आवश्यक है। ऐसे चुनाव के लिए एक ऐसे चुनाव आयोग की आवश्यकता है जो नियमों में भी सुधार करें और अपनी कार्य पद्धति को भी आमजन के लिए सुलभ बनाए। पिछले वर्षों में चुनाव आयोग के बारे में हम लोग लगातार लेख या मीडिया के माध्यम से सुझाव देते रहे हैं। देश में इनकी काफी चर्चा भी हुई है। विशेषतरू 1980 के बाद चुनाव आयोग की भूमिका पर निरंतर देश में चर्चा चलती रही है। हमारे देश में एक हिस्सा ऐसा है जो यह मानता है कि श्री टी न शेषन सबसे उपयुक्त और योग्य चुनाव आयुक्त थे, जिन्होंने चुनाव प्रणाली को बहुत हद तक सुधारा और यह उनका व्यक्तिगत प्रयास था जिससे चुनाव प्रणाली को सुधारने में उन्होंने सफलता हासिल की। हालांकि मैं ऐसा कहने का कोई तार्किक कारण नहीं देखता हूं। उनके कार्यकाल में ही चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचीका दायर की थी जिसमें चुनाव आयोग के चुनाव कराने के लिए अधिकारों के प्रश्न पर सर्वोच्च न्यायालय से निर्णय की अपेक्षा की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को यह अधिकार दिया था कि उनके पास चुनाव को निष्पक्ष कराने के लिए सारे अधिकार हैं। मुझे स्मरण है की सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में लिखा था कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सारे अधिकार हैं। इस फैसले का इस्तेमाल कर कुछ सुधार करने का प्रयास चुनाव आयुक्त के रूप में श्री शेषन साहब ने किया था। परंतु वह सुधार कोई बहुत उल्लेखनीय परिणाम नहीं दे सका। किसी बड़े पद की कुर्सी पर बैठकर वहां से चीजों को देखना बहुत वस्तु परक नहीं होता। यही स्थिति श्री शेषन के साथ हुई थी। उन्होंने अपने पद की धमक तो पैदा की। अधिकारियों को धमकाया भी परंतु चुनाव प्रणाली के सुधार के लिए कुछ विशेष नहीं कर पाए। शीर्ष पदों पर बैठकर की जाने वाली बातें और वास्तविक जमीन पर कितना अंतर होता है यह तब स्पष्ट हो गया जब श्री टीएन सेशन चुनाव आयुक्त के पद से सेवानिवृत होने के बाद खुद लोकसभा का चुनाव लड़े और न केवल बुरी तरह पराजित हुए बल्कि जमानत भी नहीं बचा पाए। शायद तब उनको महसूस हुआ होगा कि देश की व्यवस्था के नीचे के हालात और उन्हें ऊपर से बैठकर देखने में कितना फर्क है। चुनाव आयोग को देश में निष्पक्ष, सत्ता मुक्त, धर्म और जाति के दवाब से मुक्त और धन से मुक्त चुनाव कराना है तो इसके लिए एक व्यापक दृष्टि की आवश्यकता है। आज हमारे देश के चुनाव धन तंत्र, धर्म तंत्र, बलतंत्र और सत्ता तंत्र इन चारों से प्रभावित है। और इसलिए चुनाव दिखाने को भले ही निष्पक्ष लगे परंतु वे कहीं ना कहीं दूषित होते हैं। इन चारों में से कोई ना कोई बुराई उन्हें प्रभावित करती है। मैं मानता हूं कि यह अकेले चुनाव आयोग को संभव नहीं है जब तक की सत्ता और जनता भी उनके साथ ना हो। और जब सत्ता आमजन को गुमराह कर या किसी अन्य प्रकार से प्रभावित कर बनती है तो उससे यह उम्मीद करना कि वह निष्पक्ष चुनाव आयोग चाहेगा व्यवहारिक नहीं है। इसका प्रमाण हाल ही में सामने आया जब सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में चुनाव आयुक्त के नियुक्ति को लेकर एक फैसला दिया था जिसमें त्री सदस्य चयन समिति बनना थी। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और भारत के मुख्य न्यायाधीश। इन तीन लोगों की कमेटी के द्वारा चुनाव आयोग का चयन होना था परंतु भारत सरकार ने संसद में कानून पारित कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लगभग निरस्त कर दिया। और भारत के मुख्य न्यायाधीश की भूमिका को उसमें शामिल नहीं रहने दिया यानी, परिणाम यह है कि अब भारत सरकार के हाथ में ही यह पूर्ण अधिकार है कि वह अपने मन का चुनाव आयोग बनाए और जब सरकार चुनाव आयोग अपने निर्वाध अधिकारों के तहत बनाएगी तो फिर चुनाव आयोग का सत्ता तंत्र से मुक्त होना कैसे संभव है ? आज हम देख रहे हैं कि पैसे का दुरुपयोग चुनाव में भरपूर होता है। चुनाव आयोग के पास इसके लिए कोई ठोस कार्यक्रम या सोच नजर नहीं आती। चुनाव आयोग ने लगातार विधानसभा और लोकसभा के चुनाव की खर्च सीमा को बढ़ाया है ।चुनाव के खर्च की सीमा को बढ़ाना क्या समस्या का हल है। आजकल संसद के चुनाव के खर्च की सीमा लगभग 70 लाख है और विधानसभाओं की भी 30 से 40 लाख है। क्या देश का कोई गरीब आदमी या गरीब प्रत्याशी 70 लाख रुपए खर्च करके लोकसभा और 40 लाख रुपए खर्च करके विधानसभा का चुनाव लड़ सकता है । कहने को भले है कि देश में वोट का सभी को समान अधिकार हो यानी एक व्यक्ति एक वोट है परंतु चुनाव लड़ने का समान अधिकार नहीं है। गरीब आदमी को या ईमानदार प्रत्याशी को तो एक प्रकार से चुनाव की प्रक्रिया से बाहर ही कर दिया गया है और अगर उसे चुनाव लड़ना है तो फिर उसे धनपतियों के पैसों पर या राजनीतिक दलों के भ्रष्ट चंदे पर निर्भर होना होगा। जिसका अर्थ होगा कि या तो पूंजीपतियों की गुलामी या फिर दलीय गुलामी। यह एक प्रकार से देश में, दलों में, आंतरिक लोकतंत्र खत्म हो रहा है। निर्वाचित सांसद या विधायक जो दल के, नोट दल के वोट और दल के टिकट पर निर्भर करते हैं उनकी स्वतंत्रता चेतना समाप्त हो जाती है। उन्हें अपना राजनैतिक भविष्य, अपने परिवार का भविष्य अनुशासन के नाम पर आंख मुंह बंद कर शीर्ष नेतृत्व के समर्थन में दिखता है। वह आगामी चुनाव में हिस्सेदारी के लिए या सत्ता में साझेदारी के लिए अपनी आत्मा को गिरवी रख देते हैं तथा दलीय नेतृत्व के आज्ञाकारी गुलाम जैसे बन जाते हैं। यह एक प्रकार से बंधुआ मजदूर जैसे हो जाते हैं। इस दलीय तानाशाही को आजकल हाई कमांड और शीर्ष नेतृत्व को सुप्रीमो कहा जाता है। क्या यह शब्द लोकतांत्रिक शब्द कोष का है? यह तो माफिया जगत का जुमला है। इन बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए भी चुनाव आयोग को सोचना चाहिए। खर्च की सीमा बढ़ाने के बजाय चुनाव आयोग को यह प्रयास करना चाहिए कि जितने भी प्रत्याशी हो उन सभी को समानता से चुनाव लड़ने का अधिकार हो और इसके लिए यह आवश्यक होगा कि प्रत्याशियों का चुनाव खर्च सारा चुनाव आयोग के द्वारा हो। चुनाव की प्रक्रिया शुरू होते ही प्रत्याशियों के निजी प्रचार के सारे काम समाप्त हो जाए। चुनाव आयोग प्रत्याशियों को मात्र दो-दो गाड़ियां उपलब्ध कराये जिन पर वह अपना जनसंपर्क करें। परंतु चुनाव की अवधि में एंबुलेंस सामूहिक यातायात साधन जैसे वाहन छोड़ कर शेष निजी वाहनों पर चलने पर रोक लगा दी जाए। अगर 10-15 दिन के लिए यह रोक हो जाएगी तो इससे कोई बड़ा अंतर पड़ने वाला नहीं है।

परंतु एक बहुत बड़ा भ्रष्टाचार का कारण रुक जाएगा। इसी प्रकार से पार्टीयों के घोषणा पत्र, प्रत्याशियों के घोषणा पत्र, वचन पत्र या जीवन परिचय यह भी चुनाव आयोग के तंत्र के माध्यम से बँटवाये जा सकते हैं। सामूहिक सभाएं हो सकती हैं जिनमें सभी दलों के लोग अगर सभाओं में कुछ कहना चाहते हैं तो एक ही चुनाव आयोग के मंच से निश्चित समय में कह सकते हैं। मीडिया में भी सबके लिए समान अधिकार मिलना चाहिए ताकि सब की बात पहुंच सके। अगर यह होगा तो फिर चुनाव में धन-तंत्र का प्रभाव काफी हद तक समाप्त हो सकता है। हमारे देश में जाति और धर्म भी चुनाव को प्रभावित करते हैं। इसके बारे में भी कुछ नियम बनाये जा सकते हैं क्या कोई ऐसा आदर्श समय आ सकता है या लाया जा सकता है और क्या चुनाव आयोग इसमें कोई भूमिका अदा कर सकता है। जिस जाति की बहुलता हो उस जाती का प्रत्याशी वहां से ना बन सके। डॉक्टर हरि सिंह गौर ने एक सुझाव दिया था जो बहुत ही माकूल है। उन्होंने कहा था कि जीतने वाले प्रत्याशी के लिए जब तक एक निश्चित मात्रा में दूसरे धर्म वाले के वोट न मिले तब तक जीता न माना जाय।

## 97 करोड़ लोग चुनेंगे सरकार

लोकसभा चुनाव की तारीखें शनिवार को घोषित हो गई। देश भर में सात चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा तो अंतिम चरण का मतदान एक जून को होगा। मतगणना चार मई को होगी। तेलंगाना में 13 मई को वोटिंग है। इस बार के लोकसभा चुनाव में क़रीब 97 करोड़ लोग वोटिंग करेंगे। इस बार 18 से 29 साल तक की उम्र के तक़रीबन दो करोड़ नए वोटर्स जुड़े हैं। 1951-52 में जब आज़ाद भारत की पहली लोकसभा के चुनाव हुए, तब देश की आबादी कुल 36 करोड़ ही थी। वोटर्स तो मात्र 17.3 करोड़ थे। तब वोट करने की न्यूनतम उम्र 21 साल थी। फ़िलहाल अब न्यूनतम उम्र 18 साल है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल में वोट देने की उम्र 21 से घटाकर 18 साल की गई थी। पहले चुनाव में लोकसभा में 489 सीटें हुआ करती थीं। अब 543 सीटें हैं। लोकसभा के पहले दो चुनावों में कोई आदर्श आचार संहिता नहीं लगाई गई थी। तब नेता- राजनेता नैतिक मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति काफ़ी वसूल पसंद माने जाते थे। वे आज के नेताओं की तरह उकसाने वाले भाषण नहीं देते थे। वे आज के नेताओं की तरह आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली बातों के बजाय भद्रलोक की भाषा बोलते थे। समय बीतने के साथ ही ज़रूरत के अनुसार कुछ राजनीतिक दलों ने 1962 में खुद ही एक आदर्श आचार संहिता बनाई और चुनाव आयोग से कहा था कि आप इसका पालन करवाइए। आज के नेता तो चाहते ही नहीं कि कोई आचार संहिता हो या बननी चाहिए। वे तो खुले मन से हर वक्त घोषणाओं के तीर चलाने को ही भाषण मान बैठे हैं। बहरहाल, समय बीतने के साथ ही चुनावों में कई तरह के विकार भी आए। नतीजतन, चुनाव प्रक्रिया में कई तरह के सुधार भी किए गए। पहले पर्चियों के ज़रिए वोट डाले जाते थे और उन्हें गिनने में काफ़ी समय लग जाया करता था। अब तो ईवीएम के बटन दबाने होते हैं। इसकी गिनती भी एक ही दिन में ख़त्म हो जाती है। बुज़ुर्ग मतदाताओं को घर बैठे वोट करने की सहूलियत दी जा रही है। अब वोटों की गिनती इतनी आसान हो गई है कि मतगणना के दिन दोपहर तक ही स्थिति साफ़ हो जाया करती है। गिनती शुरू होने के चार- पाँच घंटों के भीतर ही पता चल जाता है कि कौन सा राजनीतिक दल कितने पानी में है। किसकी सरकार बनेगी और किसका डिब्बा गोल होने वाला है! बीते सप्ताह देर से ही सही, चुनाव आयोग में आयुक्तों के दो ख़ाली पद भर लिए गए हैं। 15 मार्च को दोनों नए चुनाव आयुक्तों ने अपना पद संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के एक दिन बाद ही चुनाव की तारीख़ों ऐलान भी कर दिया गया है। इसी दिन से देशभर में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो चुकी है। जहां तक राजनीतिक दलों की तैयारियों का सवाल है, भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अब तक अपने- अपने प्रत्याशियों की दो- दो सूचियाँ जारी कर चुकी हैं। प्रत्याशियों की घोषणा में अब तक तो भाजपा सबसे आगे चल रही है। उसने ढाई सौ से ज़्यादा प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं जबकि कांग्रेस के घोषित प्रत्याशियों की संख्या सौ के भीतर ही है। गठबंधन को लेकर दोनों ही दलों में असमंजस की स्थिति देखने को मिल रही है। बहरहाल, सभी राजनीतिक दल तालमेल बिठाने में दिनरात एक किए हुए हैं। इन्हें पता है कि यदि इस बार चूके तो हर गंगे ही है।

## होली के साथ होलाष्टक भी



डॉक्टर जय महलवाल

हमारा भारतवर्ष एक बहुत विशाल देश है। यहां पर विभिन्न धर्मो के लोग रहते हैं इसलिए त्योहार भी अलग-अलग तरीके से मनाए जाते हैं। सब धर्म के लोग अपने-अपने त्योहारों को बहुत उत्साहपूर्वक मनाते हैं। हर महीने हमारे भारतवर्ष में कोई ना कोई त्यौहार किसी न किसी धर्म का चला ही रहता है। हिंदू धर्म में होली का त्यौहार भी एक विशेष महत्व रखता है। बुरा ना मानो होली है इसी डायलॉग के साथ लोग एक दूसरे को रंग लगाने से नहीं हिचकते हैं। सबको पता है की होली का त्यौहार है तो रंग तो लगेंगे ही, इसलिए सब लोग इस त्यौहार को बहुत ही आनंदपूर्वक मनाते हैं। होली के दिन छोटे से छोटे बच्चों से लेकर नौजवान और बूढ़ों तक में उत्साह देखा जा सकता है। जहां एक और छोटे-छोटे बच्चे पिचकरिया लेकर और गुब्बारे में पानी भरकर एक दूसरे के ऊपर रंग फेंकते हैं वहीं दूसरी ओर व्यस्त एक दूसरे के चेहरों को रंग और गुलाल से लाल पीला कर देते हैं। इस बार होली के त्यौहार के साथ-साथ होलाष्टक के 8 दिन भी आ रहे हैं। यह होलाष्टक 17 मार्च से 24 मार्च तक रहेगा। होलाष्टक को एक दुखद समृद्धि के रूप में याद किया जाता है इसके पीछे एक पौराणिक कहानी है कि जब हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद को विष्णु की पूजा करने हेतु होली से 8 दिन पहले तक बहुत ही कष्ट पूर्व की यातनाएं दी थी। उन्हें आठ दिनों को होलाष्टक के रूप में मनाया जाता है। अक्सर ये माना गया है कि इन आठ दिनों में सारे शुभ कार्य वर्जित होते हैं,परंतु एक धारणा और भी साथ में है कि इन दिनों में अगर सच्चे मन से ईश्वर की आराधना की जाए तो यह दिन बहुत ही फल दायक सिद्ध होते हैं। क्योंकि इन आठ दिनों में प्रहलाद को हिरण्यकश्यप ने कठोर दंड दिए थे, इस कारण अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य ,दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु या बृहस्पति, त्रयोदशी को बुद्ध, चतुर्दशी को मंगल एवं पूर्णिमा वाले दिन राहु अपने उग्र से उग्रतम रूप में होते हैं। होलाष्टक के शुरू होने के साथ ही प्रथम दिन किसी चौराहे पर होलिका दहन के लिए दो बड़े-बड़े डंडे गढ़ दिए जाते हैं जिसको कि लोग होलिका और प्रहलाद का प्रतीक मानते हैं। क्योंकि प्रहलाद विष्णु भक्त था और वह विष्णु की बहुत अधिक भक्ति करता था इसी कारण हिरण्यकश्यप ने नाराज होकर उसको कठोरतम दंड दिए थे। फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी वाले दिन सबसे पहले प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ की छोटी से नीचे फिंकवा दिया गया था लेकिन प्रहलाद का बाल भी बांका नहीं हुआ था। लगातार आठ दिनों तक प्रहलाद को कठोर से कठोर दंड दिए गए। उसको गर्म तेल के बहुत बड़े कहे में डाल दिया गया तो कभी उसको हाथी के पैरों से कुचलवाया गया। जब हिरण्यकश्यप ने देखा कि प्रहलाद को इतनी यात्राएं देने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा है तो उसने थक हार कर नौवे दिन अपनी बहन होलिका की गोद में प्रहलाद को बिठाकर जिंदा जलाने की कोशिश की। क्योंकि होलिका को वरदान प्राप्त था कि उसे आग जला नहीं सकती है, परंतु वह अग्नि में जलकर खुद तो भस्म हो गई और प्रहलाद को कोई आंच नहीं आने दी। इन दिनों में ग्रहों के अपने उग्र रूप होने के कारण ही लोग शुभ कार्य नहीं करते हैं क्योंकि इसे अशुभ फल मिलने के आसार रहते हैं। होलाष्टक की और भी पौराणिक कहानियां और कथाएं प्रचलित हैं जिनमें से एक कथा यह भी है कि इन आठ दिनों में श्री कृष्ण ने अपनी गोपियों के संग होली खेली थी। एक अन्य कथा के अनुसार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी को जब तीनों लोगों के स्वामी भगवान भोलेनाथ अपनी समाधि में बैठे हुए थे, तो उनकी समाधि को भंग करने के लिए कामदेव ने भगवान शिव पर पुष्प वनों का प्रहार किया था।

## क्षेत्रीयता बनाम राष्ट्रीयता के राजनैतिक द्वंद्व की हकीक़त



डॉ. चक्रपाल सिंह

भारतीय राजनीति के इतिहास में क्षेत्रीयता बनाम राष्ट्रीयता का द्वंद्व बहुत पुराना है। परन्तु, जब जब केन्द्रीय सत्ता के लिए चुनाव नजदीक आते हैं, यह विमर्श कर्कश बहसों में बदल जाता है। अतः जरूरी हो जाता है कि इन दोनों राजनैतिक शब्दों के द्वंद्वों की ज़मीनी हकीक़त को व्यवहारिक धरातल पर समझने का प्रयास किया जाय। यहाँ प्रश्न उठता है कि आखिर क्षेत्रीयता बनाम राष्ट्रीयता का द्वंद्व है ही क्यों ? क्या सचमुच क्षेत्रीयता और राष्ट्रीयता के बीच किसी सेतु की आवश्यकता है या फिर इस द्वंद्व के नेपथ्य में भी निर्बाध सत्ता की संकीर्णता निहित है। इसमें विरोधाभास कहाँ है? यदि है, तो ये जानना भी जरूरी है कि इसे कौन से तत्व संकीर्ण और भ्रष्ट बनाते हैं? जहाँ तक क्षेत्रीय दल एवं उनके नेताओं की क्षेत्रीयता (क्षेत्र व राज्य ) का प्रश्न है, कहने की जरूरत नहीं कि इन्होंने क्षेत्रीय विषमताओं से जुड़कर उन्हें निरंतर प्रकाश में लाने का काम बखूबी निभाया है। एकल पार्टी आधारित पुरानी भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर किया है। एकल पार्टी सत्ता की आँखों से ओझल उन तमाम महत्वपूर्ण लेकिन उपेक्षित मुद्दों एवं प्रश्नों को उठाया है, जो लोगों की जिंदगी को दुष्कर बनाए हुए थे। देखा जाए तो इन समस्याओं को प्राथमिकता देना तथा इनके हल के लिए एकजुट होना क्षेत्रीय होते हुए भी राष्ट्र के समस्त उन्नयन का एक तरीका ही है, जिसे क्षेत्रीय कहकर नकारा नहीं जा सकता है। इसका ज्वलंत उदाहरण देखना है, तो वर्त्तमान भारतीय राजनैतिक परिदृश्य पर आपको अपनी पैनी नजर गढ़ानी होगी । यहाँ बिहार राज्य के ताजा घटानक्रम को ही लेते हैं। विश्व की सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी अर्थात भाजपा को भी अपनी राजनैतिक सत्ता के स्थायित्व के लिए किसी भी कीमत पर क्षेत्रीय पार्टियों का दामन थामने के लिए विवश होना पड़ा है। या फिर साम , दाम, दंड, भेद के द्वारा क्षेत्रीयता को राष्ट्रीयता की गोद में खेलने के लिए विवश किया जा रहा है। आज राजनैतिक धींगा मुश्ती के इस दौर में क्षेत्रीय या फिर राष्ट्रीय पार्टी में यह तय कर पाना बहुत ही दुष्कर हो चुका है कि कौन कब किसका हिस्सा बन जाए। अब यहाँ सवाल उठता है कि क्षेत्रीय दलों को क्यों रोका जाना चाहिए? आखिर क्षेत्रीय भावनाओं को प्रकट करने, उनकी समस्याओं को राष्ट्रीय मंच तक ले जाने के लिये कोई सक्षम वाहक तो होना ही चाहिए। ये दल भी एक निश्चित आर्थिक एवं भौगोलिक ढांचे में रहने वाले समाज, क्षेत्र एवं प्रदेश के लोगों की तमाम कठिनाई एवं समस्याओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वाभाविक सी बात है कि इस स्थिति में राष्ट्रीय भावना, क्षेत्रीय भावनाओं को स्वर देकर ही जीवित रखी जा सकती है। क्योंकि तमाम क्षेत्र मिलकर ही राष्ट्र का निर्माण करते हैं। इनकी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, कृषिक इत्यादि समस्याएं ही मिलकर राष्ट्रीय समस्याओं का निर्माण करती हैं। इस दिशा में क्षेत्रीय दलों को मिली आंशिक सफलता ही इन्हें राष्ट्रीयता से जोड़ती है। क्षेत्रीय होकर भी राष्ट्रीय हुआ जा सकता है और होता भी है। ऐसा इसलिए कि कोई भी सांसद सर्वप्रथम अपने क्षेत्र का ही प्रतिनिधित्व करता है। यही विभिन्न क्षेत्रों के सांसद मिलकर बहुमत के आधार पर सरकार बनाते हैं। स्वाभाविक है यही प्रक्रिया क्षेत्रीय दलों द्वारा सरकार बनाने की स्थिति में लागू होती है। जब बहुमत के बिना क्षेत्रीय दल सरकार बना ही नहीं सकते, तो इनकी बहुमत वाली सरकार क्षेत्रीय कैसे हो सकती है? किसी एक क्षेत्र के सांसदों द्वारा संसद में बहुमत अर्जित तो किया नहीं जा सकता है। आखिर एक सांसद से लेकर प्रधानमंत्री तक अपने अपने क्षेत्र विशेष का ही प्रतिनिधत्व करते हैं। ऐसा क्षेत्रीय अथवा राष्ट्रीय पार्टी की सरकार की दोनों ही स्थितियों में अनिवार्य रूप से होता है। इस स्थिति में क्षेत्रीयता व राष्ट्रीयता में अंतर क्या रहता है। इस तरह क्षेत्रीय दल क्षेत्रीय होते हुए भी बड़ी दृष्टि के साथ राष्ट्रीय चरित्र के हो सकते हैं। इन दलों का सम्मिलित समूह या प्रतिनिधित्व ही राष्ट्रीय दृष्टि बनाता है। निश्चित है कि यह राष्ट्रीय दृष्टि किसी भी राष्ट्रीय पार्टी की राष्ट्रीय दृष्टि से अधिक व्यापक,घनीभूत, दूरगामी तथा यथार्थ परक होगी। क्षेत्रीय दलों के बारे में अक्सर तर्क दिया जाता है कि इनमें राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी, जवाबदेही, ईमानदारी एवं प्रतिबद्धता का अभाव होता है। क्षेत्रीय दायरे में सोचना ,राष्ट्रीय स्तर पर असंगठित होना, वैचारिक मतभिन्नता, व्यक्तिगत राजनैतिक महत्वकांक्षाओं की खातिर टकराव तथा राष्ट्रीय सत्ता को आपसी कलह में बार बार, हरबार गंवाना इसका मूल चरित्र है, जो इनके भविष्य पर स्वयं प्रश्न चिन्ह लगाता है। इनकी राष्ट्रीय प्रासंगिकता को संदिग्ध बनाता है। जिसे राष्ट्रीय हित में नहीं कह सकते हैं। यहाँ ज़मीनी हकीकत को नज़रअन्दाज़ करना बौद्धिक बेईमानी होगी। जहाँ तक क्षेत्रीय दलों के बार बार जुड़ने, जुड़ कर फिर बिखरने का प्रश्न है, तो यह भारतीय राजनीति की राजनीतिक अप-संस्कृति का आधुनिक सिद्धांत बन चुका है। बल्कि दुखद स्थिति तो यह है कि राजनैतिक दलों के नेताओं की राजनैतिक, विचारगत, दलगत एवं सामाजिक प्रतिबद्धता एवं निष्ठा ही संदिग्ध हो चुकी है। तक्षक के वंशजों को अपनी केंचुल उतारने में समय लगता है, लेकिन आज राजनीतिज्ञ बिना किसी मान-मर्यादा, लाज-हया के पूरी बेशर्मी से अपनी केंचुल उतारने में पल भर का समय नहीं लगाते हैं। इस बीमारी से कोई भी दल अछूता नहीं है। यही वजह है कि राष्ट्रीय दल इस यथार्थ को नकारने की जितनी भी कोशिश करते हैं, उतने ही दबे पांव इसके नजदीक आने की भी कोशिश करते हैं। वर्तमान राजनीतिक घटनाएं इस हकीकत की प्रत्यक्ष गवाह हैं कि कोई भी कथित क्षेत्रीय दल कथित राष्ट्रीय दलों की अखंडित झोली में आसानी से (जब तक उस पर व्यवस्थागत अथवा राजनैतिक दवाब न हो ) गिरने को तैयार नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय दल ही तमाम वैचारिक और सैद्धांतिक अंतर्विरोधों के बावजूद प्रिय अप्रिय समझौतों, घोषित-अघोषित केंद्रीकृत एजेंडॉ को ठंडे बस्ते में बंद कर गठबंधन करने को मजबूर हैं।

क्षेत्रीयता के राष्ट्रीयता में बदलने का यही सबसे बड़ा सबूत है। शुद्धता एवं विशिष्टता तथा सामाजिक व आर्थिक कारणों के चलते राष्ट्रीय दल क्षेत्रीय दलों के बहुलतावाद को स्वीकार करने में न केवल संकोच करते हैं बल्कि खुलकर साथ लेकर चलने में अपने आपको असहज महसूस करते हैं। हकीक़त को छुपाने के लिए कही ये राजनीतिक स्थायित्व की आड़ लेते हैं, तो कहीं धार्मिक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की। यहाँ ये इस तथ्य को नकारने की जानबूझकर कोशिश करते हैं कि अनेकता में एकता ही हमारी राष्ट्रीय पहचान तथा सांस्कृतिक धरोहर है।

## सुनो ! बेंगलुरु की पुकार : जल बिना जीवन है बेकार



देवाशीष प्रसून

एक महानगर केवल लोगों का जमघट नहीं होता। न ही यह केवल व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधुनिकता के समस्त सूचकों का ही कोरा प्रदर्शन होता है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि एक महानगर समग्र राष्ट्र के सामूहिक स्वप्नों और आकांक्षाओं के एक प्रत्यक्ष उद्गार के रूप में धीरे-धीरे पनपता है और समय के साथ विशालकाय होता जाता है। महानगरों का विस्तार जितना ऐश्वर्यों में होता है, उतनी ही उससे यह आशा होती है कि यह अपने रहवासियों के जीवन को सुगम, सहज, सरल, सानंद और संतुष्ठ रखेगी। ऐसा ही एक महानगर है – बेंगलुरु – कर्नाटक की राजधानी; दक्षिण भारत की सबसे बड़ी व पूरे देश की तीसरी सबसे बड़ी आबादी वाला महानगर। इसकी धड़कनों में 1 करोड़ से अधिक जीते-जागते लोगों के सीने की धक-धक शामिल है। धन, संपदा और वैभव की कहीं कोई कमी नहीं है बेंगलुरु में। व्यापारिक, व्यावसायिक व रिहायशी अट्टालिकाएं है और भांति-भांति के बाज़ारों व उद्यानों का सजा हुआ यह महानगर।

सड़कों व सेतुओं के घने संजाल से भलि-भांति गुथे हुए हैं इसके मार्ग। आधुनिक परिवहनों की सहज उजलब्धता से लैश बेंगलुरु वैश्विक व्यावसायिक संपर्कों व संबंधों का सघन तानाबाना संभाले हुए है और अर्वाचीन प्रौद्योगिकी का समस्त वैभव का केंद्र में रहते हुए भी आजकल अकालग्रस्त जीवन जीने को अभिशप्त है। दुनिया की समस्त भौतिकताएं भी प्यास से बिलबिलाए इस महानगर को श्रीहीन बनाने से नहीं बचा पा रही हैं। देश के कई इलाकों की ही तरह, बेंगलुरु में साल दर साल बारिश में औसतन कमी दर्ज होती रही है। इसका सर्वविदित कारण है जंगलों का दायरा सीमित होना। जानते सब हैं, पर इसे रोकने के लिए करता कोई कुछ भी नहीं। यों ही, जानते बूझते जंगल कटते गए, बारिशें कम होती गईं। पिछली मानसून में बारिशें बेहद ही कम हुईं और अब आने वाली बारिशों में कम से कम 3 माह का और इंतज़ार है। पता नहीं जो आने वाली है, वह आएगी भी या नहीं, अगर आएगी तो धरा का प्यास बुझा पाएगी या नहीं? मनुष्यों ने प्रकृति के साथ खिलवाड़ में अपने लिए यही भवितव्य रचा है। भू-जल के नवीकरण के समस्त उपायों पर सीमेंट का जाल बिछा दिया गया है और बादलों की आकर्षित करने वाले जंगल क्रमशः ध्वस्त होते जा रहे हैं। ...और इस पर यह बेशर्म तर्क कि बारिश न हो तो हम क्या करें, यह तो प्राकृतिक आपदा है, जिसे हमें झेलना ही होगा। धरती का पानी सूख गया है और बेंगुलुरु की नज़दीकी नदियां अर्कावती और वृषभावती में जल नहीं है, विकास की अंधी दौड़ का नतीजा है कि ये नदियां आज की तारीख़ में इस महानगर का कचड़ा ढ़ोने को विवश है। कावेरी दूर है, पर वही है जिससे अब भी बेंगलुरु की सूखी हलक में थोड़ी-सी नमी बची हुई है। लेकिन कब तक? पेय जल का संकट ऐसा विकट है कि बेंगलुरु के कई इलाकों में हर रोज नहीं, अपितु एक दिन बीच करके ही जल की आपूर्ति हो पा रही है। महानगर में जल के असंयमी उपयोगों को अवैध घोषित किया जा चुका है, ताकि जल की बर्बादी को रोका जा सके। बेंगलुरु के जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड की मानें तो महानगर को सामान्य तौर पर प्रतिदिन 210 करोड़ लीटर जल की आवश्यकता पड़ती है, जिसमें केवल 145 करोड़ लीटर प्रतिदिन की ही आपूर्ति कावेरी से हो पा रही है। नगर निकाय इसे प्राकृतिक आपदा मानता है, जबकि यह असल में दीर्घकालिक तौर पर जल निकायों के कुप्रबंधन की ही निष्पत्ति है। कहा जाता है कि 1961 तक इस महानगर में 262 झीलें थीं, जो अब घटकर अब 81 बची है। भू-माफियाओं और सरकारी गठजोड़ ने रिअल स्टेट के धंधे को बढ़ाने के चक्कर में झीलों को एक-एक करके भर दिया और उन पर अट्टालिकाएं बना ली गईं। सरकारी नीतियां विकास और उन्नति के नाम पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता पानी की उपलब्धता के प्रश्न को ही एक सिरे से भूल गई, जिसकी विकराल और भयंकर परिणति अकाल रूपी दानव रूप बिल्कुल सामने खड़ा हो उठा है। और तो और, हालात बद से बदतर होती जा रही हैं, क्योंकि जो झीलें बची हुई है, वह भी सूखने की कग़ार पर हैं। जिस तरह से आधुनिकता के नाम पर सीमेंट के जंगल घनीभूत हो रहे हैं, नदियां नालियां बना दी जा रही हैं और भूमिगत जल पर नवीकरण के सभी उपायों को समाप्त कर दिया जा रहा है, वह दिन दूर नहीं है कि पूरी मानव-जाति भले ही आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी अकाल के चपेट में आकर हाहाकार करेगी। क्या यह ज़रूरी नहीं है कि हम अब भी चेत जाएं। हाल फिलहाल ही, मानव-जाति को दक्षिण अफ्रीक के केप टाऊन के उदाहरण ने आगाह किया था।

## पढ़े-लिखे अंधविश्वासी



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जब विश्वास से श्वास दूर भागने लगे तब मंगल ग्रह पर जीवन तलाशने की बात सरासर बेईमानी होती है। कल तक जो विज्ञान के बल पर दुनिया को मुट्ठी में करने चले थे वहीं दुनिया की मुट्ठी से मुक्त होते होते रह गए। जिस देश में ताली ताली बजाकर करोना वायरस भगाने वाले नेता हों, जहाँ के वैज्ञानिक अंतरिक्ष में रॉकेट भेजने से पहले उसे प्रभु के चरणों में रखते हों, जहाँ के प्रोफेसर सड़क पर फेंके हुए नींबू-मिर्ची-कुमकुम-हल्दी से डरकर दूर भागते हों, जहाँ के डॉक्टर आकाश के नक्षत्रों को देखकर जन्मे शिशु का नाम रखते हों, जहाँ के अभिनेता अपने नाम की स्पेलिंग बदलकर सिनेमा हिट होने की कामना करते हों, ऐसे देश में क्षुद्र हत्याएं नहीं तो नए आविष्कार होंगे? नरबलि न होगी तो क्या नोबेल पुरस्कार मिलेंगे?कहने को हम 21वीं सदी में हैं लेकिन अंधविश्वास बाबा आदम के जमाने का है। शरीर चाहे किसी भी युग का हो यदि मन लकीर का फकीर बन अंधविश्वासों में सुस्ताता है तो पाषाण और आधुनिक युग में वही अंतर है जो नागनाथ और सांप नाथ में है।चिंतन मनुष्य और पशु के समान है जिसे नहीं पता कि उसका जन्म क्यों हुआ? खाओ खुजाओ बत्ती बुझाओ वाली जिंदगी जल्दी से यहां जाओ कहने पर मजबूर कर देती है। विज्ञान विषय की बदकिस्मती देखिए वह अंक प्राप्त करने और ऊंची-ऊंची नौकरी प्राप्त करने का खिलौना बन कर रह गया है। देश में विज्ञान के अध्ययनकर्ता भी अंधविश्वास की पिपड़ी बजाते हुए दिखाई देते हैं।

पढ़े लिखे लोग भी अंधविश्वास के चलते अपनी संतान तक की नरबलि देने से पीछे नहीं हटते।जो शिक्षा तर्क करना नहीं सिखाती वह कागज के टुकड़े से ज्यादा कुछ नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था तर्क करने, सोचने समझने वालों को नहीं तो तोतों को तैयार कर रही है जो सारा जीवन रटी हुई चीज की उल्टी करने में बिता देते हैं। तर्कहीन शिक्षा की डिग्री वाला रद्दी कागज पशुओं की तरह जीने के लिए नौकरी तो दिला सकता है लेकिन मनुष्य नहीं बना सकता। पुष्पक विमान को पहला वायुयान, सीता को टेस्ट ट्यूब बेबी, गणेश को पहला प्लास्टिक सर्जरी का प्रयोग बताने वाली बातें खुद प्रधानमंत्री से मंत्री और सामान्य नेता तक कहते हों, वहां विज्ञान की बात करना सरासर बेईमानी होगी। आजादी से पहले और बाद में केवल शासकों की चमड़ी बदली है सोच तो वही की वही है। साम्राज्यवाद निजी कंपनियों का उद्धार, पूंजीपतियों का तो भला कर सकता है लेकिन समाज के दबे-कुचले लोगों को भुखमरी, बेरोजगारी, महंगाई, कृषक आत्महत्याओं से नहीं उबार सकता। जब पूंजी मुट्ठी भर लोगों में कैद हो तो गरीबी रेखा का तांडव करना सहज बन पड़ता है।

# भगवान शिव को मोहित करने में कामदेव भी नहीं हो पाए थे कामयाब

**कामदेव ने किए प्रयास**

कामदेव ने सभी प्राणियों को मोहित करने के लिए अपना प्रभाव फैलाया, जिसमें बसंत ने भी उनका पूरा साथ दिया। कामदेव ने रति के साथ मिलकर भगवान शिव को मोहित करने के लिए अनेक प्रयास किए, जिसके कारण संसार के सभी जीव और प्राणी मोहित हो गए। काम के वश में सारी सृष्टि अपनी मर्यादा भूल गई। संयम का व्रत पालन करने वाले ऋषि मुनि अपने कृत्यों पर पश्चाताप करते हुए आश्चर्यचकित थे कि उन्होंने अपना व्रत कैसे तोड़ दिया, लेकिन भगवान शिव पर कामदेव के प्रयासों का कोई भी असर नहीं हुआ। कामदेव की सारी कोशिश बेकार साबित हुई। कामदेव निराश होकर ब्रह्माजी के पास पहुंचे और बोले कि हे भगवान मैं इतना शक्तिशाली नहीं हूं जो शिव को मोहित कर सकूं।

**कामदेव को ब्रह्मा जी ने सौंपे मार गण**

कामदेव की निराशाजनक बातों को सुनकर ब्रह्माजी भी चिंता में डूब गए। उसी समय ब्रह्माजी के सांस लेने से बहुत से भयंकर गण प्रकट हो गए। जो अनेक वाद्य-यंत्रों को जोर-जोर से बजाने लगे और मारो-मारो की आवाज करने लगे। यह सब होते देख कामदेव ने ब्रह्मा जी से उनके बारे में पूछा, तब ब्रह्माजी ने उन गणों को मार नाम देकर कामदेव को सौंप दिया और बोले कि यह सदा तुम्हारे वश में रहेंगे। तुम्हारी मदद के लिए ही इनका जन्म हुआ है।

ब्रह्मा जी से मारगणों को प्राप्त कर और उनकी बात सुन रति और कामदेव बहुत ही खुश हुए। जिसके बाद कामदेव ने ब्रह्माजी से कहा कि मैं आपकी आज्ञा के अनुसार दोबारा शिवजी को मोहित करने के लिए जाऊंगा लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं उन्हें मोहित करने में सफल हो पाऊंगा। इसके अलावा मुझे इस बात का डर भी है कि कहीं आपके श्राप के अनुसार वह मुझे भस्म न कर दें। यह कहकर कामदेव रति, बसंत और मारगणों के साथ शिवधाम को चल दिए। शिवधाम पहुंचकर उन्होंने भगवान शिव को मोहित करने की फिर से कोशिश की लेकिन वह इस बार भी सफल नहीं हो पाए। वहां से वापस आकर कामदेव ने ब्रह्मा जी को अपने असफल होने की सूचना दी और कहा कि भगवान शिव को मोह में डालना मेरे वश में नहीं हो आप ही कोई उपाय करें।

# आपके बिजनेस में बरसेगा पैसा ही पैसा

## एक बार इन वास्तु उपायों को आजमाकर तो देखें

बिजनेस करने वाले लोग हमेशा अपने बिजनेस को बढ़ाने और प्रॉफिट कमाने के अलग-अलग तरीके तलाशते रहते हैं लेकिन कभी-कभी हर एक स्ट्रैटजी अपनाने के बाद भी उन्हें बिजनेस में फायदा नहीं मिल पाता है। ऐसे में उन्हें हमेशा लगता है कि उनसे जरूर कोई न कोई गलती हो रही है, इसलिए उनका कारोबार फल-फूल नहीं रहा है। इस वजह से वो अक्सर परेशान रहने लग जाते हैं लेकिन बिजनेस वास्तुशास्त्र का भी बहुत बड़ा रोल होता है।

**इन दिशाओं में बनाएं अपना ऑफिस**

ऑफिस के लिए सबसे अच्छी दिशाएं उत्तर, उत्तर पूर्व और दक्षिण पश्चिम होती है। इन दिशाओं में ऑफिस का मुख्य दरवाजा बनाने से आपके बिजनेस की तरक्की होती है। इससे आपके उन्नति, सुख-शांति के साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इससे ऊर्जा से लोग आपके बिजनेस की तरफ खींचे चले आते हैं और आपको काफी अच्छी डील्स भी मिलने लगती हैं।

**इस दिशा में होना चाहिए आपका अकाउंट सेक्शन**

आपका बिजनेस बड़ा हो या छोटा लेकिन

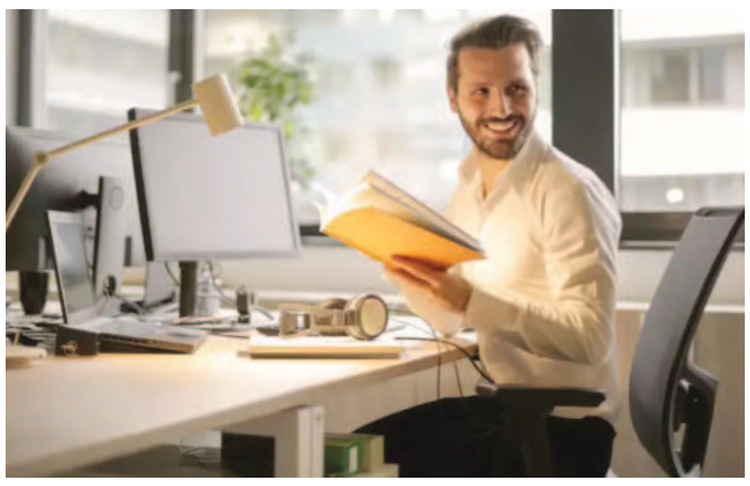

आपको हमेशा अकाउंट सेक्शन का खास ख्याल रखा चाहिए। आप जिस जगह पर कंपनी के बिल्स, बिलिंग रजिस्टर जैसी चीजें रखते हैं। वहां पर भी आपको साफ-सफाई रखनी चाहिए। यहां भूलकर भी दीमक, चूहे या धूल-मिट्टी वाली चीजें नहीं होनी चाहिए।

**वर्क स्टेशन को मैनेंज करके रखें**

आपको वर्क स्टेशन को भी साफ रखना चाहिए। अगर आपके वर्क स्टेशन पर हमेशा ही कागज के टुकड़े पड़े रहते हैं, तो आपके कारोबार का हाल भी बिखरा-बिखरा रह सकता है। अपने वर्क स्टेशन को हमेशा साफ रखें और कभी भी चीजों को वर्क स्टेशन पर फैलाकर न रखें। अपनी कंपनी के लोगों से कहें कि वो हमेशा अपने वर्क स्टेशन को साफ रखें।

**रिस्पेशन को क्रिएटिव तरीके से डेकोरेट करें**

आपको लगता है कि रिस्पेशन पर ध्यान देने की ज्यादा जरुरत नहीं है, तो आप गलत सोचते हैं। असल में वास्तुशास्त्र में रिस्पेशन को मुख्य द्वार की तरह माना जाता है इसलिए इसका ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। आप रिस्पेशन पर यहां आने वाले लोगों से मिलते हैं, इसलिए यह जगह बहुत ही खास होती है। रिस्पेशन बनाने के लिए पूर्व और उत्तरपूर्व दिशा को सबसे अच्छा माना जाता है। आपको रिस्पेशन से पुराने सामान को हटाकर यहां चमकदार और साफ चीजों को रखा चाहिए। खासतौर पर यहां पर रोशनी का ध्यान जरूर रखें। इस जगह पर बिल्कुल भी अंधेरा नहीं होना चाहिए।

**ऑफिस को बैलेंस करने के लिए रखें ये चीजें**

अपने ऑफिस में वास्तुदोष को दूर करने के लिए आपको कुछ ऐसी चीजों को ऑफिस में रखना चाहिए, जिससे कि पॉजिटिव एनर्जी आपके ऑफिस में आए। आप अपने ऑफिस में क्रिस्टल, यंत्र, फैंसी लाइट्स, इनडोर प्लांट्स जरूर रखें। आपके ऑफिस में कभी भी अंधेरा नहीं होना चाहिए।

# पिता-पुत्र में मतभेद, तो पूर्व दिशा में है वास्तुदोष

पूर्व दिशा का स्वामी सूर्य है इसलिए इस दिशा में वास्तु दोष होन पर पिता-पुत्र की आपस में नहीं बनती। पुत्र-पिता की आज्ञा का पालन नहीं करता। संतान की उन्नति में भी रुकावट आती है, संतान का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।

शनि पश्चिम दिशा का स्वामी है। इस दिशा में दोष होन पर घर में चोरी होने की सम्भावना बढ़ जाती है, इस दिशा में कोई भी मशीन रखने पर उसमें कोई न कोई खराबी आती रहती है। घर के नौकर कभी ठीक से काम नहीं करते हैं।

उत्तर दिशा का स्वामी बुध होता है, इस दिशा में वास्तुदोष होने पर बुद्धि भ्रमित हो जाती है तथा घर के सदस्यों में अधिक झगड़े होते हैं, आमदनी से अधिक खर्च होता है।

दक्षिण दिशा का स्वामी मंगल है, दक्षिण दिशा में दोष होता है तो कानूनी विवादों से हमेशा परेशान रहते हैं, सुख में कमी आती है, बिजनेस यदि पार्टनरशिप में है तो पार्टनर से मन-मुटाव होने लगता है।

ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व कोने का स्वामी गुरू होता है। इस कोने में दोष होने पर घर में पैसों से जुड़ी समस्या बनी रहती है। पूजा में मन नहीं लगता। घर के बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता है।

आग्नेय कोण यानि दक्षिण-पूर्व के वास्तुदोष का प्रभाव घर की स्त्रियों, विशेषकर सास-बहू पर पड़ता है। आग्नेय का वास्तुदोष कराता है सास-बहू में तकरार।

नैऋत्य यानि दक्षिण-पश्चिम दिशा का स्वामी राहु है। इस कोने में दोष होने पर पति-पत्नी में झगड़े ज्यादा होते हैं। घर के सदस्यों का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। बच्चों की आदते खराब होने लगती है। घर में बरकत नहीं रहती है।

वायव्य यानि उत्तर-पश्चिम कोण में वास्तुदोष होने पर चन्द्रमा कमजोर माना जाता है क्योंकि चन्द्र इस दिशा का स्वामी होता है। इस कोने में वास्तुदोष होने पर किसी न किसी कारण से मन हमेशा खिन्न रहता है, संतान के विवाह में देरी होती है। इस कोण में दोष के कारण पड़ोसियों से झगड़ा होता है।

# परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं है, परमात्मा सिद्धांत है

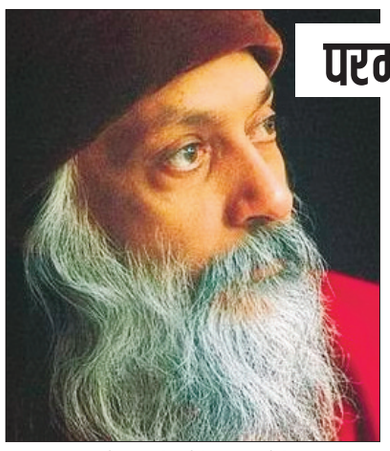

एक अंधी औरत को मैंने तीन पैसे दिए थे। साधु-संत समझा रहे हैं तुम्हें कि यहां दो एक पैसा, वहां मिले एक करोड़ गुना। ब्याज की भी कोई सीमा होती है! चक्रवृद्धि ब्याज भी इतना नहीं होता! लाटरी भी इस तरह नहीं खुलती है! तीन पैसे में तो उसने समझो कि अरबों-खरबों का काम कर लिया है। देवदूत भी जरा हैरान हुआ, इसकी अकड़ भी देखी, कहाः अच्छा, खाता-बही देखते हैं। खाता-बही देखी।

दिए थे तीन पैसे उसने। मारवाड़ी को देख कर उसे भरोसा तो नहीं आया कि इसने दिए होंगे, मगर दिए थे। बड़ी चिंता में पड़ गया। अपने सहयोगी से पूछा कि भई, क्या करना? इसने तीन पैसे दिए हैं जरूर, दान तो किया है। मगर इस आदमी को स्वर्ग में लेना! तीन पैसे के पीछे! तीन पैसे में स्वर्ग खरीद ले! तो बड़ी सस्ती हो गई बात! सहयोगी ने कहा, ऐसा करो, इसको चार पैसे दे दो–ब्याज सहित–और कहो कि नरक जा! उसे चार पैसे दे दिए गए और कहा कि नरक जा। यह तो उसने सुना ही नहीं था, साधु-संतों ने कभी बताया ही नहीं था कि ब्याज सहित लौटा दिया जाएगा और कहा जाएगा नरक जाओ।

साधु-संत असली बातें तो बताते ही नहीं! उतना बताते हैं जितना तुम्हारे हृदय को सांत्वना दे, संतोष दे। तुम्हारे पुण्य अगर तुम्हारे लोभ से ही प्रभावित हैं, लोभ से ही निकले हैं, उनका कोई अर्थ नहीं है, वे तुम्हें नरक ले जाएंगे। और तुम जिस ईश्वर पर विश्वास करते हो–सिर्फ विश्वास–जिसका तुम्हें कोई अनुभव नहीं है जीवंत, जिसकी तुम्हें कोई झलक नहीं मिली है, तुम उसके लिए समर्पित हो भी कैसे सकते हो? मैं तुमसे विश्वास करने को नहीं कहता।

शोभा! अभीप्सा काफी हो सकती है, अगर अंधविश्वास न हो। अगर जिज्ञासा हो, खोज हो, मुमुक्षा हो, अगर सत्य को जान लेने की–सत्य फिर कैसा ही क्यों न हो–जैसा हो वैसा ही जान लेने की निष्पक्ष भाव-दशा हो, तो अभीप्सा काफी है। वही तुम्हें निखार देगी। वही तुम्हें पहुंचा देगी।

परमात्मा शब्द को तुम एक तरफ रख दो तो चलेगा। सत्य से काम चल जाएगा। आत्मा से काम चल जाएगा। परमात्मा शब्द से ही थोड़ी भ्रांति शुरू हो जाती है। परमात्मा से लगता हैः दूर वहां आकाश में बैठा कोई सिंहासन पर सारे संसार को चला रहा है। ऐसा कोई भी नहीं कहीं सिंहासन पर बैठा है। और न कोई ऐसा कहीं बैठा संसार को चला रहा है।

परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं है, परमात्मा सिद्धांत है–जगत की लयबद्धता का सिद्धांत। जगत के भीतर जो सुसंबद्धता है, उसका सिद्धांत। जगत के भीतर जो संगीत है, उसका सिद्धांत।

तुम अपने भीतर थोड़ा संगीत खोजो, अपने बाहर थोड़ा संगीत खोजो, तुम अपने भीतर थोड़ी लय खोजो और बाहर थोड़ी लय खोजो, और जहां भी तुम्हें लय की प्रतीति हो, साक्षात्कार हो, जानना कि परमात्मा के बहुत करीब हो। उसके पैरों की आवाज सुनाई पड़ने लगी।**(क्रमशः)**

# इस तरह का व्यक्ति नहीं रह सकता कभी भी स्वस्थ

सम्राट चंद्रगुप्त तीर्थाटन के लिए काशी जा रहे थे। रात होने पर एक जगह पड़ाव डाला गया। वह आमों के एक बाग में ठहरे। भोजन विश्राम आदि की व्यवस्था की गई। संयोगवश उसी रात चंद्रगुप्त अचानक बीमार हो गए। कुशल वैद्यों के उपचार ने उन्हें स्वस्थ तो कर दिया पर वह इसके बाद चिंता में डूब गए। वह विचार करने लगे कि आखिर वन और उसके आसपास रहने वाले आश्रमवासी तथा गांव के लोग किस तरह रहते होंगे। उनके उपचार के लिए उन्होंने एक वैद्य को उस क्षेत्स में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया।

वैद्य के काफी समय रहने के बाद भी जब कोई वनवासी या गुरुकुल में रहने वाले शिष्य अथवा आचार्य चिकित्सा कराने नहीं आया तो एक दिन वैद्य ने एक आचार्य से कहा, "लगता है मैं यहां व्यर्थ ही रह रहा हूं। यहां के लोग अस्वस्थ नहीं होते अथवा मेरे पास उपचार कराने में संकोच करते हैं।"

आचार्य ने वैद्य की शंका का निवारण करते हुए कहा, "भविष्य में भी शायद ही कोई आपके पास चिकित्सा के लिए आए, क्योंकि यहां का प्रत्येक निवासी श्रम करता है। उसे जब तक भूख परेशान नहीं करती, भोजन नहीं करता। यहां सभी लोग कम खाने वाले हैं। जब कुछ भूख शेष रह जाती है तभी वे खाना बंद कर देते हैं ?" आचार्य ने अपना आशय स्पष्ट करते हुए आगे कहा, "स्वस्थ रहने के लिए परिश्रम करना और पसीना बहाना ही काफी नहीं, बल्कि पवित्र मन भी आवश्यक है। अपवित्र मन वाला व्यक्ति स्वस्थ नहीं रह सकता।" वैद्यराज को वनवासियों के स्वास्थ्य का रहस्य समझ में आ गया।

# पुत्र के वचन सुनकर दशरथ की प्रीति अत्यंत बढ़ गई

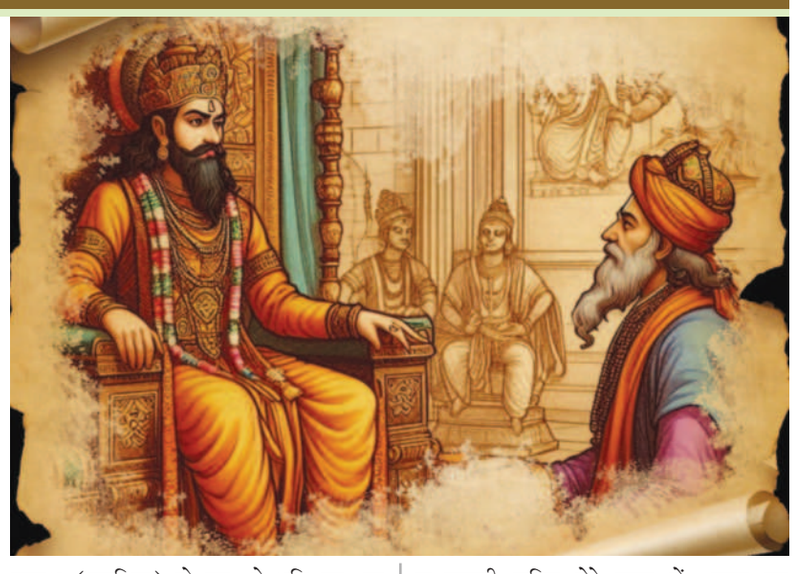

आप दुष्टों का खंडन करने वाले और पृथ्वी के रमणीय आभूषण हैं। आपके चरणकमल श्री शिव-पार्वती द्वारा सेवित हैं। हे राजाओं के महाराज! मुझे यह वरदान दीजिए कि आपके चरणकमलों में सदा मेरा कल्याणदायक (अनन्य) प्रेम हो। इस प्रकार ब्रह्माजी ने अत्यंत प्रेम-पुलकित शरीर से विनती की। शोभा के समुद्र श्रीरामजी के दर्शन करते-करते उनके नेत्र तृप्त ही नहीं होते थे। उसी समय दशरथजी वहां आए। पुत्र (श्रीरामजी) को देखकर उनके नेत्रों में (प्रेमाश्रुओं का) जल छा गया। छोटे भाई लक्ष्मणजी सहित प्रभु ने उनकी वंदना की और तब पिता ने उनको आशीर्वाद दिया। श्रीरामजी ने कहा- हे तात! यह सब आपके पुण्यों का प्रभाव है, जो मैंने अजेय राक्षसराज को जीत लिया। पुत्र के वचन सुनकर उनकी प्रीति अत्यंत बढ़ गई। नेत्रों में जल छा गया और रोमावली खड़ी हो गई। श्री रघुनाथजी ने पहले के (जीवितकाल के) प्रेम को विचारकर, पिता की ओर देखकर ही उन्हें अपने स्वरूप का दृढ़ ज्ञान करा दिया। दशरथजी ने भेद-भक्ति में अपना मन लगाया था, इसी से उन्होंने (कैवल्य) मोक्ष नहीं पाया। मायारहित सच्चिदानंदमय स्वरूपभूत दिव्यगुणयुक्त सगुण स्वरूप की उपासना करने वाले भक्त इस प्रकार मोक्ष लेते भी नहीं। उनको श्रीरामजी अपनी भक्ति देते हैं। प्रभु को (इष्टबुद्धि से) बार-बार प्रणाम करके दशरथजी हर्षित होकर देवलोक को चले गए। छोटे भाई लक्ष्मणजी और जानकीजी सहित परम कुशल प्रभु श्रीकोसलाधीश की शोभा देखकर देवराज इंद्र मन में हर्षित होकर स्तुति करने लगे- शोभा के धाम, शरणागत को विश्राम देने वाले, श्रेष्ठ तरकस, धनुष और बाण धारण किए हुए, प्रबल प्रतापी भुज दंडों वाले श्रीरामचंद्रजी की जय हो!

हे खरदूषण के शत्रु और राक्षसों की सेना के मर्दन करने वाले! आपकी जय हो! हे नाथ! आपने इस दुष्ट को मारा, जिससे सब देवता सनाथ (सुरक्षित) हो गए। हे भूमि का भार हरने वाले! हे अपार श्रेष्ठ महिमावाले! आपकी जय हो। हे रावण के शत्रु! हे कृपालु! आपकी जय हो। आपने राक्षसों को बेहाल (तहस-नहस) कर दिया। लंकापति रावण को अपने बल का बहुत घमंड था। उसने देवता और गंधर्व सभी को अपने वश में कर लिया था और वह मुनि, सिद्ध, मनुष्य, पक्षी और नाग आदि सभी के हठपूर्वक (हाथ धोकर) पीछे पड़ गया था। वह दूसरों से द्रोह करने में तत्पर और अत्यंत दुष्ट था। उस पापी ने वैसा ही फल पाया। अब हे दीनों पर दया करने वाले! हे कमल के समान विशाल नेत्रों वाले! सुनिए। मुझे अत्यंत अभिमान था कि मेरे समान कोई नहीं है, पर अब प्रभु (आप) के चरण कमलों के दर्शन करने से दुःख समूह का देने वाला मेरा वह अभिमान जाता रहा। कोई उन निर्गुन ब्रह्म का ध्यान करते हैं जिन्हें वेद अव्यक्त (निराकार) कहते हैं। परंतु हे रामजी! मुझे तो आपका यह सगुण कोसलराज-स्वरूप ही प्रिय लगता है। श्रीजानकीजी और छोटे भाई लक्ष्मणजी सहित मेरे हृदय में अपना घर बनाइए। हे रमानिवास! मुझे अपना दास समझिए और अपनी भक्ति दीजिए।

हे रमानिवास! हे शरणागत के भय को हरने वाले और उसे सब प्रकार का सुख देने वाले! मुझे अपनी भक्ति दीजिए। हे सुख के धाम! हे अनेकों कामदेवों की छबिवाले रघुकुल के स्वामी श्रीरामचंद्रजी! मैं आपको नमस्कार करता हूँ। हे देवसमूह को आनंद देने वाले, जन्म-मृत्यु, हर्ष-विषाद, सुख-दुःख आदि द्वंद्वों के नाश करने वाले, मनुष्य शरीरधारी, अतुलनीय बलवाले, ब्रह्मा और शिव आदि से सेवनीय, करुणा से कोमल श्रीरामजी! मैं आपको नमस्कार करता हूं। हे कृपालु! अब मेरी ओर कृपा करके (कृपा दृष्टि से) देखकर आज्ञा दीजिए कि मैं क्या (सेवा) करूं! इंद्र के ये प्रिय वचन सुनकर दीनदयालु श्रीरामजी बोले- हे देवराज! सुनो, हमारे वानर-भालू, जिन्हें निशाचरों ने मार डाला है, पृथ्वी पर पड़े हैं। इन्होंने मेरे हित के लिए अपने प्राण त्याग दिए।**(जारी)**

# तृप्ति डिमरी ने बताई सुंदरता की परिभाषा, बोलीं- 'एक आत्मविश्वासी महिला से अधिक सुंदर कुछ नहीं'

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी फिल्म 'एनिमल' के बाद लगातार सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री के हद से ज्यादा बोल्ड लुक में सोशल मीडिया पर खूब लाइमलाइम बटोरी। अगली बार वह कार्तिक आर्यन के साथ 'भूल भुलैया 3' में स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। इससे पहले हाल ही में वह मुंबई में लैक्मे फैशन वीक में शांतनु और निखिल के लिए शोस्टॉपर बनीं। उन्होंने दोनों डिजाइनर के साथ अपने सहयोग पर अनुभन साझा किया है।

तृप्ति डिमरी ने कहा कि इस डिजाइनर जोड़ी के लिए रैंप पर चलना उनके लिए सम्मान की बात थी। उन्होंने इनके साथ काम करने का अपना अनुभव शानदार बताया है। शो के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिमरी ने कहा, 'आत्मविश्वासपूर्ण होना और स्वाभाविक रूप से शक्तिशाली होना खुद में एक सुंदरता है। एक आत्मविश्वासी महिला से अधिक सुंदर और कुछ भी नहीं है और मुझे लगता है कि यह शो इसके लिए हमेशा खड़ा है।'

**ढोल-नगाड़े के साथ पुलकित की दुल्हन कृति का ससुराल में स्वागत**

रैंप वॉक के दौरान तृप्ति काले रंग की ऑफ शॉल्डर टॉप और ग्रेस रंग की स्कर्ट में नजर आईं। उन्होंने हाथों में दस्तानों के साथ अपने लुक को पूरा किया था। बिना ज्वेलरी स्मोकी आंखों के मेकअप के साथ वह बेहद स्टनिंग दिख रही थीं। सोशल मीडिया पर फैंस को तृप्ति डिमरी का ये लेटेस्ट लुक बेहद पसंद आ रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में निखिल मेहरा ने जीवन और काम में टीम वर्क के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे माता-पिता ने हमें एक टीम की तरह पाला है। शांतनु और मैं जब से बच्चे थे, तब से हम एक साथ रहे हैं और यह सब हमारे माता-पिता के कारण है। उन्होंने हमेशा हमें यह समझाया कि आप अपने दम पर कुछ भी नहीं कर सकते हैं।' इसके साथ ही उन्होंने अपनी पूरी टीम को एक बड़ा परिवार बताया।

तृप्ति डिमरी के वर्कफ्रंट की बात करें तो, उनके पास कई फिल्में हैं। अभिनेत्री के पास 'एनिमल पार्क' और 'भूल भुलैया 3' जैसी फिल्में हैं। इन दिनों वह कार्तिक आर्यन के साथ 'भूल भुलैया 3' की शूटिंग में बिजी चल रही हैं। 'एनिमल' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा साउथ सिनेमा के सुपरस्टर प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी को लेकर एक फिल्म की प्लानिंग कर रहे हैं। वहीं, अनुराग बसु के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म 'आशिकी 3' में भी तृप्ति डिमरी के काम करने की चर्चा है।

# 'मझे ये बिल्कुल पसंद नहीं है'...बेटे की स्टार किड्स से तुलना पर आर माधवन ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन इन दिनों भारी डिमांड में हैं. एक्टर की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'शैतान' लोगों को बहुत पसंद आ रही है. इस फिल्म में एक्टर ने अपने दमदार रोल से फैंस को खूब इंप्रेस किया है. फिल्म की कमाई के आंकड़े भी हर दिन के साथ बढ़ते जा रहे हैं.

अजय देवगन और आर माधवन की ये फिल्म सिनेमाघरों में लगी बाकी सारी फिल्मों को बुरी तरह बीट करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं. आर माधवन ने फिल्म में इस पहली बार निगेटिव रोल निभाया है, और उन्होंने तांत्रिक के रोल में जान फूंक दी है. आर माधवन की एक्टिंग देख कर फैंस का अक्सर उनसे यही सवाल रहता है कि वो अपने बेटे को कब लॉन्च करने वाले हैं.

सोशल मीडिया पर वेदांत को लेकर अक्सर ये चर्चा हो रही होती है. क्या एक्टर के बेटे बॉलीवुड के दूसरे स्टार किड्स को टक्कर दे पाएंगे. आर माधवन ने बेटे वेदांत और दूसरे स्टर किड्स की तुलना होने पर चुप्पी तोड़ी है.

**आर माधवन को नहीं पसंद ये बात**

रणवीर अल्हाबादिया के पॉडकास्ट में जब आर माधवन से उनके बेटे वेदांत की बॉलीवुड स्टार किड्स के साथ तुलना को लेकर सवाल किया गया. तब इसके जवाब में एक्टर ने कहा- 'हमें ये बिल्कुल भी नहीं पसंद है. किसी एक बच्चे की दूसरे से तुलना करना हर तरीके से गलत है'. इसके साथ ही एक्टर ने कहा - 'मुझे और सरिता को ये देख कर दुख होता है. कई बार लोग मीम्स बनाने के चक्कर में ऐसी बातें लिख देते हैं जिससे पढ़ कर निराशा होती है. लोगों को इस बात का एहसास नहीं होता है कि वो किसी दूसरे को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं.'

**बेटा इस चीज में है बेस्ट**

एक्टर ने अपने बेटे वेदांत के बारे में बात करते हुए कहा- 'वेदांत एक स्विमर हैं, मेरे बेटे ने अपनी मेहनत से जो हासिल किया है उसे मैं छीन नहीं सकता हूं. उसे स्पोर्ट्स पसंद है. जिसके लिए उसे कई बार मैडल्स से सम्मानित किया गया है. वेदांत को राष्ट्रिय रिकॉर्ड भी हासिल हैं. एक्टर ने कहा- मैं उसे वो ही करने के लिए कहुंगा और स्पोर्ट करूंगा जिसमें वो बेस्ट है'.

# 'देसी गर्ल' को मिस कर रहे हैं निक, प्रियंका की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा- आर यू किडिंग मी!

निक जोनस से शादी के बाद से ही बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा अमेरिका में रह रही हैं। सोशल मीडिया पर निक और प्रियंका की जोड़ी के लाखों दीवाने हैं। इन दिनों प्रियंका एक बड़े ब्रांड के प्रमोशन के लिए भारत आई हुई हैं। हाल ही में निक ने प्रियंका की एक तस्वीर को अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया है। निक का यह पोस्ट इंटरनेट पर काफी वायरल हो रहा है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी कुछ तस्वीरों को अपने फैंस के साथ साझा किया था। इन तस्वीरों में प्रियंका बला की खूबसूरत लग रही थीं। अभिनेत्री के इन तस्वीरों पर हॉलीवुड के कई स्टार्स ने भी प्रतिक्रिया जाहिर किया है। अभिनेत्री सोफिया वेरगारा ने प्रियंका की फोटो को देखकर लिखा, 'वाह आप कितनी सुंदर लग रही हैं'।

निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा की केमिस्ट्री पूरी दुनिया में मशहूर हैं। प्रियंका के प्रति अपने प्यार को जाहिर करने के लिए निक कोई भी मौका नहीं चूकते हैं। निक पत्नी प्रियंका की फोटो को देखकर उनकी खूबसूरती के एक बार फिर से दीवाने होते दिखाई दे रहे हैं। प्रियंका की फोटो पर कमेंट करते हुए निक ने हॉट फेस और लार टपकाने वाले इमोजी के साथ लिखा है, 'ओह गॉड!' निक जोनस प्रियंका की खूबसूरती के दीवाने हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से प्रियंका चोपड़ा की खूबसूरत तस्वीर को साझा करते हुए लिखा है, 'आर यू किडिंग मी'। प्रियंका चोपड़ा पिछले दिनों ईशा अंबानी की होली पार्टी में शामिल हुई थीं। इससे पहले में राधिका-अनंत के प्री-वेडिंग कार्यक्रम में भाग नहीं ले पाई थीं।

# सिर्फ पति से मिला 'साथ' : सेलिना

**सेलिना जेतली** ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उसने महिलाओं के बारे में कुछ अच्छी बातें लिखी थीं। उसमें उसने उस फोटो का भी जिक्र किया, जब बिकिनी में अपने नन्हें बेटों को अपना दूध पिलाते हुए फोटो शेयर करने पर उसे ट्रोल किया गया था। सेलिना ने बताया कि उसे तब बहुत गलत-गलत शब्दों से बुलाया गया, पर वह जानती हैं कि उस तस्वीर के उसके लिए क्या मायने हैं। सेलिना ने कहा, बिकिनी में ब्रेस्टफीडिंग कराना कहां से गलत हो गया। लोगों को बस कुछ भी कहने का बहाना चाहिए लेकिन सच यह है कि उसमें कुछ गलत नहीं था। माता-पिता होने के तौर पर मैंने और मेरे पति ने बहुत कुछ सहा। जुड़वां बच्चे संभालना आसान नहीं होता।

सेलिना ने कहा कि जब उसने लोगों के कमैंट्स देखे तो यकीन ही नहीं हुआ था कि ऐसी बातें उसके बारे में कही जा रही हैं। उसके अनुसार लोगों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप बच्चों को कितना प्यार करते हैं, किस तरह से उनका पालन-पोषण कर रहे हैं, उनकी देखभाल कर रहे हैं। वे तो बस हर छोटी से छोटी बात पर आलोचना करने के लिए तैयार रहते हैं।

उसने कहा कि वह हमेशा से मुखर रही है और लोगों की आलोचना सुनने के लिए तैयार रहती है लेकिन इस फोटो पर लोगों ने जो कहा था, वह न केवल उस पर, बल्कि सभी महिलाओं पर हमला था, जो मां बनने के बावजूद अपनी पर्सनैलिटी को बनाए रखना चाहती हैं। सेलिना ने कहा कि वह ट्रोलर्स को जवाब दे सकती थी लेकिन वह चुप रही। वह नई मां होने के पल को एंज्वॉय करना चाहती थी और अपनी सारी एनर्जी दूसरों पर नहीं, बल्कि अपने जुड़वां बच्चों पर खर्च करना चाहती थी। हालांकि, उसे लोगों की बातों से दुख पहुंचा लेकिन वह खुद को एक योद्धा की बेटी बताती है। उसने कहा कि जब उसको भला-बुरा कहा जा रहा था, तो सिवाए पति के किसी ने उसका साथ नहीं दिया।

# करीना कपूर ने 'टॉक्सिक' से जुड़ने की खबर पर लगाई मुहर? यश संग फरमाएंगी रोमांस

ऐसी अफवाह है कि करीना कपूर, यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' में उनके साथ शामिल हो सकती हैं, जो कन्नड़ सिनेमा में उनकी संभावित शुरुआत है। यश, जिन्होंने पिछले साल इस परियोजना की घोषणा की थी और दिसंबर में इसके टाइटल से पर्दा उठाया था। फिल्म की स्टारकास्ट पर डिटेल अभी गुप्त रखी गई है।

हालांकि, करीना की हालिया टिप्पणी से फिल्म में उनके शामिल होने की अटकलों को हवा मिली है।

करीना कपूर ने एक फैन से बातचीत के दौरान उत्साह व्यक्त किया, और फैंस को एक बिग बजट साउथ फिल्म में अपने पहले प्रयास के बारे में बताया। करीना कपूर का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। वहीं इस क्लिप को कैप्शन दिया गया है, 'तो मुझे लगता है कि यश के साथ करीना की फिल्म पक्की है। उन्होंने कल अपने फैंस के साथ जूम मीटिंग में यह बात कही।'

क्लिप में करीना कपूर कहती नजर आ रही हैं, 'अब, जैसा कि मैंने कहा, मैं एक बहुत बड़ी साउथ फिल्म कर सकती हूं। अब यह संपूर्ण भारत जैसा है, इसलिए मुझे नहीं पता कि मैं कहां शूटिंग करूंगी, लेकिन मैं अपने सभी फैंस को यह बताने के लिए उत्साहित हूं। यह पहली बार होगा जब मैं ऐसा करूंगी।' करीना कपूर के इस बयान से फैंस कयास लगा रहे हैं कि वह यश के साथ उनकी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी।

वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'वह टॉक्सिक और सिंघम जैसी बड़ी फिल्में कर रही हैं और साथ ही जाने जां, क्रू, द बकिंघम मर्डर्स जैसी कंटेंट-संचालित फिल्में भी कर रही हैं।' एक व्यक्ति ने लिखा, 'वह 42 साल की उम्र में यश के साथ अपनी पहली पैन इंडिया फिल्म करेंगी। बेबो के क्या कहने।' हालांकि, इस खबर की अभी आधिकारिक पुष्टि होनी बाकी है।

करीना कपूर का नाम सामने आने से पहले, यश की फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए साई पल्लवी और राशि खन्ना जैसी अन्य अभिनेत्रियों के नाम को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, करीना की संभावित भागीदारी से फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया है। इस बीच, करीना कपूर खान अपनी आगामी परियोजनाओं में व्यस्त हैं, जिसमें 'क्रू' भी शामिल है, जिसमें वह तब्बू और कृति सेनन के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा उन्हें रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में भी देखा जाएगा।

# पुष्पा के सुपरहिट सॉन्ग 'ऊ अंटावा' की शूटिंग के दौरान कांपने लगी थीं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु साउथ की टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं. सामंथा को उनकी एक्टिंग के साथ ही उनकी सादगी के लिए भी जाना जाता है. एक्ट्रेस अब तक कई फिल्में कर चुकी हैं, जो दर्शकों को काफी पसंद आई है. लेकिन सामंथा उस वक्त सबसे ज्यादा चर्चा में आईं जब फिल्म 'पुष्पा द राइज' में एक आइटम सॉन्ग 'ऊ अंटावा' दिया था.

इस गाने से सामंथा की पॉपुलैरिटी में चार चांद लग गए थे. गानें में सामंथा का काफी हॉट एंड बोलड अवतार देखने को मिला था. ये गाना काफी हिट हुआ था. ले कि न सामंथा को ये गाना शूट करने के दौरान एक परेशानी का सामना करना पड़ा था जिसका खुलासा एक्ट्रेस ने अब किया है.

ऊ अंटावा के लिए सामंथा ने क्यों कहा था हां?

सामंथा ने इंडिया टुडे संग बातचीत में बताया है कि उन्होंने अल्लू अर्जुन की सेक्सी बनना उनकी चीज नहीं है. एक्ट्रेस ने कहा- मुझे लगता है कि ऊ अंटावा करने का मेरा फैसला राजी ( द फैमिली मैन 2 में सामंथा का किरदार) करने के जैसा ही था. मुझे लगता है कि आपके आस-पास बहुत सारे लोग ना होना एक पॉजिटिव प्वाइंट है जो आपके कान में अपनी राय नहीं डालते हैं. एक्ट्रेस ने आगे कहा कि- दूसरा पक्ष यह है कि मुझे गलतियां करने, उनसे सीखने की आवश्यकता है. ऊ अंटावा करने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि मुझे एक एक्टर होने के उस पहलू का पता लगाना था. मैंने हमेशा ऐसी जगह से काम किया है जैसे 'मैं बहुत अच्छी नहीं हूं, मैं सुंदर महसूस नहीं करती, मैं दूसरी लड़कियों की तरह नहीं दिखती'.

शूटिंग के दौरान कांप रही थीं सामंथा

सामंथा ने आगे गानें की शूटिंग को लेकर बात की है. उन्होंने कहा- मेरे लिए ये एक चेलैंज था. ऊ अंटावा का पहला शूट था और मैं कांप रही थीं. क्योंकि सेक्सी बनना मेरे बस का नहीं था. लेकिन कैसे मैंने खुद को ऐसा बनाया है कि मैं किसी भी मुश्किल से लड़ सकती हूं. समांथा ने बताया कि ये गाना उन्हें एक्स हसबैंड नागा चैतन्य से अलग होने के दौरान ऑफर हुआ था और कैसे उनकी फैमिली से लेकर उनके फ्रेंड्स तक ने उन्हें ये करने से मना किया था. एक्ट्रेस ने कहा- मेरे परिवार वालों ने कहा कि तुम्हें घर बैठना होगा. तुम ये आइटम सॉन्ग नहीं करोगी क्योंकि तुमने अभी भी अपने तलाक का ऐलान नहीं किया है. यहां तक कि मेरे फ्रेंड्स जो हमेशा मुझे काम के लिए प्रोत्साहित करते थे उन्होंने भी मुझे कहा कि मुझे आइटम सॉन्ग नहीं करना चाहिए. लेकिन मैंने कहा मैं तो करूंगी. बता दें कि सामंथा के साथ इस गानें में अल्लू अर्जुन भी नजर आए थे. अल्लू अर्जुन की ये फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी. फिल्म के साथ ही इस गानें ने भी खूब तारीफ लूटी थी.

# बीसीए, बी.टेक व अन्य ग्रेजुएट छात्र बना सकते हैं शानदार करियर

आज जिस गति से टेक्नोलॉजी का विस्तार हो रहा है उतनी ही तेजी से प्राइवेट सेक्टर जैसे मीडिया, एंटरटेनमेंट, हेल्थ, ई-कॉमर्स, सर्विस इंडस्ट्री इत्यादि में रोजगार के नए अवसरों का सृजन भी हो रहा है। अडवांस डिजिटल मार्केटिंग और ग्रॉफिक्स डीजाइन प्रोग्राम में बढ़ते रोजगार अवसरों को ध्यान में रखते हुए बेहद ही वाजिब फीस में डिजिटल मार्केटिंग के कोर्सेज लांच किए हैं। इन कोर्सेस को अपने घर से ही मोबाइल पर पूरा किया जा सकता है। इन कोर्सेस की सबसे खास बात ये है कि इनमें दाखिला पाने के लिए किसी भी तरह की डिग्री की जरूरत नहीं होगी। इन कोर्सों को करने के बाद अब तक हजारों युवा कम समय में आकर्षक सैलरी वाली जॉब हासिल कर चुके हैं।

मास्टर डिजिटल मार्केटिंग
डिजिटल मार्केटिंग ई बुक
लाखों के पैकेज के साथ शुरू हुआ कॅरिअर

**इन 8 कारणों से डिमांड में हैं ये स्किल्स**

तेजी से बढ़ी है इनकी डिमांडः एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में करीब 69% कंपनियों को डिजिटल मार्केटर की तलाश है।

आकर्षक सैलरीः इन दिनों इंडस्ट्री में ऐसे प्रोफेशनल्स को आकर्षक सैलरी भी दी जा रही है।

बड़े शहरों में जॉबः डिजिटल मार्केटर की सबसे अधिक मांग मेट्रो सिटी में है। इसलिए नौजवानों को बड़े शहरों में जाकर काम करने का मौका मिलता है। इसके अलावा युवा घर बैठे भी बड़ी कंपनियों में जॉब कर सकता है।

विदेशों में नौकरी के अवसरः इन स्किल्स को सीखने के बाद न

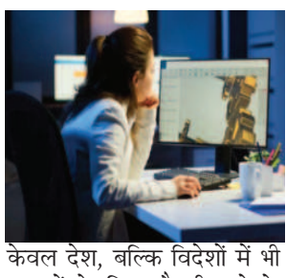

केवल देश, बल्कि विदेशों में भी युवाओं के लिए नौकरी पाने के कई रास्ते खुल रहे हैं।

खुद का बिजनेस शुरू करने का मौकाः डिजिटल मार्केटिंग सीखने के बाद डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी, क्रिएटिव एजेंसी, विज्ञापन एजेंसी जैसे कई बिजनेस की भी शुरुआत कर सकते हैं।

आसानी से करिअर शुरू करने का अवसरः इस सेक्टर में तेजी से हो रही वृद्धि के कारण काम करने वाले कैंडिडेट्स की भारी डिमांड है जिसके चलते नए युवाओं को भी आसानी से जॉब मिल जाती है।

सोशल मीडिया सेलिब्रिटी बनने का मौकाः किसी भी अन्य सेक्टर की तुलना में डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को हर दिन कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता रहता है जिससे वे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनकर भी पैसे कमा सकते हैं।

पाएं विश्वस्तरीय सर्टिफिकेटः इन कोर्सेज को कम्प्लीट करने के बाद न सिर्फ सफलता का कम्प्लीशन सर्टिफिकेट मिलता है बल्कि गूगल, फेसबुक जैसे विश्वस्तरीय सर्टिफिकेट के लिए भी तैयार करता है।

**एडवांस डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की खूबी**

100 % जॉब असिस्टेंस
100 घंटे लाइव इंटरेक्टिव क्लासेस
20 से ज्यादा लर्निंग टूल्स
8+ लाइव प्रोजेक्ट्स
गूगल सर्टिफाइड अनुभवी फैकल्टी द्वारा प्रशिक्षण
साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन
एक्सपर्ट्स के साथ मास्टर क्लास
कम्प्लीमेंट्री कोर्स-सॉफ्ट स्किल्स कोर्सेज

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी या डिजिटल मार्केटिंग, ग्रॉफिक्स डिजाइनिंग जैसे फील्ड में कॅरिअर बनाने की चाह रखने वाले युवा इनकी बेहतर तैयारी के लिए सफलता डॉट कॉम की मदद ले सकते हैं। सफलता द्वारा इस वक्त कई टेक्निकल कोर्सेज के साथ यूपी कॉन्स्टेबल, यूपी लेखपाल तथा अन्य कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी एक्सपर्ट और वर्षों के अनुभव रखने वाले फैकल्टीज के मार्गदर्शन में कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इसलिए अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट जरूर करें और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही कॅरिअर चुनने में मार्गदर्शन भी करेगी।

## सरकारी नौकरी चाहिए, तो कर्मचारी राज्य बीमा निगम में तुरंत करें आवेदन

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे उम्मीदवारों के लिए सुनहरा मौका है. ईएसआईसी ने इसके लिए स्पेशलिस्ट और सीनियर रेजिडेंट के पदों के लिए वैकेंसी निकाली है. जो भी उम्मीदवार इन पदों पर आवेदन करने के लिए योग्य और इच्छुक हैं, तो ईएसआईसी की आधिकारिक वेबसाइट esic.gov.in के माध्यम से अप्लाई कर सकते हैं. इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है.

आधिकारिक नोटिफिकेशन के अनुसार इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 10 पदों पर बहाली की जाएगी. जो इन पदों पर आवेदन करते हैं, तो उन्हें इंटरव्यू के लिए शामिल होना होगा. अगर आप भी इन पदों पर नौकरी पाने की चाहत रखते हैं, तो नीचे दिए गए इन बातों को गौर से पढ़ें.

योग्यता :ईएसआईसी के इस भर्ती के लिए जो भी आवेदन करने का मन बना रहे हैं, उनके पास आधिकारिक नोटिफिकेशन में दिए गए संबंधित योग्यता होनी चाहिए.

आयु सीमा :स्पेशलिस्ट- उम्मीदवार जो भी इन पदों के लिए आवेदन किए हैं, उनका इंटरव्यू की तिथि तक आयु 69 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए. साथ ही सरकारी नियमानुसार आयुसीमा में छूट लागू है.

सीनियर रेजिडेंट- इंटरव्यू की डेट तक उम्मीदवारों की आयु 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए. साथ ही आरक्षित कैटेगरी वाले उम्मीदवारों को सरकारी नियमानुसार आयुसीमा छूट भी दी जाएगी.

अन्य जानकारीः

इंटरव्यू की तिथि -22-03-2024,रिपोर्टिंग समयः प्रातः 09:00 बजे

इंटरव्यू का स्थानः चिकित्सा अधीक्षक कक्ष, दूसरी मंजिल, ईएसआईसी मॉडल अस्पताल, सेक्टर 9ए, गुरुग्राम, हरियाणा-122001

# इस गलती से टूट सकता है आईएएस बनने का सपना, ऐसे करें सीसैट की तैयारी ?

संघ लोक सेवा आयोग की यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा मई में होगी. लाखों उम्मीदवार यूपीएससी 2024 परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं . यूपीएससी सीसैट पेपर को क्वालिफाइंग पेपर माना जाता है. सीसैट का फुल फॉर्म सिविल सर्विसेस एप्टिट्यूड टेस्ट है. यूपीएससी सीसैट पेपर को पास करके आप आईएएस नहीं बन सकते हैं. लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि यही पेपर आपको आईएएस अफसर बनने से रोक जरूर सकता है.

कई आईएएस अफसर सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव हैं. वह यूपीएससी एस्पिरेंट्स को सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी करने के बेस्ट टिप्स शेयर करते रहते हैं. आईएएस कृतिका मिश्रा भी सोशल मीडिया साइट एक्स पर सरकारी नौकरी के टिप्स साझा करती हैं . हाल ही में उन्होंने बताया कि यूपीएससी सीसैट परीक्षा कैसे पास कर सकते हैं. आईएएस कृतिका मिश्रा के टिप्स जानकर आप भी इसी साल आईएएस परीक्षा पास कर सकते

हैं .

**सीसैट परीक्षा क्या है?**

यूपीएससी परीक्षा कई चरणों की होती है. इसमें क्वालिफाइंग पेपर भी होता है . सिविल सर्विसेस एप्टिट्यूड टेस्ट 200 अंकों का होता है. यूपीएससी सीसैट परीक्षा में अभ्यर्थियों के लिए कम से कम 66 मार्क्स हासिल करना अनिवार्य है. हालांकि सीसैट पेपर के किसी भी सवाल को हल करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए. दरअसल, यूपीएससी सीसैट परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का नियम है. इसमें हर गलत जवाब पर 0.83 अंक की कटौती की जाती है.

**सीसैट पेपर के लिए जरूरी है गंभीरता**

आईएएस कृतिका मिश्रा के मुताबिक, यूपीएससी परीक्षा में शामिल हो रहे कई अभ्यर्थी जीएस पेपर में बेहतरीन मार्क्स हासिल कर लेते हैं. लेकिन सीसैट को पास करने में असफल हो जाते हैं. सीसैट प्रश्न पत्र को गंभीरता से लेने की जरूरत होती है, जबकि कुछ अभ्यर्थी उसको आसान समझने की भूल कर बैठते हैं, अपने स्तर का आकलन करने के लिए पिछले साल के सीसैट पेपर को समय सीमा के अंदर हल करें. अपनी पूरी स्ट्रैटेजी में टाइम मैनेजमेंट का ख्याल रखें.

**सिर्फ मैथ्स से नहीं बनेगी बात**

सीसैट पैटर्न को समझने के लिए यूपीएससी टेस्ट सीरीज का सहारा ले सकते हैं. पिछले कुछ सालों के यूपीएससी पेपर सॉल्व करने से काफी मदद मिल सकती है. इस प्रश्नपत्र में अपने मजबूत पक्षों पर ज्यादा ध्यान दें और जिन क्षेत्रों में कमजोर हैं, उसकी तैयारी बुनियादी स्तर पर कर लें. लेकिन कोई भी हिस्सा छोड़ने की भूल न करें. सीसैट में सिर्फ मैथ्स के भरोसे ओवरकॉन्फिडेंट न रहें. मैथमेटिक्स और रीजनिंग के.

# सरकारी नौकरी

## उत्तराखंड में स्केलर के 200 और कुल मिलाकर 1800+ पदों पर भर्ती

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने उत्तराखंड वन विकास निगम में स्केलर पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन प्रक्रिया 18 मार्च से शुरू होगी। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट sssc.uk.gov.in पर जाकर इन पदों के लिए उपरोक्त तिथि से आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 08 अप्रैल, 2024 है। उम्मीदवारों को अपना आवेदन पत्र संपादित करने के लिए 12 से 14 अप्रैल, 2024 तक का समय दिया जाएगा।

200 पदों पर होगी भर्ती

इस भर्ती अभियान के माध्यम से उत्तराखंड वन विकास निगम में 200 स्केलर पदों को भरा जाएगा। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की आयु 18 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

इसके अलावा, आयोग ने समूह-ग की भर्तियां भी निकाली हैं। आयोग ने एलटी शिक्षक भर्ती के 1544, वाहन चालक के 34, हवलदार प्रशिक्षक के 24 और सेवायोजन निदेशालय में सहायक भंडारी के 25 पदों पर भर्तियों के विज्ञापन जारी कर दिए हैं। हवलदार भर्ती के लिए 26 मार्च से 15 अप्रैल तक आवेदन होंगे। सहायक भंडारी भर्ती के लिए 28 मार्च से 17 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन होंगे।

आवेदन शुल्क :सामान्य और ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के रूप में 300 रुपये का भुगतान करना होगा। एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के उम्मीदवारों को 150 रुपये का भुगतान करना होगा। अनाथ उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क भुगतान से छूट दी गई है।

जानिए कैसे करें आवेदन :आधिकारिक वेबसाइट sssc.uk.gov.in पर जाएं।होमपेज पर अप्लाई लिंक पर क्लिक करें। रजिस्टर करें और आवेदन के साथ आगे बढ़ें। सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें, आवेदन शुल्क का भुगतान करें। आवेदन पत्र जमा करें और भविष्य के संदर्भ के लिए प्रिंट ले लें।

# जीवन में अनुशासन व्यक्ति को कम आयु में सफल बना देता है

अनुशासित जीवन के प्रभाव विषय पर आयोजित किए गए मास्टर क्लास सेशन में एक्सपर्ट ने कहा कि जीवन हर किसी को समय समय पर

अवसर देता है। लेकिन मुख्य बात ये है कि उस समय आप वो अवसर लेने के लिए तैयार हो या नहीं, और उस तैयारी के लिए आपको अनुशासन की जरूरत पड़ती है। हर किसी के जीवन में अनुशासन का बहुत बड़ा रोल है। जैसे सुबह जल्दी उठना, जॉगिंग पर जाना, व्यायाम करना, किताब पढ़ना साथ ही दिन के बड़े कामों को सुबह ही निपटा लेना। क्योंकि कि सुबह के समय में आपके पास ज्यादा डिस्ट्रेक्शन नहीं होता है। इसलिए हर युवा को सुबह जल्दी उठना चाहिए और रात को जल्दी सो जाना चाहिए।

**हर काम को करने से पहले कर लेना चाहिए प्लान**

एक्सपर्ट ने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से किए गए काम हमेशा सफल होते हैं। जैसे मेरे पास साल का, महीने का अगले हफ्ते का एक प्लान होता है जिसपे मैं काम करता हूं। जैसे रविवार को लोग कोई प्लान फॉलो नहीं करते देर तक सोना, ऐसे ही कहीं घूमने निकल जाते हैं। तो अगर आप भी रविवार को अपना एक प्लान बनाकर निकलेंगे जैसे सुबह उठने का टाइम, जॉगिंग का टाइम, कोई किताब पढ़ने का टाइम या अपने आपको इंप्रूव करने के लिए आप प्लान कर सकते हैं। ये आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए मदद भी करेगा। दुनियां में सूरज, चांद, प्रकृति, ऋतुएं सब अपने समय पर ही काम कर रही हैं। एक इंसान ही है जो समय के साथ छेड़छाड़ कर सकता है।

**फिट रहने के लिए भी जरूरी है अनुशासन**

एक्सपर्ट ने कहा कि आजकल के खानपान के कारण लोगों में मोटापे की समस्या बढ़ रही है। लेकिन अनुशासित जीवन आपको फिट बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर आप भी मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं तो आप दिन का प्लान बना सकते हैं। जैसे आप सुबह 5 बजे उठकर हर दिन 20 मिनट एक्सरसाइज कर लें। 20-30 मिनट कोई अच्छी किताब पढ़ें। ये काम आपका सूर्योदय से पहले हो जाना चाहिए।

**चीजों को टालना सही आदत नहीं**

हमें हर काम को नियत समय पर खत्म कर लेना चाहिए। चीजों को टालने की आदत अच्छी नहीं है। कई बार हम कुछ कामों को कम महत्वपूर्ण समझकर बाद के लिये छोड़ देते हैं जोकि सही आदत नहीं है। ऐसा लगातार होने से आपकी आदत बन जाती है और वापस उन कामों को करना आपके लिए मुश्किल हो जाता है। जीवन में अनुशासन ही है जो आपके स्वास्थ्य, आपके काम और परिवार के बीच समन्वय का काम कर सकता है।

**रिजोल्यूशन लेने के लिए सिर्फ न्यू ईयर ही क्यों**

अक्सर देखा जाता है कि नए वर्ष पर हम नए संकल्प लेते हैं। लेकिन संकल्प लेने के लिए नए साल का इंतजार करना ठीक नहीं है। हर दिन, हर सुबह नई होती है। अगर आप कोई संकल्प लेना चाहते हैं तो तुरंत लें। आपको नियमित रूप से एक समय सारिणी बना के रखनी चाहिए। आपने देखा होगा जब बच्चे स्कूल जाते हैं तो गेट से घुसते ही अनुशासन शुरू हो जाता है। पहले प्रार्थना सभा, फिर अलग अलग विषयों के घंटे, खेल का पीरियड फिर छुट्टी।

12वीं के बाद आपके पास समय को अपने हिसाब से खर्च करने की छूट मिलती है। यही समय है जब आप गैर जिम्मेदार होना शुरू हो जाते हैं। यहीं पर अनुशासन आपको वो रास्ता दे रहा है जिससे आप कम आयु में सफल हो सकते हैं।

**युवा चीजों को याद कैसे रखें**

कई बार देखा गया है कि आप एक बार जो पढ़ लेते हैं वह भूल जाते हैं। तो आपको सुबह उठकर पढ़ना चाहिए। जो पढ़ा है उसे लिख लेना चाहिए। उसी दिन शाम को या हफ्ते में एक या दो बार आपको उसे रिवाइज करना चाहिए। इससे आप चीजों को भूलेंगे नहीं। बच्चों में बचपन से ही अनुशासित जीवन की आदत डालें क्योंकि अगर आपका बेस अच्छा होगा तो आप उस पर बिल्डिंग भी अच्छी बना सकते हैं। याद्दाश्त बढ़ाने के लिए हर रोज आप 30 मिनट योगा भी कर सकते हैं। क्योंकि शरीर को संतुलित हवा, रक्त प्रवाह की जरूरत होती है। जो हमें एक्सरसाइज, सैर, योगा आदि से ही मिलती है।

# यूपी मेट्रो में मैनेजर बनने का गोल्डन चांस

यूपी मेट्रो में नौकरी पाने का मन बना रहे हैं, तो आपके लिए शानदार अवसर है. उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा असिस्टेंट मैनेजर और अन्य पदों पर भर्तियां की जा रही है. इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू होगी और आवेदन करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल है. योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट lmrcl.com के जरिए इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं.

यूपीएमआरसीएल भर्ती के तहत कुल 439 पदों पर भर्तियां की जाएगी. इसके लिए परीक्षा 11, 12 और 14 मई को आयोजित की जाएगी. एडमिट कार्ड 30 अप्रैल

को जारी किया जाएगा. अगर आप भी यूपी मेट्रो में नौकरी पाने की ख्वाहिश रखते हैं, तो दिए गए इन बातों को ध्यान से पढ़ें.

**यूपीएमआरसीएल के जरिए भरे जाने वाले पद**

यूपीएमआरसीएल के इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 439 पदों पर बहाली की जाने वाली है. अगर आप भी इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं, तो नीचे दिए गए आधिकारिक वेबसाइट को ध्यान से पढ़ें.

**यूपीएमआरसीएल में नौकरी पाने की आयु सीमा**

उम्मीदवार जो भी इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उनकी आयुसीमा 21 वर्ष से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए.

यूपीएमआरसीएल में फॉर्म भरने के लिए भुगतान करना होगा शुल्क

उम्मीदवार जो यूआर, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी कैटेगरी से संबंध रखते हैं, तो आवेदन शुल्क के तौर पर 1180 रुपये का भुगतान करना होगा. वहीं एससी और एसटी उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 826 रुपये का भुगतान करना होगा.

**ऐसे करें आवेदन**

यूपीएमआरसीएल की आधिकारिक वेबसाइट lmrcl.com पर जाएं.

रिक्रूटमेंट टैब पर क्लिक करें.

एक नया पेज खुलेगा.

रजिस्टर करके आवेदन फॉर्म को भरें.

आवेदन शुल्क का भुगतान करके सबमिट बटन पर क्लिक करें.

इस फॉर्म का भविष्य के संदर्भ के लिए प्रिंट आउट लें.

## डिप्लोमा-आईटीआई वालों के लिए शानदार मौका! इंडस्ट्रियल ट्रेनी के 239 पदों पर करें आवेदन

नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड ने हाल ही में औद्योगिक प्रशिक्षु पदों पर भर्ती निकाली है और योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू होगी। कुल 239 इंडस्ट्रियल ट्रेनी पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए आधिकारिक वेबसाइट nlcindia.in पर जाना होगा।

रिक्ति विवरण

एनएलसीआईएल के पास औद्योगिक प्रशिक्षुओं के लिए उपलब्ध प्रशिक्षण स्लॉट की कुल संख्या 239 है। इसमें 100 रिक्तियां एसएमई एंड टेक्निकल (ओ एंड एम) के लिए और 139 रिक्तियां माइंस एंड माइंस सपोर्ट सर्विस के लिए हैं।

आयु सीमा : एनएलसी प्रशिक्षु योजना के लिए विभिन्न श्रेणियों के लिए ऊपरी आयु सीमा इस प्रकार हैः सामान्य/ईडब्ल्यूएस - 37 वर्ष

ओबीसी (एनसीएल) - 40 वर्ष, एससी/एसटी - 42 वर्ष

शैक्षणिक योग्यता : औद्योगिक प्रशिक्षु/एसएमई और तकनीकी (ओ एंड एम):आवेदक के पास इंजीनियरिंग कोर्स में 3 साल का डिप्लोमा होना चाहिए। डिप्लोमा लेटरल उम्मीदवार को बारहवीं योग्यता के साथ पाठ्यक्रम की 2 वर्ष की अवधि पूरी की होनी चाहिए।

आवेदन करने के लिए इन चरणों का पालन करना होगाः

ऊपर उल्लिखित एनएलसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

अब, होमपेज हेडर पर करियर पर जाएं।

करियर पर क्लिक करें और आपको 20 मार्च 2024 से एनएलसी औद्योगिक प्रशिक्षु पदों के लिए आवेदन लिंक मिलेगा।

अब, अपने नाम, जन्मतिथि आदि के माध्यम से आवेदन पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करें। एनएलसी की अधिसूचना में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार आवश्यक स्व-सत्यापित दस्तावेज और प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड करें।मांगी गई जानकारी दर्ज करें और सबमिट करें।

आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के बाद, भविष्य में उपयोग के लिए आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

# एसईएम एक्सपर्ट बनके लाखों कमाने का है मौका

देश के परंपरागत मार्केट के 55 फीसद हिस्से को डिजिटल मार्केट ने टेकओवर कर लिया है। जिसके कारण डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में करिअर की संभावनाएं बढ़ गईं हैं। मौजूदा समय में 2 लाख करोड़ से ऊपर की डिजिटल मार्केटिंग इंडस्ट्री लगातार ग्रो कर रही है क्योंकि अकेले भारत में 80 करोड़ से ज्यादा लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करने लगे हैं। 24 घंटे में 3 घंटे से अधिक ऑनलाइन रहने वाले इन लोगों द्वारा जनवरी, फरवरी और मार्च 2024 में 2 अरब से ज्यादा बार ऑनलाइन खरीदारी की जा चुकी है। आने वाले वर्षों में ये आंकड़ा और बढ़ेगा। डिजिटल मार्केटिंग इंडस्ट्री 2025 तक कई गुना बढ़ने जा रही है। इसलिए इस सेक्टर में लगातार नौकरियां निकल रहीं हैं। अगर आप भी ग्रेजुएट हैं और नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद से आप शानदार करिअर बना सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग के इस कोर्स से अब तक हजारों युवाओं ने कम समय में आकर्षक सैलरी वाली जॉब हासिल कर ली है।

एसईएम क्या है

सर्च इंजन मार्केटिंग से आपको ये पता चल जाता है कि ऑलाइन प्लेटफॉर्म पर लोग क्या सर्च कर रहे हैं। इसके लिए कंपनियां पैड तरीके से कंपनी पेजेज पर ट्रैफिक हासिल करती हैं। इसे एसईओ का ही एक टूल कहा जा सकता है लेकिन एसईएम सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन से अलग है।

एसईएम मैनेजर की सैलरी क्या होती है

एक औसत कंपनी में एसईओ मैनेजर के रूप में काम कर रहे कैंडिडेट की शुरूआती सैलरी 40 हजार रुपए प्रतिमाह से अधिक होती है। अनुभव होने पर कैंडिडेट को 75 हजार से एक लाख रुपये प्रतिमाह तक कंपनियां आसानी से पे करती हैं। SEM मैनेजर का सालाना पैकेज 3.3 लाख से लेकर 14.6 लाख रुपये महीने तक हो सकता है।

एडवांस डिजिटल मार्केटिंग प्रोग्राम की खूबी

100% जॉब असिस्टेंस
इंटर्नशिप का अवसर
20 टूल्स
10 इंडस्ट्री बेस्ड मॉड्यूल्स
8 लाइव प्रोजेक्ट्स व केस स्टडीज
इंटरव्यू प्रिपरेशन
पर्सनॉलिटी ग्रूमिंग सेशन
मॉक इंटरव्यू प्रिपरेशन
स्पोकन इंग्लिश स्किल
इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की मास्टर क्लास
गूगल सर्टिफाइड फैकल्टी
साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन

देश की जानी - मानी ऐडटेक कंपनी ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं। यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं। तो फिर देर किस बात की आज ही सफलता से जुड़ें और अपना शानदार करियर बनाएं।

# भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले वर्ष रिकॉर्ड एक लाख पेटेंट प्रदान किए, जीआई पंजीकरण में भी वृद्धि

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पेटेंट कार्यालय ने एक वर्ष के भीतर अभूतपूर्व एक लाख पेटेंट प्रदान किये हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अकेले वित्तीय वर्ष 2023-24 में, पेटेंट कार्यालय को अब तक के उच्चतम 90,300 पेटेंट आवेदन प्राप्त हुए। पेटेंट कार्यालय ने पिछले 1 वर्ष (15-मार्च-2023 से 14-मार्च-2024) में एक लाख से अधिक पेटेंट प्रदान किए। मंत्रालय ने कहा कि प्रत्येक कार्य दिवस पर 250 पेटेंट दिए गए। पेटेंट अनुदान के साथ-साथ, जीआई पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना वृद्धि दर्शाती है। वर्तमान में, भारत में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 98 नए पंजीकरण के साथ 573 पंजीकृत जीआई हैं। इसके अतिरिक्त, कॉपीराइट पंजीकरण रिकॉर्ड तोड़ 36,378 तक पहुंच गया है, जो रचनात्मक क्षेत्र के

भीतर विशाल संभावनाओं को रेखांकित करता है। डिजाइन के क्षेत्र में, वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक की सबसे अधिक संख्या में पंजीकरण हुए। साथ ही कुल 27,819, साथ ही 30,450 आवेदनों का अंतिम निपटान हुआ। जम्मू-कश्मीर एससीईआरटी और भारतीय आईपी कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित टॉयकैथॉन जैसी उल्लेखनीय पहल ने जम्मू-कश्मीर के स्कूली छात्रों द्वारा 115 उपन्यास डिजाइनों के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की है।

**ट्रेड मार्क्स ने सुरक्षा में दिखाई तेजी**

ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री ने भी सुरक्षा में तेजी लाने के अपने प्रयासों को दोगुना कर दिया है और ट्रेडमार्क आवेदन प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर परीक्षा रिपोर्ट जारी करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके समानांतर में, राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अकादमी (एनआईपीएएम) ने पिछले दो वर्षों में 7,000 से अधिक संस्थानों में 24 लाख युवाओं, विशेष रूप से छात्रों और शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करके आईपी जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह घोषणा पेटेंट नियम, 2024 की आधिकारिक अधिसूचना के साथ मेल खाती है, जो पेटेंट अभियोजन और रखरखाव प्रक्रियाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से कई प्रावधान पेश करती है।

## पीपीएफ या ईएलएसएस बेहतर? टैक्स बचाने के लिए यहां करें निवेश

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। फाइनेंशियल ईयर 2023-24 खत्म होने में गिने-चुने दिन बचे हुए हैं। टैक्स बचाने के लिए कई लोग लास्ट-मिनट इन्वेस्टमेंट के लिए दौड़ रहे हैं। इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) और पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ टैक्स बचाने वाले अच्छे विकल्पों में से हैं। आइए जानते हैं आपके लिए दोनों में क्या बेहतर है। । । इनमें निवेश पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत डेढ़ लाख रुपये तक का डिडक्शन है। डिडक्शन की रकम को आपकी कुल कमाई से घटा दिया जाता है। इससे टैक्स देनदारी भी कम हो जाती है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं, जो अपनी एसेट का कम से कम 80 फीसदी इक्विटी और इक्विटी-रिलेडेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं, जबकि पब्लिक प्रोविडेंट फंड लंबी अवधि की सरकारी छोटी बचत योजना है। पीपीएफ सबसे ज्यादा सुरक्षित टैक्स सेविंग इंवेस्टमेंट ऑप्शंस में से एक माना जाता है। इसके उलट ईएलएसएस फंड में रिस्क रहता है क्योंकि ये फंड आपके पैसों को मुख्य रूप से शेयर मार्केट में लगाते हैं। शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव की आशंका ज्यादा होती है। पीपीएफ में ब्याज दर पूरे टेन्योर में फिक्स नहीं रहती है, लेकिन गारंटीड रहती है। अभी 7। 1 फीसदी का ब्याज मिल रहा है। दूसरी ओर ईएलएसएस फंड का रिटर्न उसके पोर्टफोलियो में शामिल एसेट क्लास के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। इक्विटी ओरिएन्टेड स्कीम होने के नाते ईएलएसएस लंबी अवधि में फिक्स्ड इनकम वाली स्कीम्स जैसे पीपीएफ, एफडी से ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता रखता है। म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एम्फी के मुताबिक, चुनिंदा ईएलएसएस फंड्स ने पिछले 5 साल में बेंचमार्क इंडेक्स से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

## जेब में रखो पैसा, अगले हफ्ते इन दो कंपनियों का आ रहा है आईपीओ

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)।अगला हफ्ता फिर से निवेशकों के लिए काफी अहम होने जा रहा है। इस हफ्ते में दो आईपीओ मार्केट में लॉन्च होने जा रहे हैं। भले ही ये दोनों आईपीओ मेनबोर्ड के ना हो, लेकिन एसएमई सेगमेंट के दोनों आईपीओ निवेशकों को मोटी कमाई करा सकते हैं। खास बात तो ये है कि दोनों आईपीओ का प्राइस बैंड 100 रुपए से कम है और एक आईपीओ का प्राइस 60 रुपए से कम है। वैसे इस हफ्ते में करीब 9 कंपनियों का डेब्यू शेयर बाजार में होने जा रहा है। जोकि काफी अहम है। क्योंकि बीते कुछ समय से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ऐसे में कंपनियों की लिस्टिंग के दौरान बाजार का कैसा रिस्पांस देखने को मिलता है, वो काफी अहम होगा। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर वो कौन से दो आईपीओ है जो मार्केट में आने वाले हैं।

**चाथा फूड्स आईपीओ**

चाथा फूड्स का एसएमई आईपीओ 19 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है और 21 मार्च को बंद हो जाएगा। चाथा फूड्स आईपीओ की कीमत 53-56 रुपए प्रति शेयर के बीच है। चाथा फूड्स आईपीओ के लॉट साइज में 2,000 शेयरों को रखा गया है। चाथा फूड्स आईपीओ के अलॉटमेंट की डेट यदि सब कुछ सही और

तय कार्यक्रम के अनुसार रहा, तो 26 मार्च, 2024 होगी। चाथा फूड्स आईपीओ की अनुमानित लिस्टिंग डेट 27 मार्च 2024 है। चाथा फूड्स आईपीओ में मिनिमम इंवेस्टमेंट अमाउंट 1,12,000 रुपए है। चाथा फूड्स आईपीओ का एलोकेशन रिजर्वेशन क्यूआईपी के लिए 50 फीसदी, रिटेल निवेशकों के लिए 35 फीसदी और एनएनआई के लिए 15 फीसदी रखा गया है। चाथा फूड्स जुटाई गई पूंजी का उपयोग मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करने और अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

**विश्वास एग्री सीड्स आईपीओ**

विश्वास एग्री सीड्स 21 मार्च को एसएमई सेगमेंट में अपना आईपीओ लॉन्च करने के लिए तैयार है, जिसकी सदस्यता 26 मार्च को बंद होगी। विश्वास एग्री सीड्स आईपीओ का प्राइस बैंड 86 रुपए प्रति शेयर है। विश्वास एग्री सीड्स आईपीओ का लॉट साइज 1600 शेयर है। विश्वास एग्री सीड्स आईपीओ की एलोकेशन डेट 27 मार्च, 2024 रखी गई है।

## पिछले हफ्ते बदली पूरी कहानी, 81,763 करोड़ का नुकसान खा बैठे मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पिछला हफ्ता मुकेश अंबानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए कुछ खास नहीं रहा. उनकी कंपनी को करीब-करीब 82 हजार करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा. पहीं दूसरी ओर एलआईसी भी काफी नुकसान में रही. दोनों के नुकसान को जोड़ लिया जाए तो करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है. जबकि देश की टॉप 10 10 कंपनियों में से 5 कंपनियों का नुकसान सवा दो लाख करोड़ रुपए का है. वहीं दूसरी ओर टॉप कंपनियों के मार्केट कैप में 70,467.63 करोड़ रुपए का फायदा हुआ है. जिसमें से टाटा की सबसे बड़ी कंपनी टीसीएस को बड़ा फायदा हुआ है. वहीं फायदे में दूसरे नंबर पर रहने वाली कंपनी सुनील मित्तल की एयरटेल रही. दोनों के फायदे को जोड़ लिया जाए तो करीब 50 हजार करोड़ रुपए का बैठ रहा है. बाकी के 20 हजार करोड़ रुपए का फायदा तीन कंपनियों को हुआ है. पिछले हफ्ते, शेयर बाजार में काफी गिरावट देखने को मिली थी. बांबे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,475.96 अंक यानी 1.99 फीसदी की गिरावट के साथ 72,643.43 अकों पर आ गया. जबकि शुक्रवार को सेंसेक्स में 453.85 अंकों की गिरावट देखने को मिली थी. दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी में 2 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है. वैसे निफ्टी अभी 22000 अंकों से ऊपर बनी हुई है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस कंपनी को कितना नुकसान और कितना फायदा हुआ है.

**इन कंपनियों को हुआ मोटा नुकसान**

देश की टॉप 10 कंपनियों में से 5 कंपनियों के मार्केट कैप में 2,23,660 करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली है. देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का एमकैप 81,763.35 करोड़ रुपए घटकर 19,19,595.15 करोड़ रुपये हो गया. देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी की मार्केअ वैल्यू 63,629.48 करोड़ रुपए घटकर 5,84,967.41 करोड़ रुपए हो गई है. देश का

सबसे बड़ा सरकारी लेंडर भारतीय स्टेट बैंक का मार्केट कैप 50,111.7 करोड़ रुपए कम होकर 6,53,281.59 करोड़ रुपए रह गया. देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में ये एक हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 21,792.46 करोड़ रुपए घटकर 5,46,961.35 करोड़ रुपए पर आ गया है. देश के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 6,363.11 करोड़ रुपए घटकर 7,57,218.19 करोड़ रुपए रह गया.

**इन कंपनियों के मार्केट कैप में हुआ इजाफा**

वहीं दूसरी ओर देश की टॉप 10 कंपनियों में से 5 कंपनियों के मार्केट कैप में 70,467.63 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है. देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में से एक टीसीएस का मार्केट कैप 38,858.26 करोड़ रुपए बढ़कर 15,25,928.41 करोड़ रुपए हो गया. देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में से एक भारती एयरटेल का एमकैप 11,976.74 करोड़ रुपए बढ़कर 6,89,425.18 करोड़ रुपए हो गया.देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में से एक आईटीसी की वैल्यूएशन 7,738.51 करोड़ रुपए बढ़कर 5,23,660.08 करोड़ रुपए हो गई है. देश की बड़ी आईटी कंपनियों में से एक इंफोसिस की वैल्यूएशन 7,450.22 करोड़ रुपए बढ़कर 6,78,571.56 करोड़ रुपए हो गया. देश का सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का एमकैप 4,443.9 करोड़ रुपए बढ़कर 11,03,151.78 करोड़ रुपए हो गया।

## देश में हर सेकंड में कितना यूज होता है डीजल, आंकड़ों में समझें पूरा मामला

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को कार्बन मुक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जीरो कार्बन के प्रयासों के तहत देश की तमाम बड़ी कंपनियां हाइड्रोजन फ्यूल पर काम कर रही हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि देश में हर सेकंड में डीजल की कितनी खपत हो जाती है?

जी हां अगर बता दिया तो आपके भी होश उड़ जाएंगे। देश में हर सेकंड में 2700 लीटर से ज्यादा डीजल धुंए में उड़ जाता है। वास्तव में सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से डीजल और पेट्रोल कंजंप्शन का डाटा जारी किया है। जिसमें कैरिसिन की खपत को लेकर भी रिपोर्ट पेश की गई है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से किस तरह का आंकड़ा पेश किया गया है।

**कैरोसिन की खपत में 26 फीसदी की गिरावट**

देश में केरोसिन या मिट्टी के तेल की खपत में 2013-14 और 2022-23 के बीच साल-दर-साल आधार पर 26 की भारी गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण सरकार की क्लीन एनर्जी को प्रोत्साहन देने की पॉलिसीज हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों ऊर्जा सांख्यिकी भारत 2024 में कहा गया है कि हाल के समय की ऊर्जा नीतियों का प्रभाव देश में ईंधन के रूप में केरोसिन की खपत पर स्पष्ट दिखता है। आंकड़ों से पता चलता है कि केरोसिन की खपत में 2013-14 से 2022-23 तक सालाना आधार (सीएजीआर) पर 25. 78 फीसदी की गिरावट आई है। इसमें लगातार गिरावट देखने को मिली है।

**हर सेकंड में कितना डीजल का यूज**

रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी पेट्रोलियम उत्पादों में एचएसडीओ (डीजल) की खपत में पिछले साल की तुलना में 2022-23 में 12.05 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। कुल फ्यूल खपत में डीजल की हिस्सेदारी सबसे अधिक 38. 52 फीसदी है। पिछले वर्ष की तुलना में पेट्रोल और पेट कोक की खपत में क्रमशः 13. 38 प्रतिशत और 28. 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। डीजल की खपत 2021-22 में 7. 66 करोड़ टन थी जो 2022-23 में 12.05 फीसदी की वृद्धि के साथ 8.59 करोड़ टन हो गई है। इसका मतलब है कि देश में हर एक सेकंड में 2700 से ज्यादा लीटर डीजल यूज होता है।

**नेचुरल गैस के आंकड़े**

रिपोर्ट कहती है कि प्राकृतिक गैस की खपत में समय के साथ उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 के दौरान, ऊर्जा के उद्देश्य से प्राकृतिक गैस की खपत 7.7 प्रतिशत घटकर 36,383 अरब घनमीटर (बीसीएम) रह गई। यह 2021-22 में 39,414 अरब घनमीटर थी। इसी तरह गैर-ऊर्जा उद्देश्य के लिए प्राकृतिक गैस की खपत 1. 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 2021-22 के 22,077 बीसीएम से बढ़कर 2022-23 में 22,319 बीसीएम हो गई।

**बिजली की खपत**

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्राकृतिक गैस की अधिकतम खपत उर्वरक उद्योग में 32.35 प्रतिशत की रही। इसके बाद सड़क परिवहन सहित शहर गैस वितरण नेटवर्क (20. 06 प्रतिशत) का स्थान रहा।

रिपोर्ट में बताया गया है कि बिजली की अनुमानित खपत 2012-13 के 8,24,301 गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) से बढ़कर 2021-22 के दौरान 12,96,300 जीडब्ल्यूएच हो गई। यह सालाना आधार पर 5. 16 प्रतिशत की वृद्धि है।

## जोमैटो को 8.57 करोड़ का जीएसटी नोटिस मिला

**गुजरात के टैक्स डिपार्टमेंट ने की डिमांड, कंपनी का मार्केट कैप 1.39 लाख करोड़**

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो को 8.57 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी ऑर्डर मिला है। गुजरात स्टेट टैक्स के डेप्युटी कमिश्नर ने फाइनेंशियल ईयर 2018-19 के संबंध में कंपनी को यह ऑर्डर जारी किया है। जोमैटो ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि ऑर्डर में कंपनी से 4,11,68,604 रुपए के जीएसटी का पेमेंट करने को कहा गया है। इसके साथ 4,04,42,232 रुपए का ब्याज और 41,66,860 रुपए का जुर्माना भरने को भी कहा गया है। टोटल यह अमाउंट 8,57,77,696 रुपए होता है। यह आदेश जीएसटी रिटर्न्स और अकाउंट्स के ऑडिट के बाद आया है।

**कंपनी ने जीएसटी का कम भुगतान किया**

जोमैटो ने कहा कि जीएसटी ऑर्डर सीजीएसटी अधिनियम 2017 के सेक्शन 73 और सीजीएसटी अधिनियम 2017 के तहत जारी हुआ है। आदेश में कहा गया कि ऑडिट में पाया गया कि कंपनी ने एडिशनल इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया और जीएसटी का कम भुगतान किया। इसके चलते यह जीएसटी ऑर्डर जारी हुआ है।

**जीएसटी ऑर्डर को चुनौती देगी जोमैटो**

जोमैटो का कहना है कि उसने कारण बताओ नोटिस के जवाब में सभी मसलों पर संबंधित दस्तावेजों, सर्कुलर्स आदि के साथ चीजें साफ कर दी थीं। लेकिन ऐसा लगता है कि अधिकारियों ने ऑर्डर पास करते हुए उन पर पूरी तरह से विचार नहीं किया। जोमैटो ने आगे कहा कि वह उचित अधिकारियों के समक्ष इस आदेश को चुनौती देगी।जोमैटो का शेयर शुक्रवार (15 मार्च) को 4.68% की तेजी के साथ 159.90 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 1.39 लाख करोड़ रुपए है। शेयर ने पिछले एक साल में अपने निवेशकों को 191.26% का रिटर्न दिया है।

## इस सप्ताह ये फैक्टर्स तय करेंगे बाजार की चाल, इन बातों पर रखें विशेष नजर

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में पिछले सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। बाजार बीते सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ था। कमजोर वैश्विक बाजार रुझानों और विदेशी पूंजी की निकासी के चलते बाजार में गिरावट रही थी। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 453.85 अंक यानी 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ 72,643.43 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 612.46 अंक तक गिरकर 72,484.82 पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 123.30 अंक यानी 0.56 प्रतिशत गिरकर 22,023.35 अंक पर बंद हुआ था। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स पिछले दिन की भारी गिरावट से उबरने में सफल रहे थे। सेंसेक्स 335.39 अंक यानी 0.46 प्रतिशत चढ़ा था जबकि निफ्टी 148.95 अंक यानी 0.68 प्रतिशत बढ़ा था। इस दौरान निफ्टी ने 470.2 अंक यानी 2.09 प्रतिशत का नुकसान उठाया है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा में सर्वाधिक 4.75 प्रतिशत की गिरावट रही थी। टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी गिरकर बंद हुए थे। भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इंडसइंड बैंक बढ़त के साथ बंद हुए थे। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी। इसके अलावा वैश्विक बाजारों का रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट, विदेशी कोषों की निकासी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि सप्ताह के दौरान दुनिया के कई केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति पर अपने रुख की घोषणा करेंगे। ऐसे में निकट अवधि में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा, "इस सप्ताह मौद्रिक नीति पर सभी का ध्यान रहेगा। फेडरल रिजर्व की दो दिन की नीतिगत बैठक 19 मार्च को शुरू होने जा रही है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक 20 मार्च को ब्याज दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा।" उन्होंने बताया कि इसके अलावा चीन एक साल और पांच साल के कर्ज पर प्रमुख दरों की घोषणा करेगा। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) 19 मार्च को ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। जापान 22 मार्च को ही मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी करेगा।उन्होंने कहा कि इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर सभी की नजर रहेगी।पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,475.96 अंक या 1.99 प्रतिशत के नुकसान में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 470.2 अंक या 2.09 प्रतिशत टूट गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तपसे ने कहा कि अनिश्चितता के बीच निवेशक शेयरों में अपने निवेश के लिए वैश्विक बाजारों के रुख पर निगाह रखेंगे।

## दैनिक पंचांग

**ग्रह गोचर**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | मीन में | मीन .. | 06-13 बजे |
| चंद्र- | मिथुन में | मेष-- | 07-49 बजे |
| मंगल | कुंभ में | वृष-- | 09-34 बजे |
| बुध- | मीन में | मिथुन.. | 11-35 बजे |
| गुरु- | मेष में | कर्क... | 13-47 बजे |
| शुक्र- | कुंभ में | सिंह... | 16-00 बजे |
| शनि- | कुंभ में | कन्या.. | 18-06 बजे |
| राहु- | मीन में | तुला.... | 20-11 बजे |
| केतु- | कन्या में | वृश्चिक. | 22-20 बजे |
| | | धनु..... | 00-34 बजे |
| | | मकर... | 02-41 बजे |
| | | कुंभ.... | 04-31 बजे |

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत **-2550,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-25** सूर्यास्त. - **18-23**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **22:49** - तक उपरान्त दशमी
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , सोमवार **18 March**
नक्षत्र - आर्द्रा- **18 - 10** - तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - सौभाग्य - **16 - 36** - तक उप शोभन
करण- बालव - **10 - 16** - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - होली अष्टान्हिका विधान प्रा.

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 07:53 से 09:23 तक**

**श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec**

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| अमृत | 06:25 - 07:53 शुभ | चंचल. | 18:23 - 19:55 शुभ |
| काल | 07:53 - 09:23 अशुभ | रोग | 19:55 - 21:25 अशुभ |
| शुभ | 09:23 - 10:54 शुभ | काल | 21:25 - 22:54 अशुभ |
| रोग | 10:54 - 12:24 अशुभ | लाभ | 22:54 - 24:24 शुभ |
| उत्पात | 12:24 - 13:54 अशुभ | उत्पात | 24:24 - 01:53 अशुभ |
| चंचल | 13:54 - 15:25 शुभ | शुभ | 01:53 - 03:23 शुभ |
| लाभ | 15:25 - 16:55 शुभ | अमृत | 03:23 - 04:52 शुभ |
| अमृत | 16:55 - 18:23 शुभ | चंचल | 04:52 - 06:25 शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है । उत्तम रहेगा की अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करे ।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा आप इन घटनाओ की वहज से ऐसी नौकरी छोड़ सकते है जिससे आप काफी संतुष्ट है ।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा । हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योंकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती । ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा लेकिन ये दिन इस तरह के एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए उतना अच्छा नहीं है ।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

**कन्या** (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यों को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है । नया क्रय कार्ड न बनवाए ।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है । खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आप एक लापरवाह और असाधारण अवस्था में रहेंगे । आज के दिन आप किसी पार्टी के आयोजन में आनंद लेंगे और आस पास के व्यक्तियों को प्रभावित भी करेंगे । आज आप ये नहीं सोचेंगे की धन कहा से आ जा रहा है जिसकी वजह से आपके वित्त पर एक नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, आपकी लापरवाही के बावजूद , आपका वित्तीय स्वास्थ्य सही रहेगा।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में वापस स्थापित होंगे । आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे और अभी तक आप अपने कार्य और पद की तुलना में काफी अल्प आय प्राप्त कर रहे थे।

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बनेंगे पुतिन

## विपक्ष लगभग खत्म, 5 वजह से 2036 तक रह सकते हैं पद पर

मास्को, 17 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सोवियत संघ टूटने के बाद रूस में अब तक तीन राष्ट्रपति बने हैं। 17 मार्च को राष्ट्रपति पद का चुनाव खत्म होते ही व्लादिमीर पुतिन का पांचवीं बार राष्ट्रपति बनना लगभग तय हो गया है। पुतिन सबसे लंबे समय यानी 20 साल तक राष्ट्रपति रहने वाले रूस के इकलौते नेता हैं। कहा जा रहा है कि चुनाव में उनके खिलाफ पर्चा दाखिल करने वाले भी उनके ही मोहरे थे। पुतिन के इतने लंबे समय तक राष्ट्रपति बने रहने की क्या वजह है और चुनाव में पुतिन को हराना मुश्किल क्यों है... ? इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

31 दिसंबर 1999, भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद रूसी राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने अचानक टीवी पर आकर इस्तीफा दे दिया। रूस के संविधान के मुताबिक तब के प्रधानमंत्री व्लादिमीर पुतिन देश के कार्यवाहक राष्ट्रपति बन गए। इसके बाद पुतिन ने जिस पहली डिक्री (आदेश) पर साइन किया, वो इस बात की एश्योरेंस थी कि पूर्व राष्ट्रपति बोरिस और उनके परिवार पर लगे आरोपों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। ये पुतिन की अपने बॉस के लिए वफादारी थी।

साल 1999 आते-आते पुतिन, बोरिस के करीबियों में शामिल हो चुके थे। इसी का नतीजा था कि 9 अगस्त 1999 को बोरिस ने पुतिन को प्रधानमंत्री बनाकर कैबिनेट में शामिल कर लिया। इतना ही नहीं, बोरिस ने घोषणा की कि वे पुतिन को अपने उत्तराधिकारी के रूप में देखना चाहते हैं। इसके बाद दिसंबर 1999 में बोरिस के इस्तीफा देने पर पुतिन कार्यवाहक राष्ट्रपति बने और चुनाव के बाद 7 मई 2000 को पहली बार रूस के राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

उस समय ये कल्पना भी नहीं की जा सकती थी कि कोई नेता 20 साल तक रूस का राष्ट्रपति रह सकता है। वजह ये थी कि रूसी संविधान के हिसाब से सिर्फ दो लगातार टर्म तक ही कोई राष्ट्रपति रह सकता था, लेकिन तमाम कानूनी अड़चनों और विरोधियों को ठिकाने लगाकर पुतिन करीब 24 साल से रूसी राजनीति की धुरी बने हुए हैं।

### रूसी राष्ट्रवाद के सहारे मजबूत हुए पुतिन

स्पेन के एल्कानो रॉयल इंस्टीट्यूट में रूस मामलों की जानकार मीरा मिलसेविक कहती हैं कि रूस हमेशा एक साम्राज्य रहा है। इसी कारण से रूस ने सोवियत संघ टूटने के बाद अपनी नेशनल आइडेंटिटी बनानी शुरू की। उस समय अमेरिका सहित तमाम पश्चिमी देश रूस को सोवियत संघ जैसी महाशक्ति नहीं समझते थे। सोवियत संघ से अलग होकर बने देशों में नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) का प्रभाव बढ़ रहा था। 2007 में जर्मनी के म्यूनिख में दिए एक भाषण में पुतिन ने सोवियत संघ की टूट को '20वीं सदी में विश्व राजनीति की सबसे भयावह त्रासदी' बताया था। उन्होंने कहा कि ये सोवियत संघ के नाम पर ऐतिहासिक रूस का विघटन था। हम एक अलग ही देश बन गए। हमने 1000 सालों में जो कुछ बनाया, उसका ज्यादातर हिस्सा खो गया।

यही वजह है कि सत्ता में आने के बाद पुतिन एक बार फिर रूस को 'महाशक्ति' बनाने में जुट गए। पुतिन ने उन इलाकों में प्रभाव बढ़ाना शुरू किया जो कभी सोवियत संघ का हिस्सा थे। रूस ने 2008 में जॉर्जिया पर हमला कर दिया। इससे जॉर्जिया के दक्षिण ओसेटिया इलाके पर रूस का कब्जा हो गया।

रूसी राष्ट्रवाद को मजबूती देने के लिए पुतिन ने कई फैसले किए। इसमें 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा और 2022 में हमला कर दोनेत्स्क और लुहांस्क को स्वतंत्र घोषित करना भी शामिल है।

मीरा मिलसेविक बताती हैं कि ये हमले रूस की नेशनल सिक्योरिटी से जुड़े थे। रूस चाहता है कि उसके दुश्मन और उसके बीच दूरी रहे। रूस नाटो को अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। अपने पड़ोसी देशों की नाटो से नजदीकी रूस को बर्दाश्त नहीं है।

### 24 साल में विपक्ष खत्म ज्यादातर विरोधी मारे गए या जेल गए

पुतिन ने अपने विरोधियों को कैसे कमजोर किया, इस बात को इससे समझ सकते हैं कि 2000 के चुनाव में पुतिन के खिलाफ 14 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था, जबकि इस बार सिर्फ तीन उम्मीदवार मैदान में हैं और वो भी पुतिन समर्थक माने जा रहे हैं। पुतिन की ताकत का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि रूसी चुनाव आयोग ने दो प्रत्याशियों, बोरिस नादेज्दीन और याकेतेरिना दनत्सोवा का नामांकन तक रद्द कर दिया हैं। दोनों पुतिन विरोधी और यूक्रेन से शांति के समर्थक हैं। पिछले दो दशकों में रूस से विपक्ष लगभग खत्म हो चुका है। पुतिन के ज्यादातर विरोधी या तो मारे जा चुके हैं या जेल में बंद हैं। साल 2018 के चुनाव में एलेक्सी नवलनी ने पुतिन के खिलाफ पर्चा भरा था, लेकिन उनका भी नामांकन रद्द कर दिया गया। इसके बाद पुतिन के सबसे बड़े विरोधी माने जाने वाले नवलनी को अगस्त 2020 में जहर देकर मारने की कोशिश हुई। इलाज के लिए उन्हें जर्मनी जाना पड़ा। जनवरी 2021 में रूस लौटने के कुछ समय बाद ही उन्हें षड्यंत्र रचने और कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्हें नौ साल की सजा हुई, लेकिन हाल ही में 16 फरवरी को जेल में रहस्यमयी तरीके से उनकी मौत हो गई। यूक्रेन पर हमले के विरोधी इल्या यशिन को साढ़े आठ साल की सजा दी गई। उन पर सेना के बारे में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगा। उन्होंने यूक्रेन हमले के विरोध में यू-टयूब पर लाइव स्ट्रीमिंग की थी। इस दौरान उन्होंने पुतिन को 'युद्ध का सबसे निष्ठुर कसाई' कहा था।

### ओलिगार्कीज को अपने कंट्रोल में लिया

सत्ता चलाने के लिए पैसा जरूरी है। इसी वजह से पुतिन ने ओलिगार्कीज यानी रूस के सबसे अमीर लोगों को अपने कंट्रोल में करना शुरू कर दिया। कम्युनिस्ट से कैप्टलिस्ट बनने के दौरान रूस में जमकर प्राइवेटाइजेशन हुआ। जो इंडस्ट्री, फैक्ट्रियां, खदान आदि सरकारी कंट्रोल में थीं, प्राइवेट हाथों में जाने लगीं। सरकार में अच्छे लिंक रखने वालों को इससे जबरदस्त फायदा हुआ। उन्होंने अकूत दौलत बनाई। यही लोग ओलिगार्क कहलाए। सरकार और अधिकारियों से साठगांठ करके बनाई गई संपत्ति को बचाने के लिए राजनीति पर कंट्रोल रखना जरूरी था। इसलिए ओलिगार्कीज ने तत्कालीन राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन को समर्थन दिया और चुनाव में पैसे से मदद की। इससे रूस की राजनीति में इनकी पैठ गहरी होती गई, लेकिन पुतिन ने सत्ता में आते ही इन पर नकेल कसनी शुरू कर दी। पुतिन की इस नीति से नाराज मिखाइल खोदोरकोव्स्की पर सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोप में कार्रवाई की। उनकी संपत्ति जब्त कर 2003 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे दुनिया की सबसे बड़ी रूसी तेल कंपनी 'युकोस' के मुखिया थे। इससे साफ हो गया कि ओलिगार्की पुतिन के खिलाफ जाते हैं तो उनके साथ क्या हो सकता है।

रूसी संविधान के अनुसार एक राष्ट्रपति दो लगातार टर्म तक ही पद पर रह सकता है। इसका तोड़ निकालने के लिए पुतिन ने जो रास्ता अपनाया वो एक पॉलिटिकल एक्सपेरिमेंट था। पुतिन का दूसरा कार्यकाल 2008 में पूरा हो रहा था। पुतिन ने दिसंबर, 2007 में दिमित्री मेदवेदेव को अपने उत्तराधिकारी के रूप में पेश कर किया। दिमित्री चुनाव के बाद राष्ट्रपति बने। शपथ लेने के एक दिन बाद ही दिमित्री ने 8 मई 2008 को पुतिन को प्रधानमंत्री नियुक्त कर दिया।

दिमित्री ने नवंबर, 2008 में संविधान संशोधन करवाया। इससे राष्ट्रपति का कार्यकाल चार से बढ़कर छह साल हो गया। पुतिन उस समय बैकग्राउंड में थे, लेकिन इसका सबसे बड़ा फायदा उन्हें ही मिला। साल 2012 में चुनाव के बाद पुतिन फिर से रूस के राष्ट्रपति बन गए। पुतिन ने जनवरी, 2020 में संविधान संशोधन के जरिए दो टर्म तक राष्ट्रपति रहने की बाध्यता खत्म कर दी। संशोधन को जायज ठहराने के लिए उन्होंने जनमत संग्रह करवाया। इसमें करीब 60% वोटरों ने हिस्सा लिया जिसमें 76% ने पुतिन के फैसले का समर्थन किया। इसके बाद पुतिन के 2036 तक राष्ट्रपति बने रहने का रास्ता साफ हो गया। इससे पुतिन सोवियत संघ पर तकरीबन तीन दशकों तक राज करने वाले स्टालिन से आगे निकल जाएंगे।

### मिलिट्री एक्सपैंशन से मजबूत बनाई अपनी छवि

पुतिन ने 4 जनवरी 2024 को एक डिक्री (आदेश) पर साइन किया। इसके बाद यूक्रेन युद्ध में रूस की सेना में भर्ती होने वाले विदेशियों को रूसी नागरिकता का रास्ता साफ हो गया। ये सेना में भर्ती बढ़ाने के लिए पुतिन का एक पैंतरा था क्योंकि इससे पहले दिसंबर, 2023 में 1.70 लाख और अगस्त, 2022 में 1.37 लाख सैनिकों की भर्ती का भी आदेश दिया गया था। इसके बाद सैनिकों की संख्या 13 लाख से ज्यादा हो गई।

दिसंबर में ही रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने कहा था कि देश की रक्षा के लिए करीब 15 लाख सैनिकों की जरूरत होगी। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) के अनुसार रूस के पास करीब साढ़े 5 हजार परमाणु हथियार हैं। जिसमें से पुराने हो चुके 1200 हथियारों को हटा दिया गया है। फिर भी उनके पास लगभग 4,380 हथियार हैं।

इसके असर को आप ऐसे समझ सकते हैं कि अगर 400 परमाणु बमों को धरती के अलग-अलग हिस्सों पर गिराया जाए तो पूरी दुनिया खत्म हो जाएगी। ऐसे में रूस दुनिया को 11 बार खत्म कर सकता है। रूस अपने डिफेंस बजट पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले देशों में चौथे नंबर पर है।

# छत्तीसगढ़ में मंत्री-विधायकों से वापस ली जाएंगी गाड़ियां

## सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल, लीव पर गए अधिकारी-कर्मचारी बुलाए गए वापस

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव के चलते जिला प्रशासन भी हरकत में आ गया है। रायपुर कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों की छुट्टी पर बैन लगा दिया है।

कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने आदेश जारी कर कहा कि लोकसभा चुनाव तक कोई भी अधिकारी और कर्मचारी छुट्टी नहीं ले सकेंगे और वे मुख्यालय छोड़कर भी नहीं जा सकते। आचार संहिता लगने से पहले कई अधिकारियों ने छुट्टी के लिए आवेदन किया था। कुछ अधिकारी जो छुट्टी पर थे, उन्हें भी वापस लौट कर आने को कहा गया है।

### आचार संहिता लागू होने पर नेताओं से गाड़ी वापस लेने के निर्देश

आचार संहिता लागू होने के बाद कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने

जनप्रतिनिधियों को आवंटित वाहन वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। चुनाव की तारीख ऐलान के दिन से चुनाव रिजल्ट आने तक सभी नेता और जनप्रतिनिधियों की गाड़ियां वापस ली जाएंगी।

### जिले में धारा 144 लागू

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। अस्त्र-शस्त्र धारण करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आदेश दिया है कि कोई भी व्यक्ति तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरी, कुल्हाड़ी, गुप्ती, त्रिशूल जैसे शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा। केवल जिन सरकारी कर्मचारियों को वेपन रखना है, वही ड्यूटी के दौरान इसे रख सकेंगे।

### इन्हें दी गई छूट

कलेक्टर ने कहा कि यह आदेश उन लोगों पर भी लागू नहीं होगा, जो शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था और दिव्यांगता के कारण सहारे के रूप में लाठी लेकर चलते हैं। धार्मिक आस्था के आधार पर धारित अस्त्र-शस्त्र पर भी यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। रायपुर जिले के अंदर कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के न तो कोई सभा करेगा, ना ही कोई रैली या जुलूस निकाल सकेगा। धरना देने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# शराब घोटाले में झारखंड के सिंडिकेट से सवाल करेगा ईडी

रांची, 17 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) झारखंड के शराब सिंडिकेट से एक बार फिर पूछताछ करने की तैयारी में है। छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा ने 17 जनवरी को जिन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है, उनमें कई वैसे लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले को तो अंजाम दिया ही, झारखंड में भी शराब व्यापार में सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया।

बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय झारखंड में भी हुए शराब घोटाला की जांच कर रहा है। अब तक छानबीन के अनुसार, छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट ने झारखंड में भी बड़े पैमाने पर नकली होलोग्राम के जरिए शराब की बिक्री करवाई। झारखंड में भी प्रिज्म होलोग्राफिक एंड फिल्म्स सिक्यूरिटीज प्राइवेट लिमिटेड नाम

की कंपनी ने होलोग्राम की सप्लाई की थी। झारखंड में भी छत्तीसगढ़ के मॉडल पर ही नकली होलोग्राम की सप्लाई की गई थी।

मई 2022 में शुरू हुआ था झारखंड में नई शराब नीति के तहत कारोबार

झारखंड में नई शराब नीति के तहत शराब का कारोबार मई 2022 से शुरू हुआ था। नई शराब नीति के सलाहकार के रूप में अरुण पति त्रिपाठी को नियुक्त किया गया था। उनका नाम छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा में दर्ज हुई प्राथमिकी में भी है। इसके साथ ही 'प्रिज्म होलोग्राफिक एंड फिल्म्स सिक्यूरिटीज प्रा.लि. को पांच साल के लिए होलोग्राम छापने का ठेका दिया गया।

वहीं राज्य में मैनपावर सप्लाई करने का काम सुमित फैसिलिटीज को सौंपा गया था। इस तरह छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में फंसे लोग और कंपनियां झारखंड में भी शराब के व्यापार में स्थापित हो गए। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में इस कंपनी की भूमिका उजागर होने से पहले तक झारखंड में इसके खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। जून-2023 में सरकार ने प्रिज्म होलोग्राफिक एंड फिल्म्स सिक्यूरिटीज प्राइवेट लिमिटेड से होलोग्राम छापने का काम वापस ले लिया गया।

### झारखंड में 19 मार्च को बारिश का ऑरेंज अलर्ट

रांची, 17 मार्च (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर झारखंड के कई हिस्सों में दिखने लगा है। इस वजह से रांची सहित कई हिस्सों में बारिश हुई। करीब आधे घंटे से अधिक समय तक रांची में करीब 3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा राजधानी और आसपास के कुछ हिस्सों में हल्की ओलावृष्टि भी हुई है। जमशेदपुर में भी बूंदाबांदी बारिश हुई है। 19 मार्च तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की माने तो 21 मार्च तक अलग-अलग जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। 22 मार्च से मौसम समान्य हो सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य हिस्से में कहीं-कहीं गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। हवा की गति 30 किलोमीटर से 40 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है। मौसम विभाग ने 19 मार्च को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

# गर्लफ्रेंड की गला रेतकर हत्या, फिर खुद फांसी पर झूला

## सूरजपुर में नर्सरी में मिली प्रेमी जोड़े की लाश; पास पड़े थे खून से सने ब्लेड

सूरजपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। सूरजपुर जिले में कुम्दा रेलवे फाटक के पास प्रेमी जोड़े के शव मिले हैं। प्रेमी ने प्रेमिका की गला घोंटने के बाद उसकी गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी गला काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। सफल नहीं होने पर फांसी के फंदे पर झूल गया। घटना की सूचना पर सूरजपुर एसपी सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के मुताबिक, दतिमा-विश्रामपुर मुख्य मार्ग पर स्थित बांसबाड़ी में विश्रामपुर के फायर वॉचर आग की जांच के लिए पहुंचे तो एक युवक का शव फांसी पर झूलते देखा। पास ही एक युवती का शव पड़ा था। घटना की सूचना पर विश्रामपुर टीआई अलरिक लकड़ा की टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल पर पुलिस को खून से सने दो ब्लेड भी मिले हैं।

### प्रेमी जोड़े के रूप में हुई पहचान

जांच के दौरान युवती की पहचान कुम्दा बस्ती निवासी पूजा देवांगन (24) और युवक की पहचान ग्राम पंचायत गोपीपुर तेपरा निवासी शिवम पनिका (25) के रूप में हुई। पूजा देवांगन का शव गड्ढे में पड़ा हुआ मिला। उसका गला कटा था। पास ही एक पेड़ पर युवक का शव फांसी पर झूलता हुआ मिला।

अंबिकापुर से फोरेंसिक एक्सपर्ट कुलदीप कुजुर की टीम और सूरजपुर से डॉग स्क्वॉयड की टीम ने मौके पर पहुंच जांच की।

### प्रेमिका की हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका

फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड की जांच में युवती की हत्या के बाद प्रेमी ने आत्महत्या करने की आशंका व्यक्त की गई है। युवती की हत्या के लिए चुन्नी से उसका गला दबाया गया। उसकी मौत नहीं होने पर प्रेमी ने ब्लेड से उसका गला काट दिया। वहीं युवक ने स्वयं के गले पर दो बार वार कर आत्महत्या की कोशिश की। सफल नहीं होने पर उसने स्वयं फांसी लगा ली।

पुलिस पूछताछ में परिजनों ने बताया कि युवक शिवम पनिका शुक्रवार दोपहर बाइक से दोस्तों के साथ घूमने जाना बताकर निकला था और रात को नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। मौके पर एक मोबाइल भी बरामद हुआ है। युवती भी दोपहर से गायब थी। परिजन उसकी भी खोजबीन कर रहे थे।

### युवती की शादी करना चाहते थे परिजन

युवक के पिता राजू पनिका ने बताया कि गुरुवार को ही उसके बेटे ने बताया था कि वह युवती से प्रेम करता है और उसके परिजन उसकी दूसरी जगह शादी की बात कर रहे हैं। उसने दोपहर में शराब भी पी लिया था। उसका सूरजपुर अस्पताल में उपचार कराया गया था।

युवती के पिता परवल देवांगन ने बताया कि पूजा देवांगन की शादी अंबिकापुर निवासी एक युवक के साथ तय होने वाली थी।

# बीजेपी नेता के घर डकैती की कोशिश

## रायपुर में किराएदार पर पत्थर और डंडे से किया हमला

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। नया रायपुर में भाजपा नेता के घर डकैती की कोशिश की गई है। जिसका एक्सक्लूसिव सीसीटीवी वीडियो मिला है। इस घर में भी डकैतों ने वैसा ही पैटर्न इस्तेमाल किया जैसा माना के एक मकान में किया था। हालांकि यहां वो वारदात करने में सफल नहीं हो पाए।

मामला राखी थाना क्षेत्र का है। जनपद पंचायत सदस्य संतराम साहू उपरवाला नया रायपुर में रहते हैं। 14 मार्च की रात करीब 1 बजे उनके दो मंजिला मकान में रहने वाले किराएदार किशन निषाद ने जोरदार आवाज लगाई। जब संतराम दौड़कर ऊपर पहुंचे, तो डरे-सहमे किशन ने बताया कि वो वाशरूम जाने के लिए उठा था। इस दौरान दो नकाब पहने लोग सीढ़ी से ऊपर आ गए।

आरोपियों ने किशन को देखते ही उसके सिर पर डंडे और पत्थर से हमला कर दिया। जब किशन जोरदार चिल्लाया तो आरोपी सीढ़ी से नीचे उतरकर पिछले गेट से भाग खड़े गए। हमले में किशन के हाथ में चोट भी आई है। जब संतराम ऊपर चढ़ रहा था, तो उसने पीछे से एक आरोपी को देखा भी। लेकिन अंधेरा ज्यादा था।

सीसीटीवी में एक आरोपी चेहरे पर कपड़ा बंधे नजर आ रहा है। वो दीवार के पास छिपा हुआ है और बड़ी सावधानी से आगे बढ़ रहा है। फिर वो दरवाजे के पास पहुंचता है। बताया जा रहा है कि नकाबपोश व्यक्ति दरवाजे में घिरनी से छेद करने की कोशिश में था। जिस पैटर्न में माना में वारदात हुआ है। हालांकि कुछ देर ठहरने में बाद वो वहां से भाग गया।

डकैत माना की तरह ही यहां भी अटैक करने के लिए खेत के रास्ते ही पहुंचे थे। घर के आसपास पत्थरों के ढेर भी मिले है। जिसे आरोपियों ने इकट्ठे कर रखे थे। उनका मकसद था कि यदि कोई उन्हें पकड़ने की कोशिश करता तो वे पत्थर से हमला कर देते हैं। लाइट भी बुझा दी गई थी। आसपास के दूसरे घरों के दरवाजे की कुंडी भी बाहर से बंद कर दी गई थी।

# महादेव सट्टा केस में भूपेश बघेल : छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम

## सहित 21 आरोपी; ईडी बोली-ऐप प्रमोटर्स ने हवाला के जरिए दी रकम

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। महादेव सट्टा ऐप केस में आर्थिक अनुसंधान शाखा ने ईडी की शिकायत पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत 21 आरोपियों पर केस दर्ज की है। इसमें ऐप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत कई अज्ञात पुलिस अफसर और कारोबारियों के नाम भी शामिल हैं। ईडी की ओर से दर्ज कराई गई केस में कहा गया है कि महादेव ऐप प्रमोटर्स को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों का संरक्षण प्राप्त था। ऐप के प्रमोटर्स की ओर से कार्रवाई रोकने के लिए इन आरोपियों को बड़ी राशि नियमित रूप से प्रोटेक्शन मनी के रूप में दी गई।

ईडी का आरोप है कि महादेव बुक के ऑपरेटरों के जरिए हवाला से पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और राजनेताओं तक प्रोटेक्शन मनी पहुंचाई जाती थी। इन अफसरों और नेताओं ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए प्रमोटर्स से आर्थिक लाभ प्राप्त करते हुए अवैध संपत्ति अर्जित

की। ईडी ने कई अचल संपत्तियों को प्रोविजनल अटैच किया है।

आर्थिक अनुसंधान शाखा में इन सभी आरोपियों पर 4 मार्च को आपराधिक षड्यंत्र रचने, धोखाधड़ी में धारा 120 बी, 34, 406, 420, 467, 468 471 धारा 7, 11 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 यथा संशोधित भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) अधिनियम 2018 का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। ईडी करीब एक साल से महादेव ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही है। आरोप है कि इसमें छत्तीसगढ़ के उच्च पदस्थ राजनेताओं और नौकरशाहों के शामिल होने का पता चला है। ऐप के दो मुख्य प्रमोटर भी छत्तीसगढ़ से ही हैं। ईडी के अनुसार, इस मामले में करीब 6,000 करोड़ रुपए की आय आंकी गई है। न्यूज एजेंसी पटीआई के मुताबिक, केस में भूपेश बघेल सहित 14 आरोपियों के नाम हैं। महादेव बुक ऐप के प्रमोटर उप्पल, चंद्राकर, सोनी और अग्रवाल ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए ऑनलाइन लाइव मंच बनाया और वॉट्सऐप, फेसबुक, टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सट्टेबाजी में शामिल हुए।

प्रमोटरों ने अलग-अलग प्लेटफॉर्म बनाए और पैनल ऑपरेटरों/शाखा ऑपरेटरों के माध्यम से ऑनलाइन सट्टेबाजी के अवैध कार्य किए। आरोप है कि उन्होंने अवैध कमाई का 70 से 80 फीसदी हिस्सा अपने पास रखा और बाकी पैसा पैनल ऑपरेटरों/शाखा संचालकों को बांट दिया। दावा किया गया है कि 2020 में कोविड-19 के दौरान लॉकडाउन लागू होने के बाद प्रमोटरों और पैनल ऑपरेटरों ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के माध्यम से हर महीने करीब 450 करोड़ रुपए कमाए।

# ट्रम्प बोले- मुझे नहीं चुना तो खूनखराबा होगा

## रैली में शरणार्थियों को जानवर कहा; राष्ट्रपति बाइडेन को भी बेवकूफ बताया

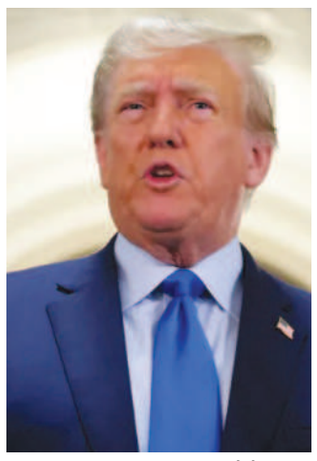

वॉशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प चुनावी रैली में अमेरिकियों को चेतावनी दी। यूएस के ओहायो राज्य में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा, 'अगर मैं चुनाव नहीं जीता तो देश में खूनखराबा मच जाएगा।' ट्रम्प अमेरिका की ऑटो इंडस्ट्री पर मंडराते खतरों पर बोल रहे थे। अचानक उन्होंने खूनखराबे की बात कही। ट्रम्प ने कहा, '5 नवंबर की तारीख को याद रखना, मुझे लगता है कि ये हमारे इतिहास की सबसे अहम तारीख होगी'। ट्रम्प ने 90 मिनट के भाषण में शरणार्थियों के बारे में कहा कि वो इंसान नहीं हैं।

**अमेरिकी संसद पर हमला करने वालों की तारीफ की**

ट्रम्प ने उन लोगों की तारीफ की, जिन्होंने 2020 में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे मानने से इनकार कर दिया और 6 जनवरी 2021 को संसद पर हमला कर दिया था। उन्होंने दावा किया कि 2020 का चुनाव उनसे चुराया गया था।

**डोनाल्ड ट्रम्प ने ओहायो में अपने समर्थकों से कहा कि**

अगर वो इस साल के चुनाव नहीं जीते तो उन्हें नहीं लगता कि आगे चुनाव होंगे। ट्रम्प ने कहा कि दूसरे देश अपनी जेलों से जवान लोगों को निकाल कर अमेरिका भेज रहे हैं। ट्रम्प ने आगे कहा- मुझे नहीं पता आप इन लोगों को क्या कहते हैं। मेरे हिसाब से तो ये लोग ही नहीं है। बाद में ट्रम्प ने शरणार्थियों को जानवर कहा। उन्होंने जो बाइडेन को अमेरिका का सबसे खराब राष्ट्रपति बताया।ट्रम्प ने बाइडेन को कई बार 'स्टुपिड प्रेसिडेंट' कहा। अमेरिका में साल के आखिर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। रिपब्लिकन पार्टी से डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से जो बाइडेन उम्मीदवार हैं।

**ट्रम्प ने कहा था- जीता तो दंगाई समर्थकों को रिहा करूंगा**

रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार चुने जाने से एक दिन पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि अगर वो 2024 में दोबारा राष्ट्रपति चुनाव जीतते हैं तो संसद पर हमले के आरोपी अपने सभी समर्थकों को रिहा करेंगे। 6 जनवरी 2021 को प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में जो बाइडेन ने ट्रम्प को हराया था। इसके बाद ट्रम्प ने इलेक्शन में धांधली का आरोप लगाया था। ट्रम्प के हजारों समर्थकों ने संसद पर हमला बोल दिया था। 1358 लोगों को इस मामले में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया था।

**बाइडेन-ट्रम्प फिर आमने-सामने**

अमेरिका में नवंबर 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर आमने-सामने होंगे। दोनों अपनी-अपनी पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार चुने गए हैं। बाइडेन और ट्रम्प को पार्टी डेलिगेट्स का समर्थन मिल चुका है। रिपब्लिकन पार्टी का प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनने के लिए ट्रम्प को 1,215 डेलिगेट्स का समर्थन जरूरी था। उन्हें 1,228 डेलिगेट्स का समर्थन मिला। वहीं, बाइडेन को डेमोक्रेटिक पार्टी से कैंडिडेट बनने के लिए कुल 1,969 वोट चाहिए थे। उन्हें 2,107 वोट मिले।

## श्रीलंकाई नौसेना ने फिर की कार्रवाई, 21 मछुआरों को पकड़ा, 2 नावें भी जब्त कीं

कोलंबो, 17 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंकाई नौसेना ने 21 मछुआरों को पकड़ लिया है और उनकी दो नावें जब्त कर ली हैं। रामेश्वरम मछुआरा संघ ने ये जानकारी दी है। शुक्रवार को ये खबर सामने आई थी कि श्रीलंकाई नौसेना ने उत्तरी जाफना प्रायद्वीप में कराईनगर के तट से कम से कम 15 भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिया है। ये कार्रवाई द्वीप राष्ट्र के जल से मछली पकड़ने के आरोप में की गई थी। श्रीलंकाई नौसेना ने मछुआरों की नावों को जब्त कर लिया था और मामले की जांच को मत्स्य निदेशालय भेजा था। गौरतलब है कि भारत और श्रीलंका के बीच मछुआरों का मुद्दा अक्सर विवाद के रूप में सामने आता है। श्रीलंकाई नौसेना पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी कर चुकी है। श्रीलंका द्वारा कई बार नावों को जब्त किया जा चुका है। बीते साल श्रीलंकाई नौसेना ने 240 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और उनकी 35 नावों को जब्त किया था।

## लाहौर हाईकोर्ट में भगत सिंह शहादत कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए याचिका, 18 मार्च को होगी सुनवाई

लाहौर, 17 मार्च (एजेंसियां)। सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के 93वें शहादत कार्यक्रम के लिए सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग करते हुए लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल कराई गई। यह कार्यक्रम अगले सप्ताह आयोजित किया जाएगा। भगत सिंह स्मारक फाउंडेशन पाकिस्तान की याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी। फाउंडेशन ने कोर्ट से सरकार को 23 मार्च को लाहौर के शदमान चौक पर निर्धारित कार्यक्रम के लिए सुरक्षा व्यवस्था करने और वाक-थ्रू गेट स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की है। फाउंडेशन के वकील इम्तियाज राशिद कुरैशी ने याचिका में कहा है कि पंजाब सरकार ने सुरक्षा उपलब्ध कराने के आग्रह पर ध्यान नहीं दिया। लाहौर के शदमान चौक पर 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह और उनके दो साथियों शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर को फांसी दी गई थी।

वकील ने कोर्ट को भगत सिंह की स्मृति में एक सत्र के दौरान उन्मादी तत्वों से मिली धमकी के बारे में जानकारी दी। इससे पहले इसी महीने लाहौर हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार और जिला प्रशासन को तीन अधिकारियों के विरुद्ध कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने पर अवमानना की कार्यवाही की मांग पर नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने 2018 में शदमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने का आदेश दिया था।

## इजरायल ने दक्षिणी सीरिया में हवाई हमले को दिया अंजाम, एक सैनिक की मौत

बेरूत, 17 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल ने रविवार को दक्षिणी सीरिया में कई स्थानों पर हवाई हमले किए। इस हमले में सीरिया का एक सैनिक घायल हो गया। एक अनाम सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि हवाई सुरक्षा ने कुछ मिसाइलों को मार गिराया, जो इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स की दिशा से आई थीं। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अधिकारी ने कहा कि इजरायली की ओर से दमिश्क के उत्तर-पूर्व में कलामौन पहाड़ों में दो सैन्य स्थलों पर भी हमला किए। पिछले हफ्ते इजरायली सेना ने कहा था कि उसने पिछले पांच महीनों में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर 4,500 हमले किए हैं, जिनमें से अधिकांश लेबनान में थे, जबकि कुछ सीरिया में थे।

**युद्धविराम को लेकर मिल रहे अच्छे संकेत**

युद्ध के बीच संघर्षविराम को लेकर फिलहाल अच्छे संकेत मिल रहे हैं। कतर में मौजूद इजरायली खुफिया एजेंसी के प्रमुख डेविड बर्निया ने कतर के प्रधानमंत्री और मिस्त्र के अधिकारियों से मुलाकात के बाद इस आशय के संकेत दिए। युद्ध की वजह से अब तक 31 हजार से ज्यादा लोगों की मौत गाजा में अभी तक के युद्ध में मारे जाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 31,553 हो गई है। इजरायली सुरक्षा बलों ने वेस्ट बैंक में शनिवार को भी एक युवक को मारा है। इसके अतिरिक्त लेबनान में इजरायल के हवाई हमले में हमास के दो नेता मारे गए हैं।

# इमरान खान के लिए अच्छी खबर

## लंबी कार्यवाही के बाद इस्लामाबाद कोर्ट ने खारिज किया मामला

इस्लामाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। इस्लामाबाद जिला एवं सत्र अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ दायर 20 अरब पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) के मानहानि के मामले को खारिज कर दिया। जुलाई 2014 में, पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश इफ्तिखार मुहम्मद चौधरी ने 2013 में हुए आम चुनाव में धांधली का आरोप लगाने के लिए इमरान खान को 20 बिलियन पीकेआर का मानहानि नोटिस भेजा था।

**इमरान खान से की थी माफी की मांग**

नोटिस के बाद, चौधरी की कानूनी टीम ने इमरान खान द्वारा अपने बयानों के लिए माफी नहीं मांगने पर कानूनी कार्यवाही शुरू करने की चेतावनी दी। चौधरी ने औपचारिक रूप से जनवरी 2015 में मामला दर्ज किया था। मुकदमे में, पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने इमरान खान पर 27 जून 2014 को प्रकाशित एक बयान में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था और न्यायपालिका के खिलाफ निराधार आरोप लगाए थे।

**इमरान खान के पक्ष में सुनाया फैसला**

रिपोर्ट के मुताबिक, लंबी कार्यवाही के बाद अदालत ने इमरान खान के पक्ष में फैसला सुनाया और चौधरी द्वारा दायर मुकदमे को खारिज कर दिया और मानहानि नोटिस को कालातीत करार दिया। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि मानहानि अध्यादेश 2022 के तहत वादी को मानहानिकारक सामग्री के प्रकाशन की जानकारी होने की तारीख से छह महीने के भीतर मुकदमा दायर करने की आवश्यकता है और ऐसा करने में विफलता की धारा 12 मानहानि अध्यादेश 2002 के अनुसार मुकदमा कालबाधित हो जाएगा।

**अभी कहां हैं इमरान?**

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक वर्तमान में अदियाला जेल में कैद हैं। अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से बाहर होने के बाद से उन्हें कई कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, पाकिस्तान में 8 फरवरी को हुए चुनावों में पीटीआई से जुड़े उम्मीदवारों का दबदबा रहा।

## ब्रिटिश शाही घराने की बहू को लेकर गहराया रहस्य, महल के कर्मचारियों का दावा- कई दिनों से केट को नहीं देखा

लंदन, 17 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटिश राजघराने की बहू और वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन को लेकर रहस्य गहराता जा रहा है। कई दिनों से केट मिडलटन को नहीं देखा गया है और महल के कई वरिष्ठ कर्मचारियों ने भी दावा किया है कि उन्होंने भी कई दिनों से ने वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन को देखा है और न ही उनसे बात हुई है। प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन जिस केनसिंग्टन पैलेस में रहते हैं और बताया जा रहा है कि पेट की सर्जरी के बाद केट मिडलटन केनसिंग्टन पैलेस में ही आराम कर रही हैं, लेकिन महल के कर्मचारियों का ही कहना है कि उन्होंने कई दिनों से केट को नहीं देखा है। केट मिडलटन को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चाएं चल रही हैं। कुछ यूजर्स का कहना है कि केट मिडलटन कोमा में हैं। केट मिडलटन को लेकर चर्चाओं का दौर तब शुरू हुआ, जब बीते दिनों मदर्स डे के अवसर पर केनसिंग्टन पैलेस द्वारा केट मिडलटन का उनके बच्चों के साथ एक तस्वीर जारी की गई। इस तस्वीर के साथ मदर्स डे की शुभकामनाएं दी गईं थी, लेकिन इस तस्वीर के साथ कांट-छांट की गई थी, जिसके बाद ब्रिटिश राजघराने की तरफ से भी तस्वीर से कांट-छांट होने की पुष्टि की गई और तस्वीर को वापस ले लिया गया। इसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई और केट मिडलटन की सेहत को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। केट मिडलटन बीते क्रिसमस से सार्वजनिक तौर पर दिखाई नहीं दी हैं। राजपरिवार की तरफ से जारी बयान में कहा गया था कि पेट की सर्जरी के बाद केट मिडलटन अस्पताल से छुट्टी लेकर 29 जनवरी को विंडसर पैलेस आ गईं थी, लेकिन उनके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही है। कैनिंग्स्टन पैलेस की तरफ से भी इस बारे में कोई बयान जारी नहीं किया जा रहा है।

# 50 लाख पर भुखमरी का संकट, 7 लाख से ज्यादा बच्चे कुपोषण का शिकार, इस देश पर कैसी आफत?

सूडान, 17 मार्च (एजेंसियां)। पिछले साल से चल रहे युद्ध के चलते भयानक संकट का सामना कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि युद्ध के बीच सूडान में 50 लाख लोग भयानक भूख का शिकार हो सकते हैं और देश भुखमरी और अकाल की ओर बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र सहायता प्रमुख का कहना है कि 730,000 सूडानी बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि आने वाले महीनों में सूडान में लगभग 5 मिलियन लोगों को भयानक भुखमरी का सामना करने का खतरा है। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को एक नोट में, संयुक्त राष्ट्र सहायता प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने बताया कि सूडान में चल रहे गृहयुद्ध के कारण देश की पैदावार पर काफी असर पड़ा, लोगों के काम-काज, आजीविका भी इससे काफी प्रभावित हुई है, लोगों को व्यापार में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, देश में महंगाई बढ़ रही है, साथ ही देश में चल रहे युद्ध की वजह से लाखों लोग देश छोड़ने को मजबूर हैं, जिन सब की वजह से सूडान में भुखमरी का स्तर बढ़ रहा है। ग्रिफिथ्स ने लिखा, "तत्काल मानवीय सहायता और बुनियादी चीजों के बिना आने वाले महीनों में देश के कुछ हिस्सों में लगभग 5 मिलियन लोग भयानक भूख का शिकार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि संभावना है कि सुरक्षा बिगड़ने की वजह से पश्चिम और मध्य दारफुर में कुछ लोगों को अकाल का सामना करना पड़ेगा। ग्रिफिथ्स ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पार्टियों को अब युद्ध को रोक देना चाहिए और नागरिकों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 730,000 सूडानी बच्चे – जिनमें दारफुर में 240,000 से अधिक बच्चे शामिल हैं, गंभीर कुपोषण का शिकार हैं।

**युद्ध की वजह**

15 अप्रैल 2023 को सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) प्रमुख अब्देल फतह अल-बुरहान और उनके पूर्व डिप्टी मोहम्मद हमदान डागलो, अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के कमांडर के बीच सत्ता और ताकत को लेकर जंग छिड़ गई थी। जिस के बाद देश में युद्ध शुरू होने से सूडान में हजारों लोग मारे गए। लगभग 8।3 मिलियन लोग देश से विस्थापित हो गए हैं, कई लोग पड़ोसी देश चाड और दक्षिण सूडान में रहने को मजबूर हो गए हैं।

**युद्धविराम खारिज**

वहीं चिंता की बात ये है कि देश में युद्ध विराम की कोई स्थिति नजर नहीं आरही है। पिछले हफ्ते, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मुस्लिमों के पवित्र महीने रमज़ान की शुरुआत के बाद युद्धविराम का आह्वान किया था। लेकिन एसएएफ ने युद्धविराम को खारिज कर दिया और कहा कि वो हमले तभी रोकेगा जब आरएसएफ उस जगह से हट जाएगा जिस पर उसका अब नियंत्रण है। बता दें, 12 मार्च को, एसएएफ ने सूडान के दूसरे सबसे बड़े शहर ओमडुरमैन में राष्ट्रीय रेडियो और टेलीविजन भवन पर कब्जा कर लिया। ग्रिफिथ्स का कहना हैं कि, देश के 50 मिलियन लोगों में से आधे को मदद की जरूरत हैं और वहीं 18 मिलियन लोग अकाल की राह पर हैं।

## मुस्लिम दुनिया के नेता हैं एर्दोगन: भारत के बाद अब सऊदी से 'पंगा' ले रहा मालदीव, तुर्की की तारीफ में जुटे मुइज्जू

माले, 17 मार्च (एजेंसियां)। मालदीव के भारत विरोधी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने हाल में तुर्की से ड्रोन खरीदा था। मुइज्जू अब तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की तारीफ के पुल बांध रहे हैं। राष्ट्रपति मुइज्जू ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की तारीफ करते हुए उन्हें इस्लामी दुनिया का नेता बताया। हालांकि तुर्की खुद को एक धर्मनिरपेक्ष देश बताता है। मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स (एमएनडीएफ) एयर कॉर्प्स के उद्घाटन के लिए शुक्रवार की रात नूमू माफारू में बोलते हुए मुइज्जू ने कहा कि एर्दोगन इस्लामी दुनिया को गौरवान्वित करते हैं। मालदीव ने हाल ही में तुर्की की कंपनी बायरकतार से ड्रोन खरीदे हैं। मालदीव अब ड्रोन के जरिए अपनी समुद्री सीमा की निगरानी करेगा। मुइज्जू ने कहा कि एर्दोगन ने लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुइज्जू ने कहा, 'मुझे इसमें सबसे बड़ा समर्थन तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से मिला, जिन पर इस्लामिक उम्मा को गर्व है और जिन्हें हम सभी इस्लामिक उम्मा के अग्रणी व्यक्ति के रूप में देखते हैं।' उन्होंने कहा कि मालदीव को तीन ड्रोन मिले हैं। लेकिन तुर्की से घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों के कारण इसमें बढ़ोतरी की उम्मीद है।

**तुर्की की कर रहे तारीफ**

उन्होंने आगे कहा कि इसका ज्यादातर हिस्सा तुर्किए से दान के जरिए प्राप्त हुआ है। मुइज्जू ने यह भी कहा कि पद संभालने के बाद उन्हें तुर्की से निमंत्रण मिला। तुर्की की आधिकारिक यात्रा के दौरान ड्रोन खरीदने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, 'जनता की तरफ से मुझे जिम्मेदारी सौंपने का फैसला करने के दो हफ्ते से भी कम समय के बाद उन्होंने मुझे देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया और गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। आज इसका (ड्रोन) वास्तविकता बनने का कारण उनका (एर्दोगन) इस पर ध्यान देना है।'

**पाकिस्तान के नक्शे कदम पर मालदीव!**

हालांकि अभी तीन ड्रोन को उपयोग में लिया गया है। मुइज्जू का कहना है कि भविष्य में और भी ड्रोन इस्तेमाल में लाए जाएंगे। उन्होंने कहा एर्दोगन के साथ उनके करीबी रिश्ते से भी इसमें मदद मिलेगी। हालांकि तुर्की को इस्लामिक दुनिया का लीडर बताना सऊदी अरब को नाराज कर सकता है। कुछ इसी तरह का काम पाकिस्तान ने किया था। पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम इमरान खान कश्मीर पर ओआईसी की मीटिंग बुलाना चाहते थे, लेकिन सऊदी ने ऐसा नहीं होने दिया। तुर्की और मलेशिया के साथ मिलकर इमरान एक नया ओआईसी बनाना चाहते थे, जिससे सऊदी नाराज हो गया। सऊदी ने तब पाकिस्तान से बिना ब्याज का एक अरब डॉलर का कर्ज वापस मांग लिया था।

## 'पीटीआई-एसआईसी का विलय सर्वोत्तम निर्णय', पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान ने फैसले पर जताई खुशी

इस्लामाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के विलय पर पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने मौजूद परिस्थितियों में 'गंभीर और सर्वोत्तम निर्णय' लिया। दरअसल, उनका यह बयान पीटीआई और एसआईसी विलय पर पार्टियों के अंदर से कुछ परस्पर विरोधी आवाजें उठने के बाद आया है। उन्होंने कहा कि 'न केवल आरक्षित सीटें, बल्कि हम अपने स्वतंत्र उम्मीदवारों से भी सुरक्षा प्राप्त करना चाहते थे, क्योंकि किसी राजनीतिक दल में विलय से दलबदल भी रुक जाएगा।' गोहर ने पीटीआई के संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ 190 मिलियन यूरो के घोटाले मामले की सुनवाई के बाद अदियाला जेल के बाहर मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। उन्होंने दोहराया कि पीटीआई-एसआईसी विलय बहुत विचार-विमर्श के बाद लिया गया सबसे अच्छा निर्णय था। पीटीआई अध्यक्ष गोहर ने आगे उम्मीद जताई कि शीर्ष अदालत इमरान खान की पार्टी को न्याय प्रदान करेगी, जिसे महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटें पाने के योग्य होने के कारण खारिज कर दिया गया था। उन्होंने विस्तार से बताया कि पीटीआई की नजर कुल 80 सीटों पर है, जिनमें महिलाओं के लिए 67 आरक्षित सीटें और अल्पसंख्यकों के लिए 11 सीटें शामिल हैं।

गोहर ने कहा कि वे यह जानने के लिए शीर्ष अदालत से संविधान के अनुच्छेद 51 की व्याख्या भी मांगेंगे कि क्या किसी पार्टी को जीतने वाली सीटों के अनुपात से अधिक आरक्षित सीटें मिल सकती हैं या नहीं। गोहर ने घोषणा की कि पीटीआई को आरक्षित सीटें देने से इनकार करने के पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के फैसले को बरकरार रखने वाले पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इससे पहले गुरुवार को, पीटीआई को एक बड़ा झटका लगा जब पीएचसी ने ईसीपी के फैसले को चुनौती देने वाली पीटीआई समर्थित एसआईसी की याचिका को खारिज कर दिया, जिसने पार्टी को आरक्षित सीटें देने से इनकार कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने आगे कहा कि 'याचिकाएं सर्वसम्मति से खारिज कर दी गईं।'

इसके अलावा, उन्होंने विदेशों में चल रहे विरोध प्रदर्शनों से किसी भी तरह के जुड़ाव को भी खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी का अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) मुख्यालय के बाहर हाल के प्रदर्शनों में कोई हिस्सा नहीं था। बैरिस्टर गौहर ने कहा कि अगर विदेशी पाकिस्तानी कुछ बना रहे हैं तो यह उनका अपना फैसला होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 2024 के आम चुनावों में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विदेशों से आए कई पीटीआई कार्यकर्ताओं ने वाशिंगटन में आईएमएफ और डब्ल्यूबी मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन की पाकिस्तानी सरकार द्वारा उस समय भी आलोचना की गई जब देश अपने आर्थिक संकट को दूर करने के लिए आईएमएफ से एक और बेलआउट पैकेज की मांग कर रहा था। एक सवाल के जवाब में पीटीआई अध्यक्ष गोहर ने कहा कि पार्टी ने आईएमएफ से पाकिस्तान को वित्तीय सहायता देना बंद करने के लिए नहीं कहा; हालाँकि, इसने स्वीकार किया कि पार्टी ने वैश्विक ऋणदाता से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और अपने धन के पारदर्शी आवंटन के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को वापस लेने का आग्रह किया।

## अब सिर्फ तेल पर निर्भर नहीं रहा सऊदी अरब, कैसे आ रहा इतना बड़ा बदलाव

रियाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। किसी वक्त में अपने तेल और कट्टर कानून को लेकर पहचान रखने वाला सऊदी अरब अब तेजी से बदल रहा है। तेल पर निर्भर रहने वाला ये देश अब टूरिज्म, आर्ट-एंटरटेनमेंट और प्राइवेट सेक्टर से भी मोटी कमाई कर रहा है। देश की इकॉनोमिक एंड प्लानिंग मिनिस्ट्री के मुताबिक साल 2023 में सऊदी अरब की जीडीपी में नॉन-ऑइल एक्टिविटी ने 50 फीसदी का योगदान दिया है, ये अब तक की उच्चतम दर है। गैर-तेल आर्थिक गतिविधि में ये तेजी निवेश, उपभोग और निर्यात में निरंतर वृद्धि की सरकार की कोशिशों की वजह से देखने मिली है। बता दें सऊदी अरब की नॉन-ऑइल इकॉनोमी कुल $453 बिलियन हो गई है। इसके अलावा पिछले दो सालों में गैर-सरकारी निवेश में 57 फीसदी की तेजी देखी गई है। इसके साथ ही 2023 में इसकी वैल्यू 255 बिलियन डॉलर के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। जीडीपी में गैर तेल उत्पाद की बढ़ती हिस्सेदारी सऊदी क्राऊन प्रिंस के विजन 2030 का प्रमुख लक्ष्य है।

**किस सेक्टर ने ज्यादा दिया योगदान?**

नॉन-ऑयल एक्टिविटी की ग्रोथ में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी कला और मनोरंजन की है। ये सेक्टर 2021-22 से बढ़कर 2023 में दोगुना हो गया है। इसके अलावा पर्यटन में भी चौकाने वाली वृद्धि देखने मिली है। नॉन-ऑयल एक्टिविटी में आई इस तेजी से मालूम होता है कि सऊदी सरकार अपने विजन 2030 को लेकर बहुत गंभीरता से आगे बढ़ रही है।

**समाजिक सेवाएं भी नहीं पीछे**

सऊदी अरब की समाजिक सेवाओं में खूब तरक्की हुई है और देश की तेल से निर्भरता कम करने में इनका भी अहम योगदान है। देश की समाजिक सेवाओं में कुल 10.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें ट्रांसपोर्ट एंड कम्यूनिकेशन में 3.7 फीसद और रेसरेस्तरां और होटलों में 7 फीसद की बढ़त दर्ज की गई।

**क्या है विजन 2030?**

विजन 2030 सऊदी क्राऊन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिसमें तेल से देश की निर्भरता खत्म करने के साथ-साथ सऊदी को एक रुणिवादी इस्लामिक राष्ट्र से मॉर्डन इस्लीमिक देश बनाना शामिल है। जिसको लेकर सऊदी प्रिंस ने देश के कानून में भी कई बदलाव किए हैं।

# भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और एमएलए आक्या में सुलह

## चंद्रभान ने जोशी के खिलाफ चुनाव लड़ने का किया था ऐलान

चित्तौड़गढ़, 17 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या में सुलह हो गई है। दोनों के बीच लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करने पर सहमति बनी है। जयपुर स्थित सीएम हाउस में मीटिंग चली। निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने मध्यस्थता की।

चंद्रभान सिंह अब पूरा समर्थन बीजेपी को देने के लिए राजी हो गए हैं। मीटिंग में बीजेपी से निष्कासित कार्यकर्ताओं को भी वापस पार्टी में लेने की बात हुई है। इन कार्यकर्ताओं को दो दिन बाद औपचारिक रूप से पार्टी जॉइन करवाई जाएगी।

यह वो बीजेपी कार्यकर्ता हैं, जो विधानसभा चुनाव के दौरान निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह के साथ जुटे थे। सीएम भजनलाल की मौजूदगी में निंबाहेड़ा विधायक श्रीचंद्र कृपलानी, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या मीटिंग में रात 1 बजे तक रहे।

सीएम भजनलाल के निर्देश के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता श्रीचंद कृपलानी लगातार दोनों नेताओं का मनमुटाव को खत्म करने की कोशिश कर रहे थे। इसी बीच चंद्रभान सिंह ने लोकसभा में भी खुद के चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। इसके बाद दोनों के बीच चल रही कोल्ड वॉर फिर से सामने आने लगी थी।

विधायक चंद्रभान सिंह के समर्थकों की संख्या ज्यादा है। ऐसे में दोनों नेताओं के टकराव से कांग्रेस को फायदा मिलने की आशंका थी। सीपी जोशी और आक्या के एक होने के बाद कांग्रेस की परेशानियां बढ़ सकती हैं।

**आक्या का टिकट कटा तो जोशी पर लगाए थे आरोप**

चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी और विधायक चंद्रभान सिंह आक्या में कई साल से मनमुटाव था। दोनों पार्टी के लिए काम कर रहे थे। विधानसभा चुनाव में चित्तौड़गढ़ सीट से टिकट काटे जाने के बाद आक्या ने बगावत कर दी थी।

टिकट काटने का आरोप सीपी जोशी पर लगाया था। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने निर्दलीय चुनाव लड़ा था और जीते थे। आक्या के सामने बीजेपी प्रत्याशी नरपत सिंह राजवी की जमानत जब्त हो गई थी।

**शेखावत और राठौड़ में भी सबकुछ ठीक करने का प्रयास**

करीब एक सप्ताह पहले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के बीच भी मुख्यमंत्री भजनलाल ने सुलह कराने की कोशिश की थी। सीएम की मौजूदगी में हुई इस बातचीत के बाद किसी तरह का बयान सामने नहीं आया है। हालांकि सीएम से मुलाकात के बाद शेखावत और राठौड़ ने साथ फोटो खिंचवाए। इन फोटो को सार्वजनिक किया गया है। दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से खींचतान रही है।

# क्या यूडीएच मंत्री खर्रा को होगी सजा ?

## भ्रष्टाचार के मामले में आरोप तय, 18 साल पुराने केस में कोर्ट ने कहा- टेंडर में फर्जीवाड़ा किया

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। एसीबी कोर्ट ने 18 साल पुराने पीएचईडी के पाइप खरीद के 14.14 लाख रुपए के घोटाले में पंचायत समिति श्रीमाधोपुर के तत्कालीन प्रधान झाबर सिंह खर्रा व तत्कालीन विकास अधिकारी उम्मेद सिंह राव सहित पांच पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के चार्ज तय किए हैं। जिन अन्य के खिलाफ ये चार्ज तय हुए हैं उनमें पंचायत समिति के तत्कालीन जेईएन कृष्ण कुमार गुप्ता, तत्कालीन कनिष्ठ लेखाकार नेहरू लाल व बधाला कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक भैरूराम भी शामिल हैं। बता दें झाबर सिंह खर्चा अब राजस्थान सरकार में यूडीएच मंत्री हैं।

इन सभी पर कोर्ट ने मिलीभगत करके भैरूराम को टैंडर दिलाने और उसके बाद ज्यादा भुगतान जारी करने के मामले में आरोप तय किए हैं।

**बिना अनुभव के दिया टैंडर**

आदेश में एसीबी कोर्ट के जज बृजेश कुमार ने कहा- तत्कालीन प्रधान झाबर सिंह खर्रा ने सह आरोपी कृष्ण कुमार गुप्ता व नेहरूलाल के साथ मिलकर 8 मार्च, 2006 को आपराधिक षड्यंत्र के तहत पेयजल आपूर्ति के प्रस्ताव के लिए पंचायत समिति की एक बैठक की।

इसके बाद उन्होंने टेंडर में भाग लेने वाले भैरूराम से आपराधिक षड्यंत्र के तहत मिलीभगत व अपने लोक सेवक पद का दुरुपयोग करते हुए टेंडर प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा किया था। समिति ने भैरूराम के पीवीसी पाइप का अधिकृत ठेकेदार नहीं होने और इस काम का उसे कोई अनुभव नहीं होने के बाद भी उसे सफल बोलीदाता घोषित कर टेंडर जारी कर दिया।

**फर्जीवाड़ा करके ज्यादा भुगतान किया**

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि भैरूराम को पंचायत समिति ने पाइप खरीद के 27 लाख 38 हज़ार 477 रुपए का भुगतान किया, जबकि जांच से यह प्रथम दृष्टया साबित होता है कि भैरूराम ने गोयाल पाइप से 13 लाख 24 हज़ार 339 रुपए में पाइप की खरीद की थी।

ऐसे में इन सब ने मिलकर राजकोष को 14 लाख 14 हज़ार 78 रुपए का नुकसान पहुंचाया। इनका यह कृत्य पीसी एक्ट और आईपीसी की धारा 120 के तहत अपराध माना जाएगा। वहीं, टेंडर देने में फर्जी दस्तावेज का भी उपयोग किया है। यह धोखाधड़ी के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

भैरूराम ने टेंडर के अनुसार 6 केजी क्षमता के पाइप सप्लाई करने की बजाय गोयल पाइप उद्योग से 4 केजी प्रेशर क्षमता के पाइप खरीदे थे। जिसका सत्यापन भी गलत तरीके से इन लोगों ने किया गया था।

**अब चलेगा ट्रायल**

चार्ज तय होने के बाद अब मंत्री खर्रा सहित अन्य पांच लोगों पर ट्रायल चल सकेगा। कोर्ट अब इन पांचों के खिलाफ भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के चार्ज पर ट्रायल चलाएगी। जिसमें दोनों पक्षों की तरफ से अपनी-अपनी दलीलें दी जाएंगी और ट्रायल खत्म होने के बाद फाइनल फैसला आएगा।

हालांकि इसके बीच में ही मंत्री खर्रा समेत कोई भी आरोपी हाईकोर्ट में रिवीजन दायर करके निचली कोर्ट के चार्ज तय करने के फैसले को चुनौती दे सकेगा। अगर एसीबी कोर्ट के फैसले पर हाईकोर्ट रोक लगाती है तो फिर पूरी प्रक्रिया रुक जाएगी।

# कांग्रेस नेता अमीन पठान के खिलाफ मुकदमा दर्ज

## अमीन और उनकी पत्नी के समेत अन्य के खिलाफ अनंतपुरा थाने में राजकार्य का मुकदमा

कोटा, 17 मार्च (एजेंसियां)। कोटा के अनंतपुरा थाने में कांग्रेस नेता अमीन पठान के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। अमीन पठान आरसीए के पूर्व उपाध्यक्ष रहे हैं। अमीन और उनकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। अनंतपुरा थाने के सीआई भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि वन विभाग के रेंजर संजय नागर ने शिकायत दी है। जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया है कि विभाग की टीम राजस्व विभाग, यूआईटी और पुलिस के साथ

आनंदपुरा गांव में सीमांकन करने गए थे।

जहां पर एक फार्म हाउस बना हुआ है जो कि वन विभाग की जमीन पर है। इस फॉर्म हाउस का भी सर्वे किया और लाल निशान लगा दिए। यहां सीमाकंन के बाद पत्थरगढ़ी करनी थी। टीम अपना काम कर रही थी इसी दौरान अमीन पठान और उनकी पत्नी रजिया पठान आए।

उनके साथ दस पंद्रह लोग भी थे। आते ही उन्होंने गाली गलौज करना शुरू कर दिया। विरोध किया तो हाथापाई की कोशिश की। जिसके बाद टीम ने लौट कर अनंतपुरा थाने में मुकदमा दर्ज करवाया। मामले में पुलिस ने राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# सांसद जौनपुरिया पर हरीश चंद्र मीना ने बोला हमला

## कहा- जनता को फैसला करना है कि कैसा सांसद चाहिए

टोंक, 17 मार्च (एजेंसियां)। टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी हरीश चंद्र मीना ने वर्तमान सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया पर जमकर हमला बोला है। जौनपुरिया का नाम लिए बगैर मीना ने कहा कि जनता को फैसला करना है कि उन्हे कैसा सांसद चाहिए। काशतौर से जो अपराधी पृष्टभूमि का हो, जिसके हरियाणा, दिल्ली से वारंट आ रहे हो। मीना ने कहा कि मेरे उपर कोई किसी तरह का ऐसा मामला बता दे, जो जनहित के खिलाफ हो।

दरअसल कांग्रेस लोकसभा

प्रत्याशी (देवली-उनियारा विधायक) हरीश चंद्र मीना टिकट मिलने के बाद पहली बार टोंक आए। जहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। बाद में उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर इस चुनावों में एकजुट होकर जीताने के लिए तन मन से जुटने का आव्हान किया।

इस मौके पर मीना ने कहा कि कांग्रेस का प्रदर्शन इस बार अच्छा रहेगा। कांग्रेस कम से कम 12 सीटे राजस्थान में जीतेगी। मीना बोले कि बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी स्वयं चुनाव हार रहे है। बीजेपी ने लोगों को गुमराह किया है। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा, नेता रामबिलास चौधरी, निवाई के पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, मूलचंद बैरवा आदि मौजूद रहे।

हरीश चंद्र मीना ने कहा कि बीजेपी, कांग्रेसियों को भ्रष्टाचारी बता रहे है तो उन्हे उनकी पार्टी में क्यो ले रहे है। बीजेपी खुद भ्रष्टाचार कर रही है। मीणा ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में कल्पतरु पावर प्लांट है। उसके 17 अगस्त 2023 को रेड पड़ती है। 24 सितंबर 2023 को प्लांट प्रबंधन 100 करोड़ का बॉन्ड खरीदता हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे काला धन सफ़ेद होता है। ये तो सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद है जिन्होंने इसका पर्दाफाश कर दिया।

## अफीम तस्करी करते आरटीओ इंस्पेक्टर सहित 2 गिरफ्तार

### सुमेरपुर आरटीओ इंस्पेक्टर-ड्राइवर को चारभुजा पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजसमंद, 17 मार्च (एजेंसियां)। राजसमंद में चारभुजा पुलिस ने सुमेरपुर के आरटीओ इंस्पेक्टर सहित दो आरोपियों को अफीम तस्करी करने पर गिरफ्तार कर बोलेरो वाहन जब्त किया।

राजसमंद पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। विशेष अभियान के क्रम में रविवार को चारभुजा थाना इंचार्ज गोवर्धन सिंह ने कार्रवाई की।

पुलिस टीम का गठन कर अवैध मादक पदार्थ तस्करी के आरोपियों की धरपकड़ के लिए थाना क्षेत्र में नाकेबंदी की गई थी। इस दौरान गोमती चौराहे की ओर से बोलेरो जीप रुकवाई गई व तलाशी ली। इस दौरान बोलेरो के ड्राइवर नेरू लाल गुर्जर (40) पुत्र केसर लाल निवासी वरदड़ा पुलिस थाना केलवाड़ा व दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम इंस्पेक्टर आरटीओ सुमेरपुर सोहन लाल (56) पुत्र लिखमा राम सरगरा निवासी राजकीय चिकित्सालय बिलाड़ा बताया। उनके कब्जे से कुल 50 ग्राम 240 मिलीग्राम अवैध अफीम बरामद की गई।

इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर अवैध अफीम व बोलेरो वाहन जब्त किया। आरोपियों ने अफीम मांगी लाल गुर्जर पुत्र चमना राम गुर्जर निवासी उमरिया खरनोटा थाना चारभुजा से खरीदकर लाना व अफीम के एडवांस में साई पेटे एक लाख रुपये मांगीलाल को देना बताया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच आमेट थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह को सौंपी।

# टक्कर के बाद 25 फीट ऊंची पुलिया से गिरे पति-पत्नी

## जयपुर में एग्जाम देने जा रही सरकारी टीचर समेत दो की हुई मौत

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाईवे पर रविवार सुबह पौने 8 बजे अज्ञात वाहन ने बाइक सवार पति-पत्नी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार उछलकर 25 फीट ऊंची पुलिया से नीचे आकर गिरे। हादसे में दोनों की मौत हो गई।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन फरार हो गया। पुलिस पति-पत्नी के शव को कावंटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

एक्सीडेंट थाना (वेस्ट) के हेड कॉन्स्टेबल भरत सिंह ने बताया- हादसे में राजेंद्र प्रसाद वर्मा (39) पुत्र मालीराम वर्मा और उनकी पत्नी संजू लता वर्मा (34) निवासी उदयपुरिया गांव हरमाड़ा की मौत हो गई। प्राइवेट जॉब करने वाले राजेन्द्र की पत्नी संजू लता 20 फरवरी को अजमेर में सेकेंड ग्रेड टीचर लगी थी।

**कॉम्पिटिशन एग्जाम का पेपर था**

घटनाक्रम के मुताबिक, रविवार सुबह संजू लता का कॉम्पिटिशन एग्जाम का पेपर था। संजू लता को बाइक पर बैठाकर पति राजेन्द्र कुमार पेपर दिलाने सांगानेर ले जा रहे थे। सुबह करीब पौने 8 बजे करणी विहार थाना क्षेत्र में खिरणी फाटक के पास एक्सप्रेस हाईवे पर अज्ञात वाहन पीछे से टक्कर मारकर फरार हो गया।

**पुलिया से नीचे गिरे पति-पत्नी**

टक्कर इतनी जबरदस्त थी की पति-पत्नी पुलिया से 25 फीट नीचे गिरने से लहूलुहान हो गए। दोनों को राहगीरों ने हॉस्पिटल पहुंचाया। हॉस्पिटल में डॉक्टर्स ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शवों को कावंटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक को खड़ा करवाकर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

राजेंद्र प्रसाद वर्मा और संजू लता वर्मा की मौत के बाद घर में मातम छा गयाष। दोनों की दो बेटियां है। इनमें यशस्वी 10 साल की है। वहीं, दीप्ती अभी 8 साल की है। छोटी सी उम्र में दोनों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया।

# पुलिस की दबिश, नकली नोट मिले

## 500 रुपए के 104 नोट जब्त, आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर, 17 मार्च (एजेंसियां)। बालोतरा के सिणधरी गांव में पुलिस ने नकली नोटों की खेप बरामद की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सिणधरी थानाधिकारी सुरेश सारण ने बताया कि सूचना मिलने पर गांव में दबिश दी गई थी। इस दौरान आरोपी के पास से 52 हजार के नकली नोट जब्त किए गए। आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने बताया कि गांव में रात करीब करीब डेढ़ बजे दबिश की कार्रवाई की थी। इस दौरान एक संदिग्ध युवक मिला, जिसे पूछताछ की तो उसके पास से नकली नोट बरामद हुए। इनमें सभी 500 के नोट है। करीब 104 नोट जब्त किए है।

बालोतरा एसपी कुंदन कवरिया ने बताया कि अभी पूछताछ चल रही है। उसके पास इतने नकली नोट कहां से आए और वह इन्हें किसे देने वाला था, इस बारे में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में गिरोह या सरगना होने के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

# बंदी ने हाथ की नस काटकर किया सुसाइड

## इलाज के दौरान दम तोड़ा, नशा तस्करी मामले में 26 दिन से था जेल में

श्रीगंगानगर, 17 मार्च (एजेंसियां)। शहर की सेंट्रल जेल में रविवार सुबह करीब ग्यारह बजे बंदी ने हाथ की नस काटकर सुसाइड कर लिया। बंदी एनडीपीएस के एक मामले में जेल में बंद था। बंदी सुबह जेल के बाथरूम में गया था। वहां उसने शेविंग ब्लेड से हाथ की नस काट ली। नस काटने के बाद वह चिल्लाने लगा। उसकी आवाज सुनकर जेल स्टाफ ने बाथरूम का दरवाजा खटखटाया। बंदी के दरवाजा खोलने पर उसे अस्पताल ले जाया गया । जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

**सादुलशहर का है बंदी**

मृतक विचाराधीन बंदी योगेंद्र (40) पुत्र खानीराम जिले के सादुलशहर का रहने वाला है। उसे पिछले दिनों नशे की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था। इस दौरान उसे जेल भेजने के आदेश दिए गए थे। बंदी सुबह बाथरूम में गया था। इसी दौरान उसने शेविंग ब्लेड से से हाथ की नस काट ली। जेल के डॉ.शिवप्रीत ने उसे चैक किया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसी समय उसे श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। जहां उसने दम तोड़ दिया।

घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। मृतक के परिजनों के श्रीगंगानगर पहुंचने के बाद ही पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

# कुएं में गिरा किसान बॉडी पर लिपटा था कोबरा

## पैर फिसलने से गिरा, स्नेक कैचर ने रेस्क्यू किया, तब शव निकला

पाली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पाली में किसान का पैर फिसला और वह कुएं में जा गिरा। डूबने से उसकी मौत हो गई। पुलिस की मदद से ग्रामीणों ने बॉडी निकाली।

शव निकालने उतरी टीम को बॉडी से कोबरा सांप लिपटा मिला। जिसे स्नेक कैचर ने पकड़ा और फिर मृतक की बॉडी बाहर निकाली जा सकी।

रानी एसएचओ पन्नालाल ने बताया- नाडोल गांव में एक कृषि कुएं का पाइप ठीक करने के दौरान पैर फिसलने से किसान लालाराम (62) पुत्र चेनाराम सीरवी कुंए में गिर गया था। काफी देर तक वह नजर नहीं आया तो परिजनों ने ढूंढा। लालाराम का कोई सुराग नहीं मिला।

बाद में कुएं का पाइप टूटा देख उन्हें लालाराम के कुएं में गिरने की आशंका हुई। इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों को कुएं में उतारा तो सांप को देख वे डर गए।

बाद में स्नेक कैचर को बुलाकर कोबरा सांप को पकड़ कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद गोताखोरों ने कुएं से शव बाहर निकाला। पोस्टमॉर्टम के बाद शव पुलिस ने परिजनों को सौंपा।

# आंदोलन की तैयारी में किसान: समर्थन मूल्य पर खरीद और किसान सम्मान निधि की राशि देने की मांग

कोटा, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय किसान संघ जिला कोटा की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर अब आंदोलन की तैयारी की जा रही है। किसान संघ प्रतिनिधियों ने सरकार से संकल्प पत्र में किसानों से किए वादों को पूरा करने की मांग की। उन्होंने आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीद व सम्मान निधि में बढ़ोतरी करने आदि किसान से जुड़े वादों से मुकरने की गलती सरकार ना करे।

पदाधिकारियों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद में दिए जाने वाले बोनस को अपर्याप्त बताया। संभाग मंत्री रमेश नागर ने बताया कि

चुनाव पूर्व संकल्प पत्र में 2700 रुपए प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीदने का वादा किया था। जबकि सरकार केवल 125 रुपए बोनस देकर मात्र 2400 रुपए प्रति क्विंटल में खरीद रही है। जो किसानों के साथ छलावा है। घोषणा पत्र में किसान सम्मान निधि को 12 हजार प्रतिवर्ष करने का वादा किया था। लेकिन सरकार 8 हजार रुपए ही दे रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों पर अमल नहीं किया गया तो जिला ही नहीं पूरे राजस्थान में आंदोलन करेंगे।

प्रथम चरण में सभी तहसील और जिला केंद्रों से ज्ञापन मुख्यमंत्री को भिजवाए जा रहे हैं। तिलहन व दलहनी फसलों की तीन गुणा तक एमएसपी पर खरीद की मात्रा बढ़ाने का वादा किया था। जिन्हें भी सरकार पूरा करने से पीछे हट रही है। उन्होंने कहा कि 2022 खरीफ फसलों की आपदा राहत राशि का बकाया भुगतान किसानों के खाते में डाला जाए। साथ ही बकाया बीमा क्लेम भी किसानों को समय पर नहीं मिला है। समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीद प्रति किसान 25 से 50 क्विंटल करने की भी मांग की गई।

# ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव : के. श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता) । सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में आशा की किरण, यशोदा फाउंडेशन ने गर्व से अपनी नवीनतम परिवर्तनकारी पहल, (संगीत, कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार) केंद्रों का अनावरण किया। मुख्य अतिथि के श्रीनिवास रेड्डी, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर और सुश्री एल रमा देवी, निदेशक इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, ओएसडी, आईटी और संचार और स्टार्ट अप तेलंगाना विभाग ने आज औपचारिक रूप से पुलिस कमान और नियंत्रण केंद्र, बंजारा हिल्स में लॉन्च किया। सम्मानित अतिथि मीला जयदेव, अध्यक्ष एफटीसीसीआई रितु शाह, अध्यक्ष फिक्की फ़्लो; डॉ. सुश्री साजिदा खान, ऑडियो इंजीनियर; डॉ. सुश्री सोमदत्ता कारक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीसीएमबी; बचपन बचाओ आंदोलन की कानूनी सलाहकार सुश्री श्रीहर्षिता चाडा और फूड फोर थॉट की सह-संस्थापक सुश्री शेफाली राव ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। यशोदा फाउंडेशन की यह पहल संगीत, कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में वंचित बच्चों की शिक्षा के लिए समुदाय के नेताओं, सम्मानित अतिथियों और परिवारों को एकजुट करेगी। इस अवसर पर बोलते हुए श्री के श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, मस्ती बच्चों के लिए सीखने को एक मनोरंजक गतिविधि बनाती है। यह सराहनीय है कि यशोदा फाउंडेशन आदिवासी बच्चों सहित 1600 से अधिक बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव है, सरकारी स्कूलों में शिक्षक बहुत अच्छे हैं, लेकिन विभिन्न कारणों से वे अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा का अभ्यास नहीं कर पाते हैं, सरकारी स्कूलों की परिस्थितियाँ उनके लिए अनुकूल नहीं हैं, उनके अच्छे काम को मान्यता नहीं मिलती है और न ही उन्हें मान्यता मिलती है। जो लोग अच्छा प्रदर्शन नहीं करते उन्हें दंडित किया जाता है। यह वह अंतर है जिसे आप जैसे गैर सरकारी संगठनों को पाटना होगा और ग्रामीण बच्चों को शिक्षित करना होगा जो हमारा भविष्य हैं। यदि महिलाएँ शिक्षित होती हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है, यदि एक पुरुष शिक्षित होता है तो यह केवल स्वयं तक ही सीमित रहता है, इसलिए समाज के विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाया जाना चाहिए।

## अग्रवाल समाज श्री अग्रसेन मार्ग शाखा की होलीका दहन हेतु बैठक आयोजित

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज श्री अग्रसेन मार्ग शाखा की बैठक जुबली हिल्स में अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

शाखा के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में सर्व प्रथम अध्यक्ष द्वारा स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया गया, बैठक में होलिका दहन कार्यक्रम हेतु सुरेंद्र कुमार अग्रवाल को संयोजक मनोनीत किया गया जिसमे रविवार 24 मार्च को प्रातः 9-30 बजे डंडा रोपण तथा पूजा एवं रात्रि 11 बजे होलिका दहन का कार्यक्रम बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 पर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के बाहर प्रांगण आयोजित किया गया है।

बैठक में सह मंत्री कैलाश चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल केंद्रीय समिति सदस्य सुरेश कुमार अग्रवाल निवर्तमान अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल डाकोतिया, परामर्श दाता मंसाराम अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, विट्ठल दास अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

# शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव के लिए सहयोग करें राजनीतिक दल

हनुमाकोंडा, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमाकोंडा जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने कहा कि राजनीतिक दलों और लोगों को शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करना चाहिए। संसदीय चुनाव की पृष्ठभूमि में रविवार को हनुमाकोंडा जिला समाहरणालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण माहौल एवं चुनाव नियमों के अधीन होगा। उन्होंने कहा कि चुनावी शिकायतों, अनुमतियों और सुविधा ऐप के माध्यम से संबंधित दलों की बैठकों और बैठकों के संबंध में पूर्व अनुमति प्राप्त की जा सकती है। राजनीतिक दलों को अपने बूथ स्तर के एजेंटों का विवरण जमा करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि अभियान की निगरानी समय-समय पर समितियों द्वारा की जायेगी। जिले के प्रिंटिंग प्रेस के मालिकों ने कहा है कि राजनीतिक दलों से संबंधित पोस्टर से लेकर पंपलेट तक हर चीज पर प्रेस का नाम, सेल फोन नंबर आदि विवरण अंकित किया जाना चाहिए और प्रिंटिंग प्रेस को स्पष्ट निर्देश दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि जिले के मतदान केंद्रों पर बिजली, ताजा पानी, शौचालय, शामियाना, दिव्यांगों के लिए रैंप, व्हीलचेयर आदि बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी संपत्तियों पर लगे दीवार लेखन, पोस्टर, होर्डिंग्स, बैनर आदि को 24 घंटे के भीतर, सभी सार्वजनिक स्थानों पर लगे लेखन को 48 घंटे के भीतर और निजी स्थानों पर लगे लेखन को 72 घंटे के भीतर हटा दिया जाये। सरकारी कार्यालयों में अभियान की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों के आवासों की दीवारों पर किसी भी प्रकार के राजनीतिक प्रचार-प्रसार के पर्चे की प्रति नहीं चिपकायी जानी चाहिए। सरकारी दफ्तरों में पंपलेट लाना और प्रचार करना चुनाव नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सरकारी वाहनों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इस बैठक में वारंगल के पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव त्योहार की तरह हैं। चुनाव को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी। चुनाव से जुड़ी शिकायतों पर गौर किया जाएगा और उनके त्वरित समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे। इस बैठक में अपर कलेक्टर राधिका गुप्ता, वेंकट रेड्डी, प्रशिक्षु कलेक्टर श्रद्धा शुक्ला, डीआरओ वाईवी गणेश, हनुमाकोंडा आरडीओ वेंकटेश, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि ई.वी. श्रीनिवास राव, श्यामसुंदर, रजनीकांत, नेहल, लक्ष्मण, श्रीनिवास, प्रवीण कुमार व अन्य ने भाग लिया।

# बिहार एसोसिएशन कार्यकारिणी की बैठक

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद, के अध्यक्ष, हरेराम सिंह के अध्यक्षता में कार्यकारिणी बैठक का आयोजन कर होली मिलन एवं कार्यकारिणी संघटनात्मक चुनाव के बारे में सदस्यों से चर्चा की गई।

महासचिव प्रभास कुमार द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि बैठक में उपाध्यक्ष, उत्तम यादव, रविशंकर सिंह, दिनेश सिंह, भरत सिंह कार्यकारी मिडिया प्रभारी दिलीप कुमार, भरत सिंह, कोषा अध्यक्ष विनोद गुप्ता इत्यादि ने अपने विचारों से कार्यकारिणी मंडल को अवगत कराया। बैठक में वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों के अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त की गई।

कार्यकारिणी बैठक में सर्व सम्मति से 31 मार्च 2024 को बिहार भवन के प्रांगण में होली मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया जिसमें रंग गुलाल के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

असोशिएशन के उप्पल, मल्लापुर से राजू राय, शत्रुघ्न , रमेश राम, कोविन्द, श्री राम, राजेन्द्र आदि, मियांपुर क्षेत्र से धर्मेंद्र सिंह, ऋषिराज श्रीवास्तव, विवेक , गोपाल भगत, चंदन यादव, हरेराम यादव, सुनील सिंह आदि उपस्थिति थे।

## आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय बोले- चुनावी बॉन्ड एक 'प्रयोग' : समय बताएगा कितना फायदेमंद रहा

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि चुनावी बॉन्ड एक प्रयोग है। समय बताएगा कि यह कितना फायदेमंद और प्रभावी रहा है। आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) ने रविवार को होसबोले को तीन साल के लिए सरकार्यवाह (महासचिव) के पद के लिए फिर से निर्वाचित किया।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने हाल ही में चुनाव आयोग (ईसी) को चुनावी बॉन्ड के आंकड़े सौंपे। इसके बाद आयोग ने इन आंकड़ों को सार्वजनिक किया। इन बॉन्ड के खरीददारों में कई अरबपति उद्योगपति और कंपनियां शामिल हैं। चुनावी बॉन्ड के खरीददारों में इस्पात कारोबारी लक्ष्मी निवास मित्तल से लेकर अरबपति सुनील भारती मित्तल की एयरटेल, अनिल अग्रवाल की वेदांता, आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और फ्यूचर गेमिंग एंड टोटल सर्विसेज जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं।

चुनावी बॉन्ड के मुद्दे पर होसबोले ने कहा कि आरएसएस ने अभी तक इस पर चर्चा नहीं की है, क्योंकि यह एक प्रयोग है। उन्होंने कहा, इसे जांच-परख के साथ लागू किया था और ऐसा नहीं है कि आज अचानक चुनावी बॉन्ड पेश किए गए हैं। यह (ऐसी योजना) पहले भी लाई गई थी। जब भी कोई बदलाव लाया जाता है, तो सवाल उठाए जाते हैं।

# जन सेवा संघ द्वारा होली मिलन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव रंजन चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ उत्तर संभाग के अंतर्गत चरलापल्ली क्षेत्र में क्षेत्रीय अध्यक्ष लक्ष्मण बर्फा एवं सचिव अमित पांडेय के नेतृत्व में रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें चरलापल्ली क्षेत्रीय समिति द्वारा गीत संगीत से समा बाँध दिया गया एवं लोगों ने इसका भरपूर आनंद लिया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़कर समाज और देश की सेवा में भरपूर योगदान देना है।

इस अवसर पर जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर पी सिंह, उपाध्यक्ष गोविंद तिवारी, महासचिव राजीव रंजन चौबे, उत्तर संभाग के संभागीय अध्यक्ष राधे श्याम राय यादव, वरिष्ठ सदस्य मदन लाल रावल एवं कुपाराम देवरा, लक्ष्मण बर्फा, अमित पांडेय, टिंकू यादव, अजात रानी, मिथलेश, सुदिष्ट कुमार झा, अभय कुमार दुबे, उमेश राय, सतीश सिंह, चंदन सिंह आदि उपस्थित हुए।

## बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति की मासिक बैठक

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति की मासिक बैठक सोमाजीगूडा में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी ने किया।

कमल मर्दा एवं गोविन्द सोमानी ने बताया कि आगामी सप्ताह में घर घर माताजी कार्यक्रम के अंतर्गत सभी के घर माताजी की फोटो, आरती, जप करने के इच्छुक भक्तों को माला, माताजी सेवा के लिए गुल्लक दिया जाएगा। कुलदेवी बधर माता ताना गांव (राजस्थान) के ट्रस्ट के सदस्य बनाने के लिए सभी कुलपुत्रों को प्रेरित करने का निर्णय किया गया।

मीटिंग में बधर माता सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी, उपाध्यक्ष रमेश मर्दा, सेक्रेटरी गोविन्द सोमानी, कोषाध्यक्ष शाम सुंदर सोमानी, सह सचिव हनुमान दास सोमानी सहित कार्यकारिणी सदस्य कमल मर्दा, विष्णु मर्दा, सुनील सोमानी, राज गोपाल मर्दा, राधेशाम सोमानी, रामगोपाल मर्दा और अजय मर्दा उपस्थित रहे।

## अग्रणी विवाह बंधन की हुई बैठक

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी विवाह बंधन की अध्यक्ष सुनयना नरसरिया ने कहा कि 17 मार्च को हिमायत नगर, कार्यालय में बैठक संपन्न हुई। बैठक में लड़का, लड़की के बायोडाटा आदान प्रदान किए गए अवसर पर सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, संगीता जाजोदिया, प्रीति गोयल, पवन भुवानिया एवम अन्य उपस्थित थे।

17 मार्च रविवार को श्री गीता भवन जनरल बाजार सेक्टर- सिकंदराबाद में टी. विश्वेश्वर द्वारा श्रीमद्भगवद गीता का संपूर्ण पारायण सुबह 9:30 से दोपहर 2:00 बजे तक हुआ।

# एक शाम गौमाता के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कापरा मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल द्वारा संत श्री कैलाशनाथजी महाराज के सानिध्य में एक शाम गौमाता के नाम जागरण का आयोजन शनिवार दिनांक 16 मार्च रात्रि 8.15 बजे से गुलाबनाथजी महाराज की मधुर आवाज में आयोजित किया गया।

भक्त मंडल के विकास शर्मा ने बताया कि गौसेवार्थ एक शाम गौमाता के नाम जागरण का भव्य आयोजन किया गया। सायं 7.15 बजे श्री सालासर बालाजी व श्री आईमाताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण व ज्योत प्रज्वलितकर पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की

व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। रात्रि 8.15 बजे संत श्री गुलाबनाथजी महाराज ने गौमाता के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथि पाली व मल्काजगिरी लोकसभा प्रत्याशी पी.पी.चौधरी व ईटला राजेन्द्र, संत श्री कैलाशनाथजी महाराज रुकनसर रामगढ़ शेखावटी, भजन गायकार संत श्री गुलाबनाथजी, भोजन-प्रसादी के लाभार्थी गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित निम्बोल बालाजी डेयरी प्रोडक्ट महाकाली सिकंदराबाद, गौशाला के पदाधिकारियों अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, पूर्व अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, उपाध्यक्ष कालुराम काग, सचिव हुक्माराम सानपरा, नारायणलाल परिहार, ढगलाराम सेपटा, मारवाड़ी युवा मंच मेड़चल द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 22 यूनिट रक्त प्राप्त करने पर कैलाश प्रजापति, नारायणसिंह, सोहनसिंह राजपुरोहित, धर्माराम ढाका, शांतिलाल सुथार, भगाराम, भंवरलाल मुलैवा, खींयाराम देवासी व सम्मानित अतिथियों का पुष्प-माला, शॉल व मोमेन्टों से विशेष सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में हजारों की संख्या में पधारे गौभक्तों ने दान-पुण्यकर भजनों, महाप्रसादी व कार्यक्रम का सपरिवार लाभ लिया। कार्यकर्ताओं द्वारा फूलों की वर्षा से गौभक्तों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल के गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित, महेश बागड़ी, किशोर शर्मा, रामावतार वैष्णव, अर्जुन सिंह, करण सिंह, आनन्द कुमार शर्मा, सुनिल कुमार शर्मा, विकास कुमार शर्मा, नरेश अग्रवाल, गोपाल चौधरी, श्रवण पारीक, सम्पत पारीक, नन्दुसिंह राजपुरोहित, के.के.बन्ना, कमल भाटी, सुरेन्द्र सैनी, दुलीचन्द शर्मा, दामोदर शर्मा, प्रकाश जाट, घासीराम जाट, गुमानसिंह, केदार शर्मा, नरेन्द्र साँखला, जयप्रकाश शर्मा, महावीर प्रसाद शर्मा, नरेश शर्मा, कपिल शर्मा, भंवर सिंह, बृजपाल सिंह, राजेश कुमार नागपुरिया, राकेश वैष्णव, जगदीश कुमावत, कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन मदनसिंह शेखावत ने किया।

## अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमिटी की बैठक आयोजित

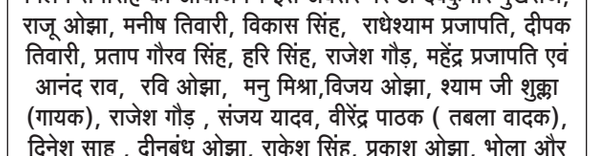

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की 25वीं बैठक समाज के कार्यालय में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमिटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 15 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। बैठक प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक नियमित समय पर हर रविवार को होती है। सभी अग्रबंधुओं से इस सेवा का लाभ उठाने की अपील की गई है। आगामी बैठक रविवार 31 मार्च को होगी। रविवार 24 मार्च को होली होने के कारण मीटिंग नहीं रहेगी। बैठक में चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, अशोक दादरीवाला, सुनील कुमार मित्तल एवं बालक बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित थे।



लायंस भवन, पैराडाइज में बिहार समाज सेवा संघ ने बहुप्रतीक्षित होली मिलन समारोह का आयोजन । इस अवसर पर डॉ देवकुमार पुखराज, राजू ओझा, मनीष तिवारी, विकास सिंह, राधेश्याम प्रजापति, दीपक तिवारी, प्रताप गौरव सिंह, हरि सिंह, राजेश गौड़, महेंद्र प्रजापति एवं आनंद राव, रवि ओझा, मनु मिश्रा,विजय ओझा, श्याम जी शुक्ला (गायक), राजेश गौड़ , संजय यादव, वीरेंद्र पाठक ( तबला वादक), दिनेश साहु , दीनबंधु ओझा, राकेश सिंह, प्रकाश ओझा, भोला और अन्य ने समारोह को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिया।

## प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

### तीसरे कार्यकाल...

**आंध्र प्रदेश नशे का गढ़ बन गया है :**

इससे पहले जन सेना पार्टी की अध्यक्ष पवन कल्याण ने दावा किया कि 2024 में भी एनडीए सरकार बनाएगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। पवन कल्याण ने वाईएसआर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश को शराब और नशे का गढ़ बना दिया है। आंध्र प्रदेश में पिछले 10 वर्षों में एनडीए यह पहली संयुक्त रैली है। आंध्र प्रदेश में 13 मई को एक चरण में लोकसभा और सभी विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे।

### ईसी ने इलेक्टोरल बॉन्ड...

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने भी कहा कि उसे भी इलेक्टोरल बॉन्ड्स से चंदा नहीं मिला। कांग्रेस ने कहा कि वह एसबीआई द्वारा चुनाव आयोग को दिया गया डेटा जारी करेगी।चुनावी या इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम 2017 के बजट में उस वक्त के वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पेश की थी। 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने इसे नोटिफाई किया। ये एक तरह का प्रॉमिसरी नोट होता है। इसे बैंक नोट भी कहते हैं। इसे कोई भी भारतीय नागरिक या कंपनी खरीद सकती है।

### तेलंगाना, आंध्र ...

बीजेपी शासित राज्य भी पीछे नहीं हैं, भोपाल में पेट्रोल की कीमत 106.45 रुपये प्रति लीटर, पटना में 105.16 रुपये (यहां भाजपा जदयू सरकार के साथ गठबंधन में है), जयपुर में 104.86 रुपये और मुंबई में 104.19 रुपये प्रति लीटर है। ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासित पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये प्रति लीटर है। आंकड़ों के अनुसार, जिन अन्य राज्यों में पेट्रोल का दाम 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक है उनमें ओडिशा (भुवनेश्वर में 101.04 रुपये प्रति लीटर), तमिलनाडु (चेन्नई में 100.73 रुपये) और छत्तीसगढ़ (रायपुर में 100.37 रुपये) शामिल हैं। भाजपा शासित महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और बिहार में डीजल का दाम 92 से 93 रुपये प्रति लीटर है। ओडिशा और झारखंड में भी डीजल का दाम इतना ही है।

अंडमान और निकोबार द्वीप में पेट्रोल सबसे सस्ता है जहां यह 82 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके बाद सिलवासा और दमन है जहां यह 92.38-92.49 रुपये प्रति लीटर है। अन्य छोटे राज्यों में भी पेट्रोल सस्ता है। इनमें दिल्ली (94.76 रुपये प्रति लीटर), पणजी (95.19 रुपये), आइजोल (93.68 रुपये) और गुवाहाटी (96.12 रुपये) शामिल हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप में डीजल सबसे सस्ता है जहां यह लगभग 78 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। महानगरों में दिल्ली में वैट सबसे कम है। दिल्ली में डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर है, जबकि गोवा में इसकी कीमत 87.76 रुपये प्रति लीटर है। ईंधन कीमतों में कटौती पर गोल्डमैन सैक्श ने कहा कि तीनों पेट्रोलियम कंपनियों विपणन कंपनियों का शुद्ध विपणन मार्जिन 1.7-2.7 रुपये प्रति लीटर से घटकर 80-90 पैसे प्रति लीटर रह जाएगा।

### एल्विश यादव को...

इस कार्रवाई के दौरान 5 आरोपियों को पकड़ा गया था।

इस दौरान पुलिस ने मौके से 20 एमएल स्नेक वेनम और 9 जहरीले सांप बरामद किए थे। इनमें पांच कोबरा, एक अजगर, दो दोमुंहा सांप और एक रेड स्नेक शामिल थे। पूछताछ के दौरान ही एल्विश का नाम सामने आया था। तब यह भी पता चला था कि वे लोग एल्विश की पार्टी में सांप और जहर की सप्लाई किया करते थे। सांप का सिर पकड़कर अपने शरीर के इतने करीब लाते हैं, जहां से उसकी जुबान पहुंच जाए। इसके बाद उसके सिर पर हल्का सा टैप करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# 'हमें किसी भी कीमत पर विराट चाहिए' सेलेक्टर्स के सामने रोहित ने रख दी डिमांड

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर किया जा सकता है। टीम सेलेक्टर्स कोहली को विश्व कप खिलाने के पक्ष में नहीं हैं। इससे कोहली के फैंस ने सोशल मीडिया का माहौल गरमा दिया है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद विराट के फैंस आग बबूला हो गए हैं। इस कड़ी में अब भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। रोहित ने साफ कह दिया है कि हमें किसी भी कीमत पर टीम में विराट कोहली चाहिए।

**पाकिस्तान के खिलाफ विराट ने दिलाई थी जीत**

विराट कोहली को लेकर सामने आई रिपोर्ट ने फैंस की टेंशन बढ़ा दी थी। विराट कोहली वर्ल्ड क्रिकेट के लिए कितना बड़ा नाम हैं, यह बात बताने की जरूरत नहीं है। आखिरी टी20 विश्व कप में भी कोहली पूरे टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। 2022 के टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत में विराट कोहली के योगदान को कौन भूल सकता है। बावजूद इसके रिपोर्ट सामने आ रही थी कि कोहली को आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में टीम का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा। लेकिन इस खबर के बीच रोहित शर्मा ने ऐसा कुछ कह दिया है कि सभी भौचक्के रह गए हैं।

# गुजरात छोड़ने वाले हार्दिक पंड्या पर कोच आशीष नेहरा क्यों बोले- 'इसे खरीद नहीं सकते'

मुंबई, , 17 मार्च (एजेंसियां)। अगर आईपीएल 2024 सीजन में किसी बात पर सबसे ज्यादा नजरें रहेंगी, चर्चाएं होंगी और सोशल मीडिया पर 'फैन वॉर' होंगी तो वो है हार्दिक पंड्या, मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस. पिछले 5 महीनों के अंदर आईपीएल को लेकर इन 3 नामों की सबसे ज्यादा चर्चा हुई. गुजरात को पहले ही सीजन में चैंपियन बनाने वाले और लगातार 2 सीजन कप्तानी करने वाले स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने सनसनीखेज अंदाज में अपनी पुरानी टीम मुंबई इंडियंस में वापसी की और अब इसके कप्तान बन गए हैं. हार्दिक के साथ गुजरात की सफलता का कारण बने कोच आशीष नेहरा ने अब बताया है कि क्यों उन्होंने हार्दिक को रोकने की कोशिश नहीं की.

हार्दिक ने पिछले साल नवंबर में प्लेयर्स रिटेंशन-डे के दिन सबको चौंकाते हुए अपनी पुरानी टीम मुंबई इंडियंस में वापसी की थी. उससे 2 सीजन पहले मुंबई की ओर से रिलीज किए जाने और फिर 2 नई फ्रेंचाइजियों के आने

के बाद हार्दिक ने गुजरात का रुख किया था और टाइटंस ने उन्हें अपना कप्तान बनाया था. पहले ही सीजन में खिताब जीतने और अगले सीजन में फाइनल तक पहुंचने के बाद शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वो फिर से मुंबई लौट आएंगे.

**हार्दिक को इसलिए नहीं रोका**

हार्दिक के साथ गुजरात की सफलता में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का भी बड़ा योगदान रहा है, जिन्होंने अपनी अलग अंदाज की कोचिंग से सबको हैरान कर दिया. हार्दिक के गुजरात जाने पर बीते कुछ महीनों में आशीष नेहरा ने कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं दी थी लेकिन अब आईपीएल 2024 सीजन शुरू होने से ठीक पहले नेहरा ने खुलासा किया है कि उन्होंने अपने कप्तान को रोकने की कोशिश नहीं की.

अब ये हर किसी को हैरान कर सकता है कि आखिर आशीष नेहरा ने अपने ही कप्तान को रोकने या मनाने की कोशिश क्यों नहीं की? बाएं हाथ के पूर्व दिग्गज पेसर ने इसकी वजह भी बताई. नेहरा ने अहमदाबाद में मीडिया से बात करते हुए बताया कि अगर हार्दिक किसी और फ्रेंचाइजी में जा रहे होते तो वो जरूर उन्हें रोकने की कोशिश करते लेकिन वो मुंबई में वापस गए, जहां से उनके करियर की शुरुआत हुई थी और 6-7 सीजन खेले. ऐसे में उन्होंने हार्दिक को रोकना सही नहीं समझा.

**'ये चीज खरीद नहीं सकते'**

अब भले ही नेहरा ने हार्दिक को रोकने की कोशिश नहीं की लेकिन वो भी जानते हैं कि उनकी कमी टीम को खलेगी और इसकी भरपाई करना आसान नहीं है. नेहरा ने कहा कि हार्दिक और मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ियों को रिप्लेस करना आसान नहीं है क्योंकि एक्सपीरियंस को आप कहीं से खरीद नहीं सकते लेकिन यही सीखने का मौका होता है और टीमें ऐसे ही आगे बढ़ती हैं.

नेहरा ने ये भी अनुमान जताया कि आने वाले सालों में फ्रेंचाइजी क्रिकेट भी क्लब फुटबॉल की तरह आगे बढ़ेगा जहां खिलाड़ी एक-टीम से दूसरी टीम में जाते रहते हैं.

# पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय हॉकी टीम में हुआ बड़ा बदलाव, दिग्गज को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले भारतीय हॉकी टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। पुरुष टीम की तैयारियों में मदद के लिए नीदरलैंड के गोलकीपिंग विशेषज्ञ डेनिस वान डी पोल की एक बार फिर सहयोगी स्टाफ में वापसी हुई है। वान डी पोल इससे पहले भी भारतीय गोलकीपरोंखाना चाहिए के साथ काम कर चुके हैं। पहली बार वह 2019 में भारतीय टीम से जुड़े थे।

भारतीय टीम फिलहाल भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग ले रही है। वान डी पोल शिविर से जुड़कर तीनों गोलकीपर पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक और सूरज करकेरा के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें आगामी प्रतियोगिता के लिए तैयार करेंगे।

**हॉकी इंडिया के अध्यक्ष का बयान**

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की देखरेख में 10 दिवसीय विशेष गोलकीपिंग शिविर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम के रवाना होने से एक सप्ताह पहले 26 मार्च को समाप्त होगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, ₹भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण चरण है। ओलंपिक में फिर से पोडियम पर पहुंचने की उनकी कवायद में हॉकी इंडिया सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं मिलें।

**डेनिस की वापसी पर क्या बोले टिर्की**

वान डी पोल ने पिछले साल एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम के लिए जुलाई और सितंबर में दो विशेष शिविर आयोजित किए थे। टिर्की ने आगे कहा, ₹हमें डेनिस को टीम से जोड़कर खुशी हो रही है जो लगभग चार वर्षों से गोलकीपरों के इस समूह के साथ काम कर रहे हैं तथा जानते हैं कि उन्हें बेहतर बनाने के लिए किस तरह के बदलाव करने की जरूरत है ।

# गावसकर बोले- रणजी प्लेयर्स की फीस 3 गुना बढ़े

## एक मैच के मिलते हैं 2.40 लाख; चैंपियन मुंबई ने जीती 5 करोड़ प्राइज मनी

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को रणजी मैच की फीस बढ़ाने का सुझाव दिया है। गावस्कर ने शुक्रवार को अपने फाउंडेशन चैप्स की 25वीं वर्षगांव पर बीसीसीआई की टेस्ट क्रिकेट इंसेंटिव स्कीम की तारीफ की। इस स्कीम के तह टेस्ट खिलाड़ियों को एक टेस्ट मैच के लिए 45 लाख रुपए तक मिल सकते हैं।

गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई को रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लेने वाले क्रिकेटरों की फीस तीन गुना करने की कोशिश करनी चाहिए। इससे जो खिलाड़ी अलग-अलग कारण बताकर रणजी ट्रॉफी में खेलने से किनारा करते हैं, वो ऐसा करना बंद कर देंगे।

गावस्कर ने बीसीसीआई से रणजी ट्रॉफी का शेड्यूल बदलने को भी कहा। गावस्कर ने कहा कि अभी वाइट बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट पहले होते हैं और उसके बाद रणजी मैच होते हैं। बोर्ड को अक्टूबर से दिसंबर तक रणजी ट्रॉफी आयोजित करना चाहिए।

**बीसीसीआई ने टेस्ट मैच बढ़ाने का किया था ऐलान**

हाल ही में बीसीसीआई ने टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ाने का ऐलान किया था। सीजन के 75% मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को एक टेस्ट खेलने के 45 लाख रुपए, वहीं 50% से 74% खेलने वाले खिलाड़ियों को 30 लाख रुपए मिलेंगे।

ईशान- श्रेयस को रणजी न खेलने पर सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर कर दिया था बीसीसीआई ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी को दरकिनार करने पर ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया था।

**मुंबई ने 42वीं बार रणजी ट्रॉफी जीती है**

पिछले साल, बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दी थी। हालांकि, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) की घोषणा के बाद मुंबई को अतिरिक्त 5 करोड़ रुपये मिलेंगे। मुंबई ने हाल ही में वानखेड़े स्टेडियम में विदर्भ को 169 रनों से हराकर 42वीं बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता।

**रणजी में अभी 40 से 60 हजार प्रति दिन मिलते हैं**

रणजी की बात की जाए तो प्लेयर्स को रणजी में प्रति दिन के हिसाब से 40 से 60 हजार रुपए मिलते हैं। जिन खिलाड़ियों ने 41 से 60 मैच खेल चुके हैं, उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल होने पर रणजी मैच के दौरान 60 हजार प्रति दिन के हिसाब से मिलता है। वहीं रिजर्व खिलाड़ी होने पर 30 हजार रुपए मिलते हैं।

वहीं 21 से 40 मैच खेले होने पर खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में शामिल होने पर प्रति दिन 50 हजार रुपए मिलते हैं और रिजर्व होने पर 25 हजार रुपए मिलते हैं। 0-20 मैच खेले होने पर खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में शामिल होने पर 40 हजार रुपए प्रति दिन के हिसाब से मिलता है। रिजर्व होने पर 20 हजार रुपए मिलते हैं।

# लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन का सेमीफाइनल हारे

## इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी ने 21-12, 10-21, 21-15 से हराया, भारतीय चुनौती समाप्त

बर्मिंघम, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का सेमीफाइनल मुकाबला हार गए हैं। उन्हें इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी ने तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-12, 10-21, 21-15 से हराया।

लक्ष्य की हार के साथ ही टूर्नामेंट के मौजूदा सीजन में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। लक्ष्य सेन 2 साल पहले इस टूर्नामेंट का फाइनल हार गए थे। उन्हें विक्टर ऐक्सल्सन ने 21-10, 21-15 से हराया था।

एक घंटा 22 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य सेन पहला ही गेम 21-10 से गंवा बैठे और मैच में 0-1 से पिछड़ गए। भारतीय शटलर ने दूसरे गेम को 21-10 से जीतते हुए जोरदार वापसी की। लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में 21-14 से हार गए।

125 साल पुराने इस टूर्नामेंट में भारत को पिछले 23 साल से खिताब का इंतजार है। आखिरी टाइटल फुलेला गोपीचंद ने 2001 में जीता था। गोपीचंद से पहले प्रकाश पादुकोण ने साल 1980 में पहली बार जीता था।

हालांकि पीवी सिंधु साल 2015 और लक्ष्य सेन साल 2022 में टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंच चुके हैं, लेकिन जीत नहीं सके।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत 1899 में हुई थी। तब से अब तक बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) इसका आयोजन करा रहा है।

# डेब्यू सीजन में हैरी केन ने रचा इतिहास

## तोड़ा 60 साल पुराना रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 17 मार्च (एजेंसियां)। हैरी केन ने डेब्यू सीजन में सर्वाधिक गोल करने का 60 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि जमाल मुसियाला ने दो बार गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने शनिवार को डार्मस्टेड में 5-2 से जीत दर्ज की। स्पर्स से आने के बाद से 26 लीग खेलों में 31 गोल के साथ, केन ने जर्मन दिग्गज उवे सीलर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1963-64 में हैम्बर्ग के लिए 30 गोल किए थे। मुसियाला ने भी टीम की इस जीत में सहायता की, जिससे बायर्न की बुंडेसलीगा खिताब की रक्षा करने की उम्मीदें एक बार फिर जीवित हो गई। बायर्न फिलहाल बायर लीवरकुसेन से सात अंक पीछे हैं। बायर्न के कप्तान मैनुएल नेउर ने कहा, हम इसमें बने हुए हैं। हमने कुछ मौके पाने के लिए कड़ी मेहनत की और हमने उन्हें हासिल कर लिया। हालांकि, वह डार्मस्टेड के खिलाफ उनकी टीम के खाते में आए दो गोल से निराश दिखे। गोलकीपर ने कहा, ₹हम सभी को इस पर काम करने की जरूरत है।

दोनों टीमों के बीच जारी इस मैच में डार्मस्टेड ने 28 मिनट के खेल के बाद बायर्न को चौंका दिया था। टिम स्कार्के ने अपनी टीम को जर्मन चैंपियन के खिलाफ एक अविश्वसनीय उलटफेर की उम्मीद दिला दी थी। हालांकि, केन ने बायर्न को हाफ टाइम से पहले ही बढ़त दिला दी, मुसियाला के 36वें मिनट के गोल में मदद की और फिर अपना एक गोल किया।

# वर्ल्डकप से पहले जावेद श्रीलंका के गेंदबाजी के कोच

## 2009 में पाकिस्तान को वर्ल्ड चैंपियन बनाया, 1992 में विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे

कोलंबो, 17 मार्च (एजेंसियां)। जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को टीम का तेज गेंदबाज कोच बनाया है।

क्रिकेट श्रीलंका ने एक प्रेस रिलीज जारी कर ये जानकारी दी। जावेद ने 163 वनडे और 22 टेस्ट खेले थे और 1992 में वर्ल्ड कप जीतने वाली पाकिस्तान टीम के सदस्य भी रहे थे।

**यूएई और पाकिस्तान टीम के साथ भी कर चुके हैं काम**

जावेद पाकिस्तान और यूएई के साथ भी काम कर चुके हैं। वह पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच रहे हैं। 2009 में जब पाकिस्तान ने इंग्लैंड में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था, तब आकिब ही टीम के बॉलिंग कोच थे।

उसके अलावा वह यूएई के कोच भी रह चुके हैं और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के साथ भी काम किया है। यूएई में उनके कार्यकाल के दौरान, टीम ने वनडे और इंटरनेशनल टी-20 खेलने का दर्जा हासिल किया था। 2015 में आईसीसी पुरुष वनडे वर्ल्ड कप में जगह बनाई थी और 2014 में ICC मेंस टी-20 वर्ल्ड कप के क्वालीफायर में भी हिस्सा लिया था।

**अंडर-19 पाकिस्तान टीम के कोच रहे हैं**

जावेद 2004 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली पाकिस्तान टीम के कोच रहे थे। वह पाकिस्तान प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी लाहौर कलंदर्स के क्रिकेट डायरेक्टर और हेड कोच का रोल निभा रहे हैं। टीम सबसे आखिरी पर है।

# वर्ल्डकप फाइनल की पिच बदलना भारत को भारी पड़ा- कैफ

## धीमी पिच पर कमिंस ने बॉलिंग चुनी तो इंडिया अपने जाल में फंस गई

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा कि भारत को वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में पिच से छेड़छाड़ करने का नुकसान झेलना पड़ा। टीम अपने ही प्लान में फंस गई और पहले बैटिंग करते हुए बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि पैट कमिंस ने पहले मैच की गलती से सीख ली और टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी।

19 नवंबर 2023 को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 240 रन बनाए, ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

**अपने ही प्लान में फंस गई टीम इंडिया**

कैफ ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मैं वहां 3 दिन तक था। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ ने भी 3 दिन तक हर दिन पिच इंस्पेक्ट की। दोनों करीब एक घंटे तक पिच के पास ही खड़े रहते थे। मैंने पिच को अपना रंग बदलते हुए देखा। पिच पर पानी नहीं डाला जा रहा था, ट्रैक पर घास भी नहीं थी।

भारत फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को धीमी पिच देना चाहता था। भले ही लोगों को विश्वास न हो, लेकिन यही सच्चाई है। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराने का प्लान तो बनाया लेकिन टीम पैट कमिंस की ऑस्ट्रेलिया के सामने अपने ही प्लान में फंस गई।'

**होम पिच का ज्यादा ही फायदा उठाया**

कैफ बोले, 'ऑस्ट्रेलिया में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबाज थे। उन्हें कमजोर बनाने के लिए भारत ने स्लो पिच बनवाई, लेकिन यही हमारी गलती थी।

लोग कहते हैं कि पिच क्यूरेटर पर किसी का दबाव नहीं होता, यह बकवास है। जब आप पिच के पास घूमते हैं तो बस इतना ही कहना होता है, पानी मत डालो, घास कम रखो। यह सच्चाई है और ऐसा ही होता है।

अगर आप घर में खेल रहे हो तो ऐसा होना भी चाहिए लेकिन भारत ने होम कंडीशन का कुछ ज्यादा ही फायदा उठाया।'

कमिंस ने गलतियों से सीखा और दिमाग लगाया

कैफ बोले, 'पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया के कप्तान) ने चेन्नई में पहले मैच की गलती से सीखा। वहां शुरुआत में पहले बैटिंग करना मुश्किल था। कोई भी फाइनल में पहले फील्डिंग करने के बारे में नहीं सोचता लेकिन कमिंस ने ऐसा किया। हमने पिच से छेड़छाड़ कर बहुत बड़ी गलती कर दी।'

**आईसीसी पिच कंसल्टेंट ने फाइनल से पहले दिया था इस्तीफा**

पीटीआई के अनुसार, वनडे वर्ल्ड कप फाइनल से ठीक पहले आईसीसी के पिच कंसल्टेंट एंडी एटकिन्सन ने इस्तीफा दे दिया था। हालांकि बीसीसीआई अधिकारियों ने कहा था कि एटकिन्सन का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था।

बीसीसीआई सूत्रों ने बताया, 'एंडी का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था, इसलिए उन्हें टूर्नामेंट खत्म होने से पहले पद छोड़ना पड़ा। यहां कॉन्ट्रोवर्सी बनाने की जरूरत नहीं है। ऐसा भी कोई नियम नहीं है कि फाइनल से पहले आईसीसी के पिच कंसल्टेंट का मौजूद होना जरूरी है।'

**आईसीसी ने फाइनल की पिच को माना था औसत**

बीसीसीआई पर पहले से इस्तेमाल हुई पिच पर सेमीफाइनल करवाने के आरोप भी लगे थे। हालांकि, आईसीसी ने बाद में साफ कर दिया था कि नॉकआउट मैच फ्रेश पिच पर ही कराने का कोई नियम नहीं है। एटकिंसन के इस्तीफे के बारे में भी आईसीसी को पहले से पता था।

आईसीसी ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच को औसत रेटिंग दी थी। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच कोलकाता में हुए सेमीफाइनल और भारत-पाकिस्तान मैच की पिच को भी आईसीसी ने औसत रेटिंग ही दी थी।

मेरा हैदराबाद



# तेलंगाना गुलामी बर्दाश्त नहीं करता : रेवंत रेड्डी

## केसीआर ने सचिवालय और कालेश्वरम दिखाकर लोगों की आजादी छीनी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज हैदराबाद में "प्रेस से मिलें" कार्यक्रम को संबोधित किया। निज़ाम शासकों ने बहुत सारे विकास कार्य किये। हालाँकि, लोगों ने निरंकुश शासकों के खिलाफ विद्रोह किया। इतिहास कहता है कि तेलंगाना समाज गुलामी बर्दाश्त नहीं करता है। केसीआर ने तेलंगाना में कासिम रिज़वी की तरह, तानाशाही शासन जारी रखने की कोशिशें कीं। केसीआर ने तेलंगाना में उनके वर्चस्व और अधिकार के खिलाफ विद्रोह करने वालों को दबाने की कोशिश की। केसीआर ने राज्य सचिवालय और कालेश्वरम दिखाकर लोगों की आजादी छीन ली। लोगों ने 75 वर्षों से अधिक लंबे संघर्ष के बाद स्वतंत्रता प्राप्त की। केसीआर ने नव निज़ाम की तरह काम किया और राजवंशों के समान नीतियां लागू कीं। यही कारण था कि लोगों ने केसीआर को गद्दी से उतार दिया और लोगों की सरकार को बड़ा जनादेश दिया। कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के 100 दिन के अंदर ही लोगों को आज़ादी दे दी। सभी वादों पर अमल करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। केसीआर ने कवियों, लेखकों और कलाकारों को वर्षों तक कैद में रखा। केसीआर की लोकप्रियता फैलाने के लिए तेलंगाना के सांस्कृतिक इतिहास पर हमला किया गया। राज्य सरकार ने "जय जयहे तेलंगाना" गीत को राज्य गीत घोषित किया। प्रगति भवन के चारों ओर से कंटीली बाड़ हटाई और लोगों को आजादी दी। सभी को सचिवालय में प्रवेश की अनुमति दी गई। सरकार यह संदेश देने की पूरी कोशिश कर रही है कि हम जनता के सेवक हैं, शासक नहीं है ।प्रशासन में अधिकारियों के एक समूह के वर्चस्व को समाप्त कर पारदर्शिता लाई और राज्य प्रशासन का विकेंद्रीकरण किया। सीएम ने कहा कि सभी कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। एक-एक करके छह गारंटी लागू करके गरीबों को समर्थन देना। महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर की योजना लागू की। अब तक 8 लाख परिवारों को सब्सिडी वाला गैस सिलेंडर मिला। 200 यूनिट निःशुल्क बिजली आपूर्ति योजना भी सफलतापूर्वक क्रियान्वित की जा रही है।

हरीश और बीआरएस नेता मुफ्त बिजली आपूर्ति लाभार्थियों को शून्य बिल वितरण में बाधा डाल रहे हैं। हम तुलसी के बगीचे से गांजा के पौधे हटा रहे हैं। हम प्रतिदिन 18 घंटे कड़ी मेहनत कर रहे हैं।' सभी बाधाओं को पार कर गरीबों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। सरकार राज्य पर कर्ज के बोझ का मुद्दा उठा रही है और विपक्ष संपत्ति की बात कर रहा है। राज्य पर कुल 9 लाख करोड़ रुपये का कर्ज का बोझ चढ़ गया। तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस पर राज्य का कर्ज़ भुगतान प्रति वर्ष 6,000 करोड़ रुपये था। अब केसीआर पर 64,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने का बोझ डाला गया है। हर साल 70 हजार करोड़ रुपये कर्ज के रूप में चुकाने हैं। सरकार केंद्र सरकार और राज्यपाल के साथ मधुर संबंध बनाकर आगे बढ़ रही है। हर समस्या का समाधान चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। जनता के सहयोग से सरकार अच्छा प्रशासन दे रही है। हमारा लक्ष्य वाइब्रेंट तेलंगाना है। पिछली सरकार में बेलगाम भ्रष्टाचार की खबर है। हम जांच कर रहे हैं और तदनुसार कार्रवाई करेंगे"। बतुकम्मा" को एक व्यापारिक वस्तु के रूप में बनाया। बथुकम्मा और बोनालू त्यौहार वर्षों से तेलंगाना में मनाए जा रहे हैं। सरकार दोनों त्योहारों को बड़े पैमाने पर मनाएगी। पिछली सरकार में धरणी निजी हाथों में थी। अब सरकारी संस्थाएं ही पोर्टल संभाल रही हैं। फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। नुकसान के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। ईटेला राजेंदर को केंद्र से फोन टैपिंग की जांच के आदेश देने पर जोर देकर अपनी ईमानदारी साबित करनी चाहिए। आरएस प्रवीण कुमार एक सम्मानित व्यक्ति हैं। आईपीएस अधिकारी प्रवीण अगर सेवा में बने रहते तो वे डीजीपी बन जाते। सरकार ने प्रवीण को टीएसपीएससी अध्यक्ष पद की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। निश्चित नहीं कि प्रवीण केसीआर की पार्टी में शामिल होंगे। अगर वह केसीआर में शामिल होंगे तो उन्हें जवाब देना होगा। सरकार रैतू भरोसा का लाभ पहाड़ियों और पहाड़ों तक नहीं पहुंचाएगी। फंड के कुप्रबंधन को रोकने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं।

# विदेशी मीडिया प्रतिनिधि तेलंगाना पहुंचे

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता) । मीडिया विभिन्न देशों की सांस्कृतिक विविधता के अध्ययन और लोगों के बीच आपसी समझ के साथ रहने के लिए सौहार्दपूर्ण माहौल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। देश में सांस्कृतिक विविधता को समझने के हिस्से के रूप में, भारत के विदेश मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों ने दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के मीडिया प्रतिनिधियों के लिए एक दौरा कार्यक्रम तैयार किया। मीडिया आदान-प्रदान कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 12 यूरोपीय देशों के 22 मीडिया प्रतिनिधि 17 मार्च से 20 मार्च तक तेलंगाना की यात्रा पर निकले। राज्य के विशेष सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त एम हनुमंत राव के निर्देश पर, राज्य मीडिया अकादमी के सचिव एन वेंकटेश्वर राव ने आज (रविवार) राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीडिया प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मीडिया टीम के साथ चंद्रेश सिंह, नई दिल्ली से विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी भी है। 22 सदस्यीय विदेशी मीडिया (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) प्रतिनिधिमंडल यूरोप के देशों - अल्बानिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, फिनलैंड, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड, रोमानिया, सर्बिया और स्लोवाकिया का प्रतिनिधित्व कर रहा है। तेलंगाना दौरे के तहत विदेशी मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने आज विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल गोलकोंडा किला और शिलपरमम का दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल प्रसिद्ध वैज्ञानिक, आईटी और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का भी दौरा करेगा 18 मार्च को भारत बायोटेक, टी हब, टी वर्क्स, स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी और 19 मार्च को आईएसबी और रामोजी फिल्म सिटी, विदेशी मीडिया प्रतिनिधि अपने दौरे के दौरान राज्य के साथ-साथ देश के विकास में ऐसे महान संस्थानों के योगदान का अध्ययन करेंगे।

## निरंजन का कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि दूसरों के शामिल होने के लिए कांग्रेस पार्टी के द्वार खुलने से कांग्रेस पार्टी की सुरक्षा की जिम्मेदारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर बढ़ गई है।गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए निरंजन ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के 10 साल के बलिदान और कड़ी मेहनत से कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आई है। आइए हम लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में केंद्र में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के लिए और अधिक बलिदान दें। आइए हम उन लोगों को फिर से वापस आने के लिए आमंत्रित करें जिन्होंने 2014 और 2018 के चुनावों के बाद कांग्रेस छोड़ दी थी, लेकिन हमें सावधान रहना चाहिए कि दोबारा धोखा न खाएं। जो लोग पहले पार्टी छोड़ चुके हैं और अब शामिल हो रहे हैं, उन्हें जनता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं दोनों को पार्टी छोड़ने और अब शामिल होने का कारण बताना चाहिए। अगर लोग और कांग्रेस कार्यकर्ता आत्ममंथन करेंगे तो उन्हें खुशी होगी।''

## बीआरएस में छह उम्मीदवारों के नाम तय होना बाकी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पहले ही लोकसभा चुनाव के लिए 11 नामों की घोषणा कर चुका है। बाकी छह सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय होने हैं। नगरकुर्नूल से सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आरएस प्रवीण कुमार के पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की संभावना है। उन्होंने बसपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया और घोषणा की कि वह भविष्य में केसीआर और बीआरएस के साथ मिलकर चलेंगे। इसके साथ ही उनके बीआरएस के टिकट पर नागरकुर्नूल से लोकसभा में प्रवेश करने की खबर है। मेडक से वानेरू प्रताप रेड्डी का नाम तय माना जा रहा है।

# 50 हजार नकद से ज्यादा होने पर दिखाना होगा सबूत

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यदि आपके पास 50,000 रुपये से अधिक नकद है, तो चुनाव अधिकारी या पुलिस इसे जब्त कर सकती है। बड़ी मात्रा में भी चांदी और सोने के आभूषण जब्त कर लिए जाएंगे। क्योंकि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में शनिवार से चुनाव आचार संहिता (संहिता) लागू हो गई है।

यदि कोई आपात स्थिति के लिए नकदी हस्तांतरित कर रहा है, तो उन्हें संबंधित रसीदें (बैंक से, भुगतान से संबंधित दस्तावेज) ले जानी चाहिए। यदि दुकानों में सामान के लिए राशि का भुगतान किया जाता है, तो पूर्व प्राधिकरण (कोटेशन) होना चाहिए। आभूषण के लिए ऑर्डर और मूवमेंट दस्तावेज की प्रति अनिवार्य है। बैंकों और नकदी परिवहन कंपनियों से संबंधित वाहनों को सूर्यास्त से पहले संचालित करने की अनुमति है। मरीज के ओपी दस्तावेज़ और रसीदें अस्पताल के बिलों के साथ रखी जानी चाहिए। पुलिस और चुनाव अधिकारियों द्वारा जब्त की गई संपत्ति को जिला स्तरीय समिति को सौंप दिया जाएगा। समिति की अध्यक्षता जिला परिषद के सीईओ और शीर्ष अधिकारी करेंगे। चुनाव अधिकारियों का कहना है कि अगर पर्याप्त सबूत दिखाने पर ये बातें सही पाई गईं तो वे नकदी और सामान वापस कर देंगे।

## प्रणीत राव 23 मार्च तक पंजागुट्टा पुलिस हिरासत में

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली अदालत द्वारा पुलिस हिरासत में लेने की अनुमति दिए जाने के बाद, पंजागुट्टा पुलिस ने चंचलगुडा जेल में बंद प्रणीतराव को हिरासत में लिया और आज सुबह उनसे पूछताछ की। प्रणीत राव से 7 दिनों तक पूछताछ की जाएगी। प्रणीत राव आज से इस महीने की 23 तारीख तक पुलिस हिरासत में रहेंगे। इस महीने की 13 तारीख को कोर्ट में सौंपी गई रिमांड रिपोर्ट में पुलिस ने प्रणीत राव को हिरासत में लेने के लिए कई अहम बातें बताई हैं। पिछली सरकार में एसआईबी डीएसपी के पद पर कार्यरत प्रणीत राव पर सबूतों से छेड़छाड़, सार्वजनिक संपत्ति और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को नष्ट करने का आरोप लगाया गया है। प्रणीत राव पर आरोप है कि उन्होंने सौंपे गए काम के अलावा गुपचुप तरीके से दूसरों की प्रोफाइल बनाई है। मालूम हो कि प्रणीत राव, जिन्होंने अपनी पेन ड्राइव में गुप्त निगरानी जानकारी संग्रहीत की थी, पर अनियमितताओं का खुलासा किए बिना हार्ड डिस्क को नष्ट करने का आरोप है।

पुलिस योजना बना रही है कि अगर उनके डीएसपी रहने के दौरान उनके साथ काम करने वालों से पूछताछ की जाए तो प्रणीत ने उन्हें क्या करने को कहा था और हार्ड डिस्क में कौन सी महत्वपूर्ण जानकारी (महत्वपूर्ण डेटा) नष्ट की जानी चाहिए, इसकी संभावना है। सवालों के जवाब मिल रहे हैं। पुलिस ने कहा कि प्रणीत राव ने उसके लिए एक विशेष ऑनलाइन कनेक्शन भी स्थापित किया था। पता चला कि पुरानी हार्ड डिस्क का सारा डेटा पिछले साल 4 दिसंबर की रात को नष्ट हो गया था। बताया गया है कि उन्होंने चुनाव नतीजों के दिन वर्षों से गुप्त रूप से एकत्र किए गए सभी डेटा को हटा दिया। बाद में उन्होंने कहा कि पुरानी हार्ड डिस्क के नाम पर नई हार्ड डिस्क लगाई गई हैं। पुलिस ने बताया कि प्रणीत राव के पास से तीन सेलफोन और एक लैपटॉप जब्त किया गया है और इस मामले में प्रणीत राव समेत कई एसआईबी अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की गई है।

## वोट का पंजीकरण 15 अप्रैल तक संभव

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में 13 मई को लोकसभा चुनाव होंगे, लेकिन केंद्रीय चुनाव आयोग ने 15 अप्रैल तक मतदान का अधिकार दर्ज कराने का मौका दिया है। क्या इस बीच सूची पर कोई वोट है? या नहीं यदि नहीं तो जांचें और पंजीकरण करें। चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जो लोग दूसरे क्षेत्रों से यहां आए हैं या जिन्होंने अभी तक मतदान के लिए पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें भी इस अवसर का उपयोग करना चाहिए। मतदाता पंजीकरण एक सतत प्रक्रिया है। हर साल जनवरी, अप्रैल, जुलाई और 1 अक्टूबर में चुनाव आयोग घोषणा करता है कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके लोग मतदान के लिए आवेदन कर सकते हैं और समय-समय पर सूचियां प्रकाशित करता है। नवीनतम सूची की घोषणा इस साल फरवरी में की गई थी। जिन लोगों का नाम इसमें नहीं है और वे पंजीकरण कराना चाहते हैं, वे फॉर्म-8 आवेदन ऑनलाइन या व्यक्तिगत रूप से निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचन अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी या मतदान केंद्र अधिकारी को जमा कर सकते हैं। बदलाव भी संभव है।

# भाजपा दक्षिण में अभूतपूर्व परिणाम हासिल करेगी : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने आज कहा कि देश को सभी क्षेत्रों में आगे ले जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन को लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। मोदी के शासन के प्रति प्रेम के कारण अन्य दलों के कई नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। किशन रेड्डी ने रविवार को पूर्व बीआरएस विधायक अरूरी रमेश का दुपट्टा पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का शासन पूरे देश में लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इसके कारण, भाजपा अगले आम चुनाव में अपने दम पर 370 सीटें और एनडीए सहयोगियों के साथ 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रख रही है। विशेषकर दक्षिण भारत में अप्रत्याशित परिणाम मिलने वाले हैं। लोग समावेशी विकास, गरीबों, वंचितों, युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों के कल्याण के प्रति आकर्षित हैं। उन्होंने कहा कि लोग कल्वाकुंतला की पारिवारिक राजनीति से नफरत करते थे, जिससे लोगों को परेशानी हुई। उन्होंने कहा कि केसीआर की बेटी कविता को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। ईडी का बीजेपी से कोई लेना-देना नहीं है। अगर बीजेपी कार्यकर्ता गलती भी करेंगे तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भी भाजपा की आलोचना कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बीजेपी कार्यकर्ताओं को एमपी की 17 सीटें जीतने के लिए काम करना चाहिए।

# बीआरएस लोकसभा चुनाव में ताकत दिखाने की कोशिश में

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा चुनाव हारने के बाद राज्य में सत्ता गंवाने वाली भारत राष्ट्र समिति लोकसभा चुनाव में अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में अधिकांश सीटें जीतने वाली बीआरएस को इस बार भी सम्मानजनक संख्या में सीटें जीतने की उम्मीद है। लोकसभा क्षेत्रों में तैयारी बैठकें पहले ही हो चुकी हैं और पार्टी नेताओं को चुनाव के लिए तैयार किया गया है। उसी क्रम में विधानसभा क्षेत्रवार पार्टी की व्यापक बैठकें भी हुईं। विधायी बैठकों और अन्य कारणों से कुछ शेष निर्वाचन क्षेत्रों में ये बैठकें आयोजित नहीं की गईं। केसीआर ने भी नेताओं से मुलाकात की और लोकसभा चुनाव गतिविधि

**इस बार लोकसभा चुनाव में केसीआर ज्यादा बैठकें न करके बस यात्रा और रोड शो के जरिए प्रचार करना चाहते हैं। उम्मीद है कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में इस तरह का अभियान व्यापक रूप से लोगों तक पहुंच सकेगा।**

और उम्मीदवारी के हिसाब से नेताओं को दिशा-निर्देश दिए। बीआरएस ने चुनाव का बिगुल अभी से बजा दिया है। केसीआर ने करीमनगर के एसआरआर कॉलेज मैदान में एक सार्वजनिक बैठक करके अपने लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की, जो पार्टी के लिए एक भावना के रूप में सामने आ रही है। उसी के क्रम में वारंगल और खम्मम इलाके में एक-दो बैठकें आयोजित करने की संभावना है। बीआरएस ने दो और सीटों मलकाजीगिरी से चुनावी मैदान में उतरे लक्ष्मारेड्डी के नाम की घोषणा की। इस बार लोकसभा चुनाव में केसीआर ज्यादा बैठकें न करके बस यात्रा और रोड शो के जरिए प्रचार करना चाहते हैं। उम्मीद है कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में इस तरह का अभियान व्यापक रूप से लोगों तक पहुंच सकेगा। अगर तेलंगाना के हितों को पूरा करना है तो वे लोगों से लोकसभा चुनाव में बीआरएस उम्मीदवारों को जिताने की अपील करेंगे। उनसे प्रश्नवाचक स्वर के रूप में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए कहा जाएगा।

# अरब सागर में नौसेना ने दिखाई ताकत

## पैराशूट से कूदे मार्कोस कमांडो, समुद्री लुटेरों से बचाया जहाज

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने एक बार फिर हिंद महासागर और अरब सागर में अपने दबदबे का नमूना पेश किया है। नौसेना ने समुद्री लुटेरों के खिलाफ अरब सागर में चल रहे ऑपरेशन में सफलता हासिल करते हुए व्यापारिक जहाज एमवी रुएन को समुद्री लुटेरों के चंगुल से छुड़ा लिया है और साथ ही 35 समुद्री लुटेरों को हिरासत में लिया है। इस ऑपरेशन के तहत नौसेना ने भारतीय तटों से 2600 किलोमीटर दूर समुद्री डाकुओं के खिलाफ कार्रवाई की और उन्हें आत्मसमर्पण करने को मजबूर कर दिया। करीब 40 घंटे चले ऑपरेशन में नौसेना के आईएनएस कोलकाता और आईएनएस सुभद्रा युद्धपोत, ड्रोन्स और मरीन कमांडो शामिल हुए।

नौसेना ने बताया कि ऑपरेशन के तहत वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की मदद से मार्कोस कमांडो को भारतीय तट से 2600 किलोमीटर दूर अरब सागर में एयरड्रॉप किया गया। साथ ही मार्कोस कमांडो के लिए कई विशेष नौकाएं भी अरब सागर में गिराई गईं। इन नौकाओं की मदद से भारतीय मार्कोस कमांडो अगवा किए गए व्यापारिक जहाज एमवी रुएन पर सवार हुए और वहां ऑपरेशन चलाकर समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया। नौसेना का यह ऑपरेशन करीब 40 घंटे चला। इस दौरान समुद्री लुटेरों ने भी भारतीय जवानों पर कई बार फायरिंग की। नौसेना के अनुसार, इस अहम रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत भारतीय युद्धपोत आईएनएस कोलकाता पर 35 समुद्री लुटेरों को हिरासत में लिया गया और अब उन्हें भारतीय तट पर लाया जा रहा है। साथ ही व्यापारिक जहाज एमवी रुएन के 17 क्रू सदस्यों को भी सुरक्षित बचा लिया गया है और उन्हें भी भारतीय तट पर लाया जा रहा है।

एमवी रुएन को भारतीय तट पर लाया जा रहा :

भारतीय नौसेना समुद्री लुटेरों के कब्जे से छुड़ाए गए जहाज एमवी रुएन को भी भारतीय तट पर लेकर आ रही है। इस जहाज पर भारी मात्रा में स्टील मौजूद है। नौसेना ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान समुद्री लुटेरों ने भी मरीन कमांडो पर फायरिंग की, लेकिन जवाबी कार्रवाई के बाद उन्होंने हथियार डाल दिए।

**बीते साल दिसंबर में अगवा हुआ था एमवी रुएन :**

माल्टा के व्यापारिक जहाज एमवी रुएन को बीते साल दिसंबर में अदन की खाड़ी से समुद्री लुटेरों ने अगवा कर लिया था। अब समुद्री लुटेरे इस जहाज का इस्तेमाल अन्य जहाजों को अगवा करने के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। भारतीय नौसेना ने बीती 15 मार्च को एमवी रुएन जहाज को सोमालिया के पूर्वी तट पर इंटरसेप्ट किया। जिसके बाद नौसेना ने एमवी रुएन को समुद्री लुटेरों के चंगुल से छुड़ाने के लिए ऑपरेशन चलाया।

इस्राइल हमास युद्ध के बाद से अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग रूट खासकर लाल सागर और अदन की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों पर हमले की घटनाएं अप्रत्याशित तरीके से बढ़ गई हैं। ये हमले फलस्तीन के समर्थन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा किए जा रहे हैं। वहीं इस बीच सोमालिया के समुद्री लुटेरे भी अरब सागर के इलाके में काफी सक्रिय हो गए हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.